@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 5 फरवरी 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 66 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

राज्य शासन में केंद्र के हस्तक्षेप से कमजोर हो रहा संघवाद का सिद्धांत: खरगे

त्रिशूर (केरल), 4 फरवरी। बिहार और झारखंड में मची सियासी उठल-पुथल के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य शासन में केंद्र का हस्तक्षेप संघवाद के सिद्धांतों को कमजोर करता है। राज्यों की राजनीतिक स्वायत्तता को कमजोर करने का प्रयास लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार न केवल राज्य सरकारों को परेशान कर रही है, बल्कि देश की गरीब जनता और महिलाओं को कुचल भी रही है। दरअसल, खरगे केरल के त्रिशूर जिले में केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) की एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं में पंडित जवाहरलाल नेहरू जैसी राजनीतिक कौशल की कमी है। उन्होंने कहा कि हमें अपने अधिकारों की रक्षा करनी होगी। अपने देश के लोकतांत्रिक ढांचे को बनाए रखना होगा और इसके लिए एकजुट होना जरूरी है। केरल में यूडीएफ गठबंधन के साथ कांग्रेस पार्टी इन हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि देश में महंगाई और बेरोजगारी ने लोगों को परेशान कर रखा है। उनका जीवन यापन मुश्किल हो गया है। भाजपा शासन ने सार्वजनिक क्षेत्र को पूरी तरह से खत्म करने और केवल निजी क्षेत्र को समर्थन देने का फैसला किया है।

कच्ची कॉलोनियों में जो काम 75 साल में नहीं हुआ, हमने पांच साल में कर दिया: सीएम केजरीवाल

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 4 फरवरी। सीएम अरविंद केजरीवाल ने किराड़ी विधानसभा क्षेत्र में नए सरकारी स्कूल के भवनों का शिलान्यास करने के दौरान कच्ची कॉलोनियों पर राजनीति करने वाले विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। सीएम ने कहा कि कच्ची कॉलोनी में रहने वाले लोगों के साथ सबसे ज्यादा राजनीति हुई है, लेकिन दूसरी पार्टी वालों ने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि कच्ची कॉलोनियों में जो काम पिछले 75 साल में नहीं हुआ, वो काम हमने केवल पांच साल में ही करके दिखा दिया। पांच साल में हमने किराड़ी विधानसभा में ही तीन हजार सड़कें बनवा दी हैं, जबकि दो हजार सड़कें अगले एक साल में बनवा देंगे। अगले विधानसभा चुनाव से पहले हम सभी कच्ची कॉलोनियों की सारी सड़कें पक्की बनवा देंगे। रोहिणी सेक्टर 41 स्थित प्रताप विहार में सरकारी स्कूल की दो नई बिल्डिंग के निर्माण का शिलान्यास करने पहुंचे सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में सबसे ज्यादा राजनीति कच्ची कॉलोनियों में रहने वाले लोगों के साथ हुई है। हर चुनाव के पहले दूसरी पार्टी वाले आकर कहते थे कि हमको वोट दे दो, हम जीत गए तो कच्ची कॉलोनियों के लिए बहुत कुछ कर देंगे, लेकिन

किसी पार्टी ने कुछ नहीं किया। न तो इस पार्टी ने किया और ना ही उस पार्टी ने कुछ किया। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज पूरी दिल्ली में सारी कच्ची कॉलोनियों के अंदर हम लोग सड़कें बनवा रहे हैं, सीवर की पाइप लाइन डलवा रहे हैं और पानी की पाइप लाइन डलवा रहे हैं। किराड़ी विधानसभा में सारी कच्ची कॉलोनियों को मिलाकर पांच हजार सड़कें बननी हैं। इन पांच हजार सड़कों में से तीन हजार सड़कें बन चुकी हैं। 75 सालों में जो काम नहीं हुआ वो हमने पांच साल में करके दिखा दिया। 75 सालों में दूसरी पार्टी वालों ने किरारी विधानसभा में एक भी सड़क नहीं बनवाई है। जबकि हमने पांच साल में तीन हजार सड़कें बनवा दीं, बाकी जो दो हजार सड़कें बची हैं, उसपर काम चल रहा है और एक साल में वो भी बन जाएंगी। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव से पहले किराड़ी में एक भी कच्ची सड़क नहीं रहेगी, सभी को पक्का कर दिया जाएगा। इन सारी सड़कों में सीवर और पानी की पाइप लाइन पड़ रही है। किराड़ी में दिल्ली का सबसे बड़ा सीवेज पंपिंग स्टेशन बन रहा है। ये तीन महीने में बनकर तैयार हो जाएगा। इसके बाद जो सड़कों के दोनों तरफ पानी भरा रहता है, वो साफ हो जाएगा और कहीं गंदा पानी इकट्ठा नहीं होगा।

जौहर यूनिवर्सिटी पर संकट के बादल

रामपुर, 4 फरवरी। सपा नेता आजम खां की जौहर यूनिवर्सिटी को सरकारी घोषित किए जाने की मांग को लेकर फिर से हस्ताक्षर अभियान शुरू किया गया है। इस दफा अभियान की शुरुआत सपा नेता के ही मोहल्ले से की गई है। यह अभियान सप्ताह भर तक चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर यूनिवर्सिटी को सरकारी घोषित कराने की मांग की जाएगी। सपा नेता की जौहर यूनिवर्सिटी पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। सपा नेता आजम खां के करीबी रह चुके उनके करीबी फसाहत अली खां शानू अब भाजपा में शामिल हो चुके हैं। उनकी देखरेख में जौहर यूनिवर्सिटी को सरकारी घोषित कराने की मांग को लेकर अभियान की शुरुआत की गई थी। बीच में यह अभियान रुक गया था। अब फिर से इसे शुरू किया गया है। इस दफा यह अभियान सपा नेता आजम के मोहल्ले से शुरू किया गया है। रविवार को सपा नेता के घेर मीरबाज खां टंकी नंबर पांच से इस अभियान की शुरुआत हुई। सभासद तनवीर गुड्डू और नेता आसिफ खान के नेतृत्व में दोपहर एक बजे से अभियान की शुरुआत की गई जो सप्ताह भर जारी रहेगा। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने हस्ताक्षर किए। युवा भाजपा नेता फसाहत अली शानू ने बताया कि जौहर यूनिवर्सिटी में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर 26 नवंबर रविवार से ग्राम सिंगनखेड़ा से अभियान की शुरुआत की गई थी जो शहर में जारी है। इसके तहत अब घेर मीरबाज खान से सपा नेता पूर्व मंत्री आजम खान के मोहल्ले से अभियान शुरू किया गया। इस मौके पर रोमान खान,नसीर खान,दिनेश,सुलेमान, शाहिद खान,रूबीना,साजिद खान,राजू खान,शावेज़ खान,अल्तमश,आमिर खान,आबिद अली खान,शुऐब अली खान,ज़ीशान,अतहर अली खान,आसिफ,तौहीद खान,गुड्डू तनवीर आदि ने हस्ताक्षर किए।

हम विकास की नीति पर काम करते हैं: पीएम मोदी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 4 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम दौरे के दूसरे दिन रविवार को गुवाहाटी के खानापारा वेटनरी फील्ड में पहुंचे। यहां पीएम ने 11,600 करोड़ रुपए के परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके बाद पीएम ने यहां विशाल जनसभा को संबोधित किया। पीएम ने जनता से कहा कि जिन परियोजनाओं की आज उन्होंने नींव रखी है, उनसे आने वाले समय में काफी रोजगार बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास और विरासत हमारी सरकार की नीति है। असम में डबल इंजन की सरकार सिर्फ विकास की नीति पर काम करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, आज मुझे एक बार फिर मां कामाख्या के आशीर्वाद से असम के विकास से जुड़े प्रोजेक्ट्स आपको सौंपने का सौभाग्य मिला है। थोड़ी देर पहले यहां 11 हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। ये सारे प्रोजेक्ट असम और नॉर्थईस्ट के साथ ही दक्षिण एशिया के दूसरे देशों के साथ इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी को और मजबूत करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं कल शाम को यहां आया, जिस प्रकार से गुवाहाटी के लोगों ने सड़कों पर आकर स्वागत-सम्मान किया, सभी हमे आशीर्वाद दे रहे थे। मैं आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मैंने ञङ्क पर देखा कि आप लोगों ने लाखों दीप जलाए। आपका ये प्यार और अपनापन मेरी बहुत बड़ी अमानत है। पीएम ने कहा, अयोध्या में भव्य आयोजन के बाद मैं अब यहां मां कामाख्या के द्वार पर आया हूं। आज मुझे यहां मां कामाख्या दिव्यलोक परियोजना का शिलान्यास करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दिव्यलोक की जो कल्पना की गई है, मुझे उसके बारे में विस्तार से बताया गया है। जब ये बनकर पूरा होगा तो ये देश और दुनिया भर से आने वाले मां के भक्तों को असीम आनंद से भर देगा। पीएम ने कहा, हमारे तीर्थ, हमारे मंदिर, हमारी

आस्था के स्थान, ये सिर्फ दर्शन करने की स्थली ही नहीं हैं। ये हज़ारों वर्षों की हमारी सभ्यता की यात्रा की अमिट निशानियां हैं। भारत ने हर संकट का सामना करते हुए कैसे खुद को अटल रखा, ये उसकी साक्षी है। कोई भी देश अपने अतीत को मिटाकर, भुलाकर, कभी विकसित नहीं हो सकता। मुझे संतोष है कि बीते 10 वर्षों में अब भारत में स्थितियां बदल गई हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने विकास और विरासत को अपनी नीति का हिस्सा बनाया है। मोदी ने असम सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि असम में भाजपा की सरकार से पहले केवल 6 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि आज यहां 12 मेडिकल कॉलेज हैं। असम आज नॉर्थ ईस्ट में कैंसर के इलाज का बहुत बड़ा केंद्र बन रहा है। पिछले 10 वर्षों में हमारी सरकार ने यहां विकास पर होने वाले खर्च को 4 गुना बढ़ाया है। 2014 के बाद रेलवे ट्रैक की लंबाई 1900 किमी से ज्यादा बढ़ाई गई। 2014 से पहले की तुलना में रेल बजट करीब 400त्न बढ़ाया गया है। 2014 तक यहां सिर्फ 10,000 किमी नेशनल हाईवे हुआ करते थे। पिछले 10 वर्षों में ही हमने 6,000 किमी के नए नेशनल हाइवे बनाए हैं। पीएम ने कहा कि आज पूरा देश कह रहा है कि मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी। मैंने गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों को मूल सुविधाएं देने की गारंटी दी है। आज इनमें से अधिकतर गारंटियां पूरी हो रही हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकार हर लाभार्थी तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य हर नागरिक का जीवन आसान बनाने का है। इससे पहले पीएम मोदी के यहां पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत हुआ। बड़ी संख्या में पहुंची भीड़ ने उनका जोरदार स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने भी सभी का हाथ हिलाकर उनका धन्यवाद किया। लोग उनकी एक झलक देखने के लिए ललायित दिखे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल शाम को असम के दो दिवसीय यात्रा पर गुवाहाटी पहुंचे थे, जहां पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूर्वोत्तर का सबसे हितैषी प्रधानमंत्री माना जाता है। वे मां कामाख्या कॉरडोर का भी शिलान्यास करेंगे।

अजित पवार ने राकांपा संस्थापक की उम्र पर कसा तंज

मुंबई, 4 फरवरी। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार की उम्र को लेकर कटाक्ष किया। उन्होंने उनकी उम्र का जिक्र किया और अपने समर्थकों से कहा कि वे उनकी बात को उसी

तरह सुनें, जैसे वे पहले किसी वरिष्ठ की बात सुनते थे। वहीं, शरद पवार गुट ने भी पलटवार किया। उन्होंने उप मुख्यमंत्री की टिप्पणियों को अमानवीय करार दिया और उन पर पार्टी के संस्थापक की मौत की दुआ करने का आरोप लगाया। अजित पवार पिछले साल जुलाई में शरद पवार की राकांपा से अलग हो गए थे। वह और उनके आठ विधायक एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे। तब से वह लगातार अपनी बगावत को सही ठहराते रहे हैं और शरद पवार की उम्र की ओर इशारा करते हुए कहते रहे हैं कि बुजुर्गों को अगली पीढ़ी के लिए रास्ता देना चाहिए। उन्होंने शरद पवार (83 वर्षीय) का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा। उप मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे नहीं पता कि कुछ लोग कब रुकने वाले हैं। यह एक भावुक अपील होगी कि यह उनका आखिरी चुनाव होगा। पता नहीं आखिरी चुनाव कौन सा होगा। वह पुणे जिले के बारामती में एक सभा में बोल रहे थे। वहीं, शरद पवार गुट के विधायक जितेंद्र अव्हाड ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री ने अपनी टिप्पणी से सारी हदें पार कर दीं हैं। उन्होंने कहा, अजित पवार को अपने अमानवीय बयान पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कथित तौर पर शरद पवार की मौत के लिए दुआ की है। महाराष्ट्र को पता है कि अजित पवार किस तरह के व्यक्ति हैं। अव्हाड ने कहा कि महाराष्ट्र के लिए शरद पवार का योगदान हमेशा बना रहेगा। शरद पवार 1960 के दशक से ऐसे नेता हैं, जिन्हें विधानसभा और लोकसभा चुनावों में हार का सामना नहीं करना पड़ा है। वह अभी राज्यसभा सदस्य हैं। उप मुख्यमंत्री ने सभा में अपने गुट की आगामी लोकसभा चुनाव की योजना के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, आपने इतने वर्षों तक एक वरिष्ठ (शरद पवार) की बात सुनी। अब मेरी बात सुनिए और उन लोकसभा उम्मीदवार को वोट दीजिए, जिन्हें मैं मैदान में उतारने जा रहा हूं। (जब आप वोट देंगे) तो मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कह सकता हूं कि लोगों ने मेरे उम्मीदवार को वोट दिया है। यह मत भूलिए कि जब आप मुसीबत में थे, तो कौन मदद के लिए आया था। बारामती विधायक ने सभा में यह भी कहा कि अगर आप अच्छा काम करना चाहते हैं, तो आपको कुछ आलोचना भी स्वीकार करनी चाहिए।

नीतीश सरकार के फ्लोर टेस्ट से पहले कांग्रेस विधायक हैदराबाद पहुंचे

पटना, 4 फरवरी। झारखंड की तरह की बिहार कांग्रेस के भी विधायकों के टूटने की आशंका है। जैसे झारखंड के अपने विधायकों को कांग्रेस आलाकमान ने अपनी पार्टी की सरकार वाले राज्य तेलंगाना भेजा था, उसी तर्ज पर बिहार के एमएलए भी हैदराबाद भेज दिए गए हैं। इनमें से ज्यादातर को दिल्ली में अचानक बताया गया कि वह हैदराबाद जा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश कुमार सिंह के अनुसार, तेलंगाना में कांग्रेस की नई सरकार बनी है तो बधाई देने के लिए बिहार की टीम आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि वह 11 फरवरी तक वहीं रहेंगे। बिहार में 28 जनवरी को उलटफेर के बाद भारतीय जनता पार्टी के साथ जाकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नई सरकार का गठन किया था। इस सरकार को 12 फरवरी को बिहार विधानसभा में बहुमत साबित करना है। रविवार की शाम बिहार कांग्रेस विधायकों का जत्था अचानक हैदराबाद के शमशाबाद हवाईअड्डे उतरा। मीडिया के सवालों पर बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश सिंह सीधा जवाब दिया कि यहां हमारी पार्टी की नई सरकार बनी है, इसलिए हम सभी यहां पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री से मिलेंगे और उन्हें बधाई देंगे। बिहार कांग्रेस के 19 में से 16 विधायक हैदराबाद में उतरे और यहां फोटो सेशन भी कराया। अखिलेश सिंह भले कह रहे कि वहां के सीएम को बधाई देने पहुंचे हैं, लेकिन बताया जा रहा है कि वह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बहुमत परीक्षण के दिन कांग्रेस के विधायकों को एकजुट रखने के उद्देश्य से वहां गए हैं। अखिलेश सिंह ने कहा कि बाकी तीन विधायक भी आ जाएंगे। बिहार में कांग्रेस के 19 विधायक हैं।

90 फीसदी मतदाताओं को हमारी रणनीति पर भरोसा: अखिलेश यादव

लखनऊ, 4 फरवरी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि एक सर्वे के अनुसार लोगों से बात करने पर पता चला है कि पीडीए में विश्वास करने वालों की संख्या कुल मिलाकर 90 प्रतिशत है। 49 प्रतिशत पिछड़ों, 16 प्रतिशत दलितों और 21 प्रतिशत अल्पसंख्यकों का विश्वास पीडीए में है। इतना ही नहीं 4 प्रतिशत अगड़ों का विश्वास भी पीडीए में है। इनमें से अधिकांश इस बार पीडीए के लिए एकजुट होकर वोट करेंगे। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि भाजपा के पिछले सारे फार्मूले इस बार फेल हो गए हैं। इसीलिए भाजपा उम्मीदवारों के चयन में बहुत पीछे छूट गयी है। भाजपा को उम्मीदवार ही नहीं मिल रहे हैं। महिला पहलवानों की दुर्दशा, मणिपुर की वीभत्स घटना, मां-बेटी को जलाने के कांड जैसी अनगिनत नारी अपमान की घटनाओं को लेकर भाजपा समर्थक महिलाएं भी शर्मिंदा हैं। जीएसटी की कठिनाइयां दुकानदारों, व्यापारियों व छोटे कारखाना मालिकों को भाजपा से पहले ही दूर कर चुकी है।

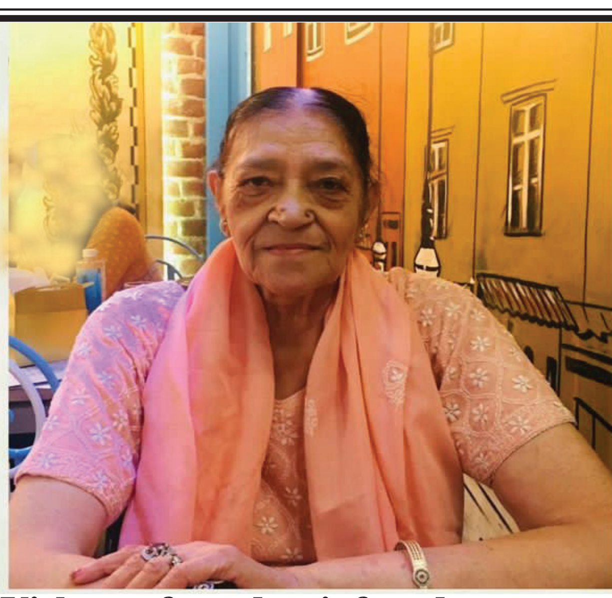

With profound grief and sorrow,
we announce the sad demise of our mother
Smt. Naresh Sharma
On 2nd February 2024

RASAM PAGDI
GURUDWARA SRI GURU SINGH SABHA
at
Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009
on
MONDAY, 5th February 2024
from 3:00pm to 4:00pm

" I watched you suffer, I saw you die,
but all I could do was sit close by,
You went away, we had to part,
God eased your pain, but broke my heart."

Grief Stricken
Sharma Family
9910828636 7428284485

यूसीसी ड्राफ्ट को कैबिनेट की हरी झंडी

नरेश मल्होत्रा

देहरादून, 4 फरवरी। समान नागरिक संहिता(यूसीसी) के ड्राफ्ट को उत्तराखंड कैबिनेट ने हरी झंडी दे दी है। रविवार को सीएम आवास पर हुई कैबिनेट की बैठक में ड्राफ्ट का विधेयक तैयार कर विधानसभा के पटल पर रखने को मंजूरी दे दी गई। अब आगामी छह फरवरी को आयोजित विधानसभा सत्र में यूसीसी का विधेयक पेश किया जाएगा।

– 1962 में जनसंघ ने हिंदू मैरिज एक्ट और हिंदू उत्तराधिकार विधेयक वापस लेने की बात कही। इसके बाद जनसंघ ने 1967 के उत्तराधिकार और गोद लेने के लिए एक समान कानून की वकालत की। 1971 में भी वादा दोहराया। हालांकि 1977 और 1980 में इस मुद्दे पर कोई बात नहीं हुई।

– 1980 में भाजपा का गठन हुआ। भाजपा के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी बने। पार्टी ने 1984 में पहली बार चुनाव लड़ा, जिसमें केवल दो सीटें मिली।

– 1989 में 9वां लोकसभा चुनाव हुआ, जिसमें भाजपा ने राम मंदिर, यूनिफॉर्म सिविल कोड को अपने चुनावी घोषणा-पत्र में शामिल किया। पार्टी की सीटों की संख्या बढ़कर 85 पहुंची।

– 1991 में देश में 10वां मध्यावधि चुनाव हुआ। इस बार भाजपा को और लाभ हुआ। उसकी सीटों की संख्या बढ़कर 100 के पार हो

गई। इन लोकसभा चुनावों में भाजपा ने यूनिफॉर्म सिविल कोड, राम मंदिर, धारा 370 के मुद्दों को जमकर उठाया। ये सभी मुद्दे बीजेपी के चुनावी घोषणापत्र में शामिल थे, मगर संख्या बल के कारण ये पूरे नहीं हो पाए थे।

– इसके बाद 1996 में भाजपा ने 13 दिन के लिए सरकार बनाई। 1998 में पार्टी ने 13 महीने सरकार चलाई। 1999 में बीजेपी ने अपने सहयोगियों के साथ बहुमत से सरकार बनाई। तब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने।

– वर्ष 2014 में पहली बार भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता पर काबिज हुई और केंद्र में मोदी सरकार आई। मोदी सरकार ने पूरे जोर-शोर से अपने चुनावी वादों पर काम करना शुरू किया। अब केंद्र की सरकार समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में काम कर रही है। इसी कड़ी में यूसीसी को लागू कर उत्तराखंड, देश का पहला राज्य बनने की ओर अग्रसर है।

–उत्तराखंड में 2022 में भाजपा ने यूसीसी के मुद्दे को सर्वोपरि रखते हुए वादा किया था कि सरकार बनते ही इस पर काम किया जाएगा। धामी सरकार ने यूसीसी के लिए कमेटी का गठन किया। जिसने डेढ़ साल में यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार किया। अब विधानसभा का विशेष सत्र पांच फरवरी से शुरू होने जा रहा है, जिसमें पास होने के बाद यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन जाएगा।

एलन मस्क के ''न्यूरालिंक'' ने पहली बार मनुष्य में प्रतिरोपित की ब्रेन चिप, जानें क्या हो सकते हैं परिणाम ?

अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने पिछले हफ्ते घोषणा की कि उनकी मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफेस कंपनी 'न्यूरालिंक% ने पहली बार किसी इंसान में एक...

मेलबर्न. अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने पिछले हफ्ते घोषणा की कि उनकी मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफेस कंपनी 'न्यूरालिंक' ने पहली बार किसी इंसान में एक उपकरण प्रतिरोपित किया है। कंपनी का 'प्राइम अध्ययन ''पक्षाघात से पीड़ित लोगों के मस्तिष्क में प्रतिरोपण का परीक्षण कर रहा है ताकि वे ''अपने विचारों से बाहरी उपकरणों को नियंत्रित कर सकें। मोनाश विश्वविद्यालय के नाथन हिगिंस की रिपोर्ट के अनुसार 'प्राइम अध्ययन को अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने पिछले साल अनुमोदित किया था। 'न्यूरालिंक को प्रयोगशाला में जानवरों के साथ दुर्व्यवहार के लिए पिछले कुछ वर्षों में जांच का सामना करना पड़ा है और कंपनी के कई अधिकारी कंपनी छोड़कर चले गए हैं। इसके बावजूद 10 साल से कम पुरानी कंपनी के लिए 'प्राइम परीक्षण एक बड़ी उपलब्धि है।

न्यूरालिंक की चुनौतियां अभी खत्म नहीं हुई हैं। किसी उपकरण को प्रतिरोपित करना प्रतिस्पर्धियों, वित्तीय बाधाओं और नैतिक दुविधाओं से घिरी दशकों तक चलने वाली क्लिनिकल परियोजना की शुरुआत भर है। मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफेस का पहला प्रदर्शन 1963 में किया गया था। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान के दौरान तंत्रिका विज्ञानी विलियम ग्रे वाल्टर ने अपने एक मरीज के मस्तिष्क को प्रोजेक्टर से जोड़कर अपने दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया था। उन्होंने उनके विचारों से अपनी प्रस्तुति की स्लाइड को आगे बढ़ाकर दिखाया। बहरहाल, गंभीर पक्षाघात से पीड़ित मरीजों की गतिशीलता और संचार क्षमता को बहाल करने के लिए मस्तिष्क-रिकॉर्डिंग तकनीकों का उपयोग करने संबंधी खोज 2000 के दशक की शुरुआत में आरंभ हुई थी।

न्यूरालिंक की तकनीक अत्याधुनिक रिकॉर्डिंग उपकरणों पर आधारित है। न्यूरालिंक द्वारा प्रतिरोपित किया जाने वाला उपकरण 'यूटा ऐरे नामक अन्य उपकरण की तुलना में अधिक पतला, छोटा और कम अवरोध पैदा करने वाला है। वर्ष 2005 से उपलब्ध मौजूदा मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफेस में 'यूटा ऐरे का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। अगली पीढ़ी के मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफेस का व्यावसायीकरण करने की दौड़ में न्यूरालिंक को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है और उसकी सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी सिंक्रोन नामक ऑस्ट्रेलियाई कंपनी है। मेलबर्न स्थित इस स्टार्ट-अप ने हाल में मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं के माध्यम से माइक्रोइलेक्ट्रोड का प्रतिरोपण किया।

इसकी मदद से पक्षाघात से पीड़ित मरीज स्मार्टफोन और टैबलेट का उपयोग करने, इंटरनेट का इस्तेमाल करने, ईमेल भेजने, वित्त प्रबंधन और 'एक्स पर पोस्ट करने में सक्षम हुए। न्यूरालिंक और अन्य मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफेस के लिए आवश्यक विस्तृत न्यूरोसर्जरी के बजाय सिंक्रोन के उपकरण के प्रतिरोपण के लिए गर्दन में केवल एक मामूली चीरा लगाने की आवश्यकता होती है। इन प्रतिस्पर्धी माहौल ने प्राइम अध्ययन में रोगियों के कल्याण से संबंधित संभावित नैतिक मुद्दों को पैदा किया है। इन अध्ययनों के लिए उपयुक्त मरीज खोजना एक कठिन कार्य है। वर्ष 2022 में 'सेकंड साइट मेडिकल प्रोडक्ट नामक कंपनी ने इन जोखिमों को उजागर किया।

कंपनी ने दृष्टिहीनता के इलाज के लिए रेटिना प्रतिरोपण किया, लेकिन जब कंपनी दिवालिया हो गई, तो दुनिया भर में जिन 350 से अधिक रोगियों में अध्ययन के लिए प्रतिरोपण किया गया था, उसने उन्हें वैसे ही छोड़ दिया और इस प्रतिरोपण को हटाने का कोई रास्ता नहीं था। यदि न्यूरालिंक के उपकरण सफल होते हैं, तो वे रोगियों के जीवन को बदल देंगे लेकिन यदि कंपनी लाभ न कमा पाने के कारण परिचालन बंद कर दे तो क्या होगा? दीर्घकालिक देखभाल के लिए एक योजना आवश्यक है।

मस्क और उनकी टीम को अनुसंधान की ईमानदारी और मरीजों की देखभाल के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता बनाए रखनी होगी। मरीजों के समुदायों से जुड़ने के लिए न्यूरालिंक द्वारा स्थापित की गई रोगी रजिस्ट्री सही दिशा में उठाया गया कदम है। मरीजों और उनके परिवारों को हो सकने वाला नुकसान रोकने के लिए दीर्घकालिक योजना की आवश्यकता होगी।

अमेरिका ने पाकिस्तान जाने वाले अपने नागरिकों को किया अलर्ट, जारी की ट्रैवल एडवाइजरी

इस्लामाबाद. अमेरिका ने पाकिस्तान की यात्रा करने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए एक यात्रा परामर्श जारी किया है और आठ फरवरी के आम चुनावों से पहले उनसे सावधानी बरतने को कहा तथा चुनाव से जुड़ी संभावित हिंसा की भी चेतावनी दी। पाकिस्तान स्थित अमेरिकी दूतावास ने शुक्रवार को एक परामर्श जारी किया और अपने नागरिकों से सतर्क रहने तथा उन स्थानों पर जाने से परहेज करने को कहा जहां राजनीतिक रैलियां हो रही हैं।

परामर्श में कहा गया है कि चुनाव के दिन आठ फरवरी को मतदान केंद्रों के आसपास के इलाकों में भीड़भाड़ हो सकती है और अमेरिकी नागरिकों को वहां जाने से बचना चाहिए। दूतावास ने उल्लेख किया कि पाकिस्तान में राजनीतिक दल सक्रियता से चुनाव प्रचार कर रहे हैं, जैसे कि मार्च निकाल रहे हैं और रैलियां कर रहे हैं। इसने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से यातायात अवरूद्ध हो सकता है, परिवहन बाधित हो सकता है और मुक्त आवागमन एवं सुरक्षा में व्यवधान पड़ सकता है। परामर्श में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान में राजनीतिक गतिविधियों को हिंसा के लिए निशाना बनाने के कुछ उदाहरण भी देखने को मिले हैं। इस हफ्ते, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में राजनीतिक दलों पर चुनाव पूर्व कई हमले हुए। परामर्श में कहा गया है कि मतदान से पहले और मतदान के दिन इंटरनेट एवं मोबाइल सेवाएं भी बाधित हो सकती हैं।

US President Election: साउथ कैरोलाइना का प्राइमरी चुनाव जीते राष्ट्रपति बाइडेन

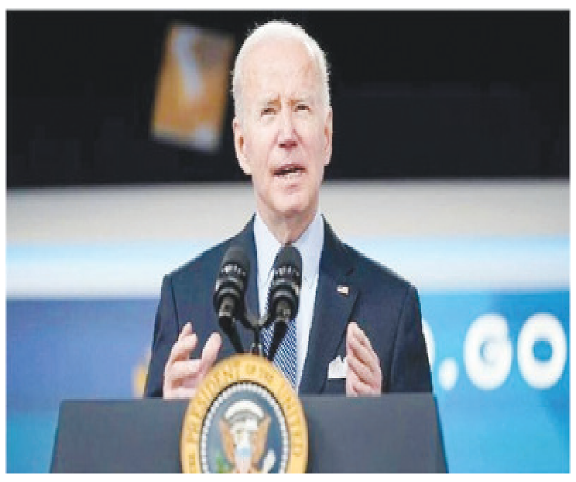

कोलंबिया. अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने देश में राष्ट्रपति पद के लिए इस साल होने वाले चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार चुनने की प्रक्रिया के तहत कराए गए साउथ कैरोलाइना प्राइमरी चुनाव में आसानी से जीत हासिल कर ली। बाइडेन ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनने के अन्य दावेदारों-मिनेसोटा से सांसद डीन फिलिप्स और लेखिका मैरिएन विलियम्सन को शनिवार को हुए प्राइमरी चुनाव में हरा दिया।

बाइडेन ने जीत हासिल करने के बाद कहा, ''साउथ कैरोलाइना के मतदाताओं ने 2020 में राजनीतिक विश्लेषकों को गलत साबित किया था, उन्होंने हमारे प्रचार अभियान में नई जान फूंकी थी और हमें राष्ट्रपति पद जीतने की राह पर आगे बढ़ाया था। उन्होंने कहा, ''अब 2024 में भी साउथ कैरोलाइना के लोगों ने अपनी पसंद बता दी है।

मुझे इस बात पर कोई संदेह नहीं है कि आपने हमें राष्ट्रपति पद का चुनाव फिर से जीतने और (पूर्व राष्ट्रपति) डोनाल्ड ट्रंप को फिर से हराने की राह पर अग्रसर किया है। पिछले राष्ट्रपति चुनाव में भी इस प्राइमरी चुनाव ने बाइडन को पार्टी उम्मीदवार बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति पद के चुनाव होने है और इससे पहले डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी अपने-अपने उम्मीदवार चुनने की प्रक्रिया से गुजर रही हैं।

सिंगापुर में प्रयोगशाला में तैयार मांस का सेवन कर सकेंगे मुसलमान, माननी होगी ये शर्त

इंटरनेशनल डेस्क. सिंगापुर में मुसलमानों को प्रयोगशाला में तैयार मांस का सेवन करने की अनुमति दी जाएगी बशर्ते इसके लिए इस्तेमाल कोशिकाएं हलाल जानवरों से ली गई हों और अंतिम उत्पाद में कोई गैर-हलाल घटक शामिल न हो। टुडे अखबार में शनिवार को प्रकाशित खबर के मुताबिक सिंगापुर के मुफ्ती डॉ. नजीरुद्दीन मोहम्मद नासिर ने कहा कि यह निर्णय इस बात का उदाहरण है कि फतवा शोध को आधुनिक तकनीक और सामाजिक परिवर्तन के साथ कैसे विकसित होना है।

वह शुक्रवार को समकालीन समाजों में फतवा पर दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस्लाम में, फतवे मुस्लिम समुदाय को धार्मिक जीवन के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन से संबंधित फैसले हैं और मुफ्ती के रूप में जाना जाने वाला योग्य धार्मिक विद्वान इस्लामी कानून की औपचारिक व्याख्या करता है। मुस्लिम मामलों के प्रभारी मंत्री मासागोस जुल्किफली ने सम्मेलन के इतर संवाददाताओं से यह भी कहा कि प्रयोगशाला में तैयार मांस के मुद्दे पर 2022 से सिंगापुर इस्लामिक धार्मिक परिषद (MUIS) अध्ययन कर रही थी।

टुडे ने मंत्री को उद्धृत किया, ''हम वास्तव में इस क्षेत्र में नेतृत्व करने वाले दुनिया के पहले देशों में से एक हो सकते हैं, हम न केवल प्रयोगशाला में मांस का उत्पादन कर रहे हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि यह मुसलमानों के उपभोग के लिए है। सिंगापुर के मुफ्ती नजीरुद्दीन ने कहा कि तकनीकी विकास और सामाजिक परिवर्तन होने पर धार्मिक अधिकारियों को अपने फैसलों में समायोजन की अनुमति देनी चाहिए।

अमेरिका में ट्रक से चुराए मेमोरी कार्ड से खुली दोहरे हत्याकांड की गुत्थी

न्यूयार्क. अमेरिका के एंकरेज शहर में देह व्यापार में शामिल एक महिला जब एक ट्रक चालक के साथ 'डेट पर गयी तो उसने वाहन में से एक डिजिटल मेमोरी कार्ड चुरा लिया लेकिन उस वक्त उसे इसकी भनक तक नहीं थी कि इस कार्ड में दो हत्याकांड का राज छिपा हुआ है। चोरी, मारपीट और वेश्यावृत्ति के अपराधिक इतिहास वाली इस महिला को उस कार्ड में जो मिला, वह दोहरे हत्याकांड की कुंजी है। अब चार साल बाद इस हत्याकांड के मुकदमे की सुनवाई शुरू होने वाली है। इस कार्ड में मैरिएट होटल में एक महिला की पिटायी और गला घोटकर उसकी हत्या की भयानक तस्वीरें और वीडियो दर्ज है। इसमें कंबल से ढके उसके शव को सामान ढोने वाली एक गाड़ी में ले जाने की भी तस्वीरें हैं। एक वीडियो में हमलावर को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ''मेरी फिल्मों में, हर किसी को मरना ही पड़ता है। ट्रक से एसडी कार्ड चुराने के करीब एक सप्ताह बाद महिला ने इस पुलिस को सौंप दिया, जिसने वीडियो में सुनायी दे रही आवाज ब्रायन स्टीवन स्मिथ (52) की बतायी जिसे वह पहले की एक जांच से ही जानते थे।

वे दक्षिण अफ्रीका का रहने वाला है। स्मिथ ने कैथलीन हेनरी (30) और वेरोनिका अबौचुक (52) की मौत के मामले में हत्या, यौन शोषण और सबूतों से छेड़छाड़ के 14 आरोप स्वीकार नहीं किए हैं।

इजराइल की हिजबुल्लाह को चेतावनी- उकसाया तो "तुरंत हमला करने के लिए तैयार' हैं

इंटरनेशनल डेस्क. इजराइल की सेना ने पड़ोसी देश लेबनान में हिजबुल्लाह को अब तक की विस्तृत चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसे उकसाया गया तो वह ''तुरंत हमला करने के लिए तैयार%% है। इसके साथ ही इजराइली सेना ने गाजा में चार महीने से चल रहे युद्ध के दौरान उत्तरी सीमा पर हिजबुल्लाह की गतिविधियों का जिक्र किया और इस आतंकवादी समूह के खिलाफ सीरिया में कई हवाई हमले करने की बात भी स्वीकार की। इजराइली सेना के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने कहा, ''युद्ध हमारी पहली प्राथमिकता नहीं है लेकिन हम निश्चित रूप से तैयार हैं। जहां भी हिजबुल्ला होगा तो हम कार्रवाई करते रहेंगे, पश्चिम एशिया में जहां भी जरूरत होगी हम कार्रवाई करते रहेंगे। जो लेबनान के लिए सही है, वही सीरिया के लिए भी सही है और वही ज्यादातर अन्य दूरस्थ स्थानों के लिए भी सही है। ये टिप्पणियां रक्षा मंत्री की उस चेतावनी के बाद आयी हैं कि गाजा में चरमपंथी समूह हमास के खिलाफ संघर्ष विराम का मतलब यह नहीं है कि इजराइल जरूरत पड़ने पर हिजबुल्लाह पर हमला नहीं करेगा। इस क्षेत्र में ईरान समर्थित समूहों के साथ व्यापक युद्ध की चिंताओं के बीच इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम को बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। हमास के एक शीर्ष अधिकारी ओसामा हमदान ने बताया कि वे अमेरिका, मिस्र, कतर और इजराइल द्वारा दिए गए प्रस्ताव का अध्ययन कर रहे हैं और कहा कि इजराइल स्थायी संघर्ष विराम समेत कई शर्तें स्वीकार कर रहा है।हमास शासित गाजा में युद्ध के कारण उसकी 85 फीसदी आबादी विस्थापित हो गयी है।

गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में 107 लोगों की मौत हो गयी है जिससे युद्ध में अब तक मारे गए लोगों की संख्या 27,238 पहुंच गयी है।

पाकिस्तान: जेल में बंद इमरान पर गिरी नई गाज, बेहद करीबी कुरैशी भी चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने जेल में बंद देश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी सहयोगी शाह महमूद कुरैशी को सरकारी खुफिया जानकारी लीक करने के मामले में 10 साल कैद की सजा सुनाए जाने के मद्देनजर उन्हें पांच साल के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित कर दिया। पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी (67) को ऐसे समय में अयोग्य ठहराया गया है जब आठ फरवरी को देश में आम चुनाव होने हैं। खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) सरकार की कार्रवाई के बावजूद और अपने प्रसिद्ध चुनाव चिह्न बल्ले के बिना चुनाव लड़ रही है। खान और कुरैशी को गोपनीयता का उल्लंघन करने के मामले में मंगलवार को 10-10 साल जेल की सजा सुनाई गई।'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने विशेष अदालत के 30 जनवरी, 2024 के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि संविधान और कानून के अनुसार कोई भी दोषी व्यक्ति चुनाव में भाग नहीं ले सकता है। ईसीपी ने शनिवार को कहा, ''परिणामस्वरूप, मखदूम शाह महमूद कुरैशी 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 63(1)(एच) के साथ चुनाव अधिनियम, 2017 की धारा 232 के तहत अयोग्य हो गए हैं।

पाकिस्तान में फिर एक बार शरीफ सरकार? चुनाव से पहले लग रहे कयास, भारत पर क्या असर

इस्लामाबाद. पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 25 करोड़ लोगों के देश पाकिस्तान में 8 फरवरी को नेशनल असेंबली के अलावा, चार प्रांतीय विधानसभाओं में भी चुनाव होगा। सभी निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव के लिए 26 करोड़ से अधिक मतपत्रों की छपाई की गई। यह मतदान पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर ताबड़तोड़ एक्शन और अस्थिर राजनीतिक माहौल के बीच हो रहा है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि पाकिस्तान में फिर एक बार नवाज शरीफ सरकार देखने को मिल सकती है।

पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (क्रल्रू-ह्) 2013 में स्पष्ट बहुमत के साथ तीसरी बार सत्ता में आई थी। लेकिन 74 वर्षीय शरीफ को 2017 में पद से हटा दिया गया था। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप साबित हुए और उन्हें जेल की सजा हुई थी। इसके कारण वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए थे। पिछले राष्ट्रीय चुनाव से कुछ दिन पहले, 2018 में उन्हें अपनी बेटी मरियम के साथ 10 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। वैसे पाकिस्तान में आजतक कोई भी प्रधानमंत्री अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया है।

इमरान से हारी थी नवाज की पार्टी

2018 में नवाज शरीफ की पार्टी को हार का सामना करना पड़ा और इमरान खान पहली बार सत्ता पर काबिज हुए। लेकिन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) गठबंधन ने 2022 में इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया जिससे उनकी सरकार गिर गई। इसके बाद नवाज शरीफ के छोटे भाई और पार्टी के राजनीतिक गढ़ कहे जाने वाले पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री 72 वर्षीय शहबाज शरीफ ने 2022 में प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला था।

इस बीच, नवाज शरीफ इंग्लैंड में चार साल बिताने के बाद अक्टूबर में पाकिस्तान लौट आए। कुछ ही हफ्तों में, उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों को अदालतों में खारिज कर दिया गया। इसी के साथ संकेत गया कि उन्हें पाकिस्तान की ताकतवर सेना द्वारा देश के अगले प्रधानमंत्री के रूप में चुन लिया गया है। विश्लेषकों की मानें तो ये चुनाव नवाज शरीफ को फिर से गद्दी पर बिठाने के लिए होंगे क्योंकि उन्हें सेना का समर्थन हासिल है।

भारत पर क्या असर?

नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएलएन ने आम चुनाव से पहले घोषणापत्र जारी किया था। इसमें भारत के साथ संबंधों का भी जिक्र किया गया। घोषणापत्र में कहा गया कि भारत के साथ संबंध तब तक सामान्य नहीं हो सकते जब तक कि जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को बहाल नहीं किया जाता। हालांकि नवाज शरीफ के बारे में कहा जाता है कि वह भारत के साथ अच्छे संबंधों के समर्थक रहे हैं। 2014 में पीएम मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान भारत आने वाले वे आखिरी पाकिस्तानी पीएम थे।

नवाज के पीएम बनने की स्थिति में भारत के साथ बातचीत शुरू हो सकती है। इस दौरान पाक आर्मी का भी समर्थन नवाज शरीफ के पास होगा।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

चिली के जंगलों में लगी आग ने मचाई भयंकर तबाही, 46 लोगों की मौत, 1100 घर नष्ट

सैंटियागो. मध्य चिली में जंगलों में लगी भीषण आग के घनी आबादी वाले इलाके में फैलने से कम से कम 46 लोगों की मौत हो गई और लगभग 1,100 मकान जलकर खाक हो गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। चिली की गृह मंत्री कैरोलिना तोहा ने बताया कि वर्तमान में देश के मध्य और दक्षिण के 92 जंगल आग की चपेट में हैं, जहां इस सप्ताह तापमान असामान्य रूप से अधिक रहा है।

वालपराइसो क्षेत्र में सबसे भीषण आग लगी, जहां अधिकारियों ने लोगों से अपने घरों को नहीं छोड़ने का आग्रह किया, ताकि दमकल की गाड़ियों, एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों को आवाजाही में आसानी हो। तोहा ने मारे गए 19 लोगों के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। वालपराइसो क्षेत्र में तीन आश्रय शिविर बनाए गये हैं।

तोहा ने बताया कि बचाव दल अभी भी सबसे अधिक प्रभावित इलाकों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। तोहा ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए 19 हेलीकॉप्टर और 450 से अधिक दमकल कर्मियों को क्षेत्र में तैनात किया गया है।

सेनेगल में 25 फरवरी को होने वाले राष्टपति चुनाव स्थगित, जानें क्या है वजह

डकार. पश्चिम अफ्रीकी देश सेनेगल के राष्ट्रपति मैकी सैल ने कुछ उम्मीदवारों को लेकर विवाद और चुनाव से संबंधित मामलों में भ्रष्टाचार के आरोपों का हवाला देते हुए 25 फरवरी को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को स्थगित कर दिया। सैल ने कहा कि उन्होंने चुनाव स्थगित करने के लिए एक आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। यह कदम ऐसे वक्त उठाया गया है जब अफ्रीका के सबसे स्थिर लोकतंत्रों में से एक सेनेगल में चुनाव प्रचार शुरू होने वाला था। सैल इस चुनाव में उम्मीदवार के रूप में नहीं उतरे थे।

सैल ने मतदान के लिए नयी तारीख की घोषणा किए बिना कहा, ''उम्मीदवारों पर विवाद चुनाव से पहले और बाद में मुकदमेबाजी की शुरुआत करके चुनाव की विश्वसनीयता को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव लड़ने के लिए मंजूरी प्राप्त 20 उम्मीदवारों में से कुछ के पास दोहरी राष्टीयता पाई गई, जो सेनेगल के संविधान के तहत उन्हें अयोग्य घोषित कर देगी।

पूर्व प्रधानमंत्री अमिनाता टूर ने चुनाव स्थगित करने की आलोचना करते हुए इसे ''साजिश करार दिया। टूर ने कहा, ''लंबे समय से, उन्होंने इस प्रक्रिया को बाधित किया है। यह पहली बार है कि सेनेगल में राष्ट्रपति चुनाव स्थगित किया गया है।

देश में महत्वपूर्ण चुनाव विवादों में घिर गया है। पिछले दिनों झड़पों के कारण सैल ने घोषणा की थी कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगे।

कहते हैं बीजेपी में आ जाओ तो सारे खून माफ, बिल्कुल नहीं आऊंगा, केजरीवाल ने किया दावा

नई दिल्ली। दिल्ली में एक जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, वो कहते हैं कि बीजेपी में आ जाओ लेकिन मैं नहीं जाऊंगा। सीएम केजरीवाल किराड़ी में नए सरकारी स्कूलों का शिलान्यास करने पहुंचे थे। यहां सीएम ने भारतीय जनता पार्टी को भी निशाने पर लिया। सीएम केजरीवाल ने आगे कहा, ये जो मर्जी षड्यंत्र कर लें हमारे खिलाफ कुछ नहीं होने वाला। मैं भी डटा हुआ हूं इनके खिलाफ, मैं भी नहीं झुकने वाला। ये कहते हैं कि बीजेपी में आ जाओ मैं छोड़ दूंगा। मैंने कहा, बिल्कुल नहीं आऊंगा बीजेपी में, कतई नहीं आऊंगा। क्यों आ जाएं बीजेपी में। बीजेपी में चले जाओ तो सारे खून माफ। हमने कौन सा गलत काम किया है। स्कूल ही तो बनवा रहे हैं, अस्पताल ही तो बनवा रहे हैं। सड़क ही तो बनवा रहे हैं। पानी का ही तो इंतजाम कर रहे हैं। सीवर ठीक करा रहे हैं। हम क्या गलत कर रहे हैं।

किराड़ी विधानसभा में सरकारी स्कूलों का शिलान्यास करने के बाद सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सरकार के शिक्षा और चिकित्सा मॉडल की भी जमकर तारीफ की। सीएम केजरीवाल ने अपने साथियों मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को याद करते हुए कहा, मनीष सिसोदिया को इसलिए जेल में नहीं डाला क्योंकि उन्होंने कोई भ्रष्टाचार किया। उन्हें जेल में इसलिए डाल दिया गया क्योंकि उन्होंने अच्छे स्कूल बनवाए। सिसोदिया सुबह 6 बजकर उठ कर स्कूलों का निरीक्षण करने निकल जाते थे और यह देखते थे कि किस स्कूल में पढ़ाई कैसी चल रही है।

केजरीवाल ने कहा कि कौन भ्रष्टाचारी स्कूलों के अंदर चक्कर लगाता है? भ्रष्टाचार करने वाला रात को दारू पीता है...लड़कीबाजी करता है और गलत काम करता है। सीएम ने कहा कि सत्येंद्र जैन को इसलिए जेल में डाल दिया गया क्योंकि वो अच्छे अस्पताल बनवा रहे थे और अच्छे मोहल्ला क्लिनिक बनवा रहे थे। सीएम केजरीवाल ने एक बार फिर देश की सरकारी एजेंसियों के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया। सीएम ने कहा कि सारी एजेंसियों को केजरीवाल के पीछे छोड़ दिया गया है।

नोटिस देने Atishi के आवास पर पहुंची Delhi Police की टीम, AAP नेता घर पर मौजूद नहीं

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के अधिकारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों की ''खरीद-फरोख्त'' के प्रयास के आरोपों के संबंध में रविवार को नोटिस देने दिल्ली की मंत्री आतिशी के आवास पर पहुंचे। 'आप' में सूत्रों ने बताया कि आतिशी अपने आवास पर मौजूद नहीं थीं। बहरहाल, मंत्री ने अपने कार्यालय के कर्मचारियों को नोटिस लेने का निर्देश दिया।

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''टीम आतिशी को नोटिस देने फिर जाएगी। वह आज सुबह अपने घर में मौजूद नहीं थीं।'' इससे एक दिन पहले अपराध शाखा के अधिकारियों ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नोटिस देकर उनसे भाजपा की तरफ से 'आप' के सात विधायकों को खरीदने की कोशिश संबंधी उनके दावों की जांच में तीन दिन के भीतर जवाब देने को कहा।

केजरीवाल और आतिशी का रोहिणी में दो स्कूलों की नींव रखने का कार्यक्रम है। केजरीवाल और आतिशी ने 27 जनवरी को दावा किया था कि भाजपा, 'आप' सरकार को गिराने के लिए सत्तारूढ़ दल के विधायकों को 25-25 करोड़ रुपये और अगले साल के विधानसभा चुनाव में टिकट की पेशकश कर उन्हें खरीदने का प्रयास कर रही है। भाजपा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें ''झूठा'' और ''निराधार'' बताया था और मुख्यमंत्री को उनके दावों के समर्थन में सबूत पेश करने की चुनौती दी थी।

सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुमन गुप्ता पत्नी श्री अमित गुप्ता पूरी पहली मंजिल, पूरी दूसरी मंजिल, बिना छत के नगर निगम की संपत्ति WZ-307, क्षेत्रफल 90 वर्ग मीटर, खसरा नं. 1661/709, लाल डोरा की आबादी 1908-09, गांव मादीपुर, नई दिल्ली-110063 की मालिक हैं। पंजीकृत बिक्री विलेख दिनांक 21.12.2023 द्वारा श्री फिरोज खान (अविभाजित 66% शेयर) और श्री अमजद खान पुत्र श्री वसीउल्ला खान द्वारा निष्पादित (अविभाजित 34त्न शेयर) श्रीमती सुमन गुप्ता पत्नी श्री अमित गुप्ता के पक्ष में संपूर्ण पहली मंजिल के संबंध में, बिना छत के अधिकार और पंजीकृत बिक्री विलेख दिनांक 21.12.2023 को श्री फ़िरोज़ खान द्वारा निष्पादित (66% अविभाजित शेयर) और श्री अमजद खान पुत्र श्री वसीउल्ला खान (अविभाजित 34% शेयर) श्रीमती सुमन गुप्ता के पक्ष में, बिना छत के, दूसरी मंजिल के संबंध में। दस्तावेज़ संख्या 2023/6/आई/865बी, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 5211, पृष्ठ संख्या 65-82 दिनांक 22.12.2023 को एसआर-द्वितीय, पंजाबी बाग में जो फेडबैंक के साथ अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त संपत्ति को गिरवी रखना चाहता है। फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड, जिसे भी उक्त बंधक या अधिग्रहण पर कोई आपत्ति है या किसी का संपत्ति पर दावा या अधिकार या हित है, उसे 07 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करना होगा, अन्यथा यह माना जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 3/2/2024

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

NOTICE

Public at large is hereby informed that my clients Mr. Kounal Gupta was the owner of Industrial Leasehold Built-up Plot Bearing No. 95, situated in Block-A, Sector-05, area measuring 800 sq. mtrs., and having its total covered area 1600 sq. mtrs., NOIDA, District Gautam Budh Nagar, U.P. vide Transfer Deed Cum Sale Deed dated 25.09.2023 executed by M/s. Saraswati Printing Press (Partnership Firm) through Indiabulls Asset Reconstruction Company Ltd. through its authorized signatory Mr. Govind in favour of Mr. Kounal Gupta in respect of the said property. (Document No. 5407, in Book No. I, Volume No. 13642, pages 1-28, registered on 25.09.2023. (SRO- G.B. Nagar). Initially, NOIDA leased out the said property to M/s. Saraswati Printing Press through their Partners (1) Mr. M.K. Malik (2) Mr. D.K. Malik (3) Mr. M.K. Malik (4) Mr. Bharat Bhushan Malik (5) N.K. Malik vide Lease Deed dated 21.10.1983.(Document No. 3264 and Mu. No. 3265) M/s. Saraswati Printing Press had mortgaged the said property towards the financial facility sanctioned vide Loan Account No. 650014044381 offered by Indusind Bank Ltd. and failed to repay the loan back and Finally, Transfer Deed Cum Sale Deed dated 25.09.2023 was executed in favour of our abovementioned client who intends to mortgage the said immovable property for their bonafide requirements to IDFC FIRST Bank Limited. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the said property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections or claims to this property.

NEW DELHI
DATE: 3/2/2024

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया, Chhagan Bhujbal के खुलासे पर बोले Devendra Fadnavis

फडणवीस ने कहा, "मुख्यमंत्री इस पर स्पष्टीकरण दे पाएंगे, लेकिन मैं अभी केवल इतना ही कह सकता हूं कि भुजबल का इस्तीफा मैंने या मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किया है।" शिव सेना के नेता संजय राउत ने भुजबल के इस खुलासे को "बेकार की बात" करार दिया कि उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल से अपना इस्तीफा पिछले साल नवंबर में दे दिया था।

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के वरिष्ठ नेता और राज्य कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है। फडणवीस ने शनिवार देर शाम संवाददाताओं से कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ही इस पर स्पष्टीकरण दे पाएंगे। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल ने शनिवार को खुलासा किया कि उन्होंने पिछले साल 16 नवंबर को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अपनी ही सरकार पर मराठा समुदाय को ओबीसी कोटा में ''पिछले दरवाजे से'' आरक्षण देने का आरोप लगाया है। भुजबल ने कहा कि वह दो महीने से अधिक समय तक चुप रहे, क्योंकि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने उन्हें इस बारे में नहीं बोलने के लिए कहा था।

फडणवीस ने पत्रकारों से कहा, ''मुख्यमंत्री इस पर स्पष्टीकरण दे पाएंगे, लेकिन मैं अभी केवल इतना ही कह सकता हूं कि भुजबल का इस्तीफा ना तो मैंने और ना ही मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किया है।'' शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता एवं सांसद

संजय राउत ने भुजबल के इस खुलासे को ''बेकार की बात'' करार दिया कि उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल से अपना इस्तीफा पिछले साल नवंबर में दे दिया था। राउत ने कहा, ''ऐसा बताया जा रहा है कि (कार्यकर्ता) मनोज जरांगे द्वारा मराठा आरक्षण आंदोलन चलाने के खिलाफ भुजबल के गुस्से के पीछे (उपमुख्यमंत्री) देवेंद्र फडणवीस का हाथ है। दोनों मिले हुए हैं। मैं इस्तीफा दे दूंगा लेकिन आप इसे स्वीकार नहीं करेंगे या आप इस्तीफा दे देंगे लेकिन हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे।'' राज्यसभा सदस्य ने पूछा कि भुजबल का इस्तीफा स्वीकार करने का अधिकार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पास है या उपमुख्यमंत्री फडणवीस के पास।

उन्होंने कहा, ''हमारा विचार है कि सभी समुदायों को उनके अधिकार मिलने चाहिए, लेकिन दूसरों के अधिकारों का अतिक्रमण करने की कीमत पर नहीं।'' उन्होंने कहा कि भुजबल का भी यही कहना है। जरांगे ने रविवार को कहा कि भुजबल मराठा आरक्षण के बारे में अपने बयानों से उपमुख्यमंत्री अजित पवार और फडणवीस को ''नुकसान'' पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे।

जरांगे ने जालना के अंतरवाली सरती गांव में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान भुजबल के इन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि मराठा समुदाय को आरक्षण दिलाने के लिए छेड़-छाड़ करके और फर्जी रिकॉर्ड का इस्तेमाल किया जा रहा है।

गुरुग्राम की बर्थडे पार्टी में बवाल, पार्किंग को लेकर खूब चले लाठी-डंडे; फार्म हाउस संचालक की हत्या

गुरुग्राम। गुरुग्राम के गांव बलियावास में ओएसिस गार्डन फार्म हाउस में शनिवार रात जन्मदिन की पार्टी करने दिल्ली-एनसीआर के कुछ छात्र पहुंचे। फार्म हाउस के बाहर कार खड़ी करने को लेकर उनका गांव के युवकों से झगड़ा हो गया। तभी वहां कई और युवक आए और उन्होंने छात्र से मारपीट की और फार्म हाउस संचालक को भी लाठी-डंडों से पीटा। इससे संचालक गंभीर रूप से घायल हो गया। कर्मचारी परवीन दुल को निजी अस्पताल में लेकर गए जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जबकि आधा दर्जन के लगभग छात्र और कर्मचारी घायल भी हो गए। हत्या की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले हुए डीएलएफ फेज-1 पुलिस स्टेशन में हत्या की धराओ में रविवार को मामला दर्ज किया। मामले की जांच करते हुए अपराध शाखा सिकंदरपुर ने गांव बधवाड़ी निवासी सचिन और आशीष को गिरफ्तार किया। दोनों को सोमवार कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। पुलिस का कहना है कि मामले में फरार अन्य आरोपी भी जल्द गिरफ्तार किए जाएंगे। पुलिस ने साक्ष्यों को जुटाने के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया। फार्म हाउस संचालक के जानकार की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। सिकंदरपुर अपराध शाखा प्रभारी सतेंदर रावल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी डिलीवरी ब्वॉय की नौकरी करते है। पार्किंग में कार खड़ी करने को लेकर विवाद हो गया था। उसके बाद आरोपियों ने मिलकर छात्र, फार्म हाउस संचालक और कर्मचारियों के साथ मारपीट की। पुलिस उनके साथियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है, जल्द फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। परवीन फार्म हाउस को लीज पर लेकर कारोबार कर रहा था। गांव बलियावास के ओसिस फार्म हाउस में हुए झगड़े का मंगलवार को सीसीटीवी फुटेज वायरल हो गया। इसमें साफ दिख रहा है कि कैसे सड़क पर खड़ी कार को हटाने को लेकर विवाद हो गया। शराब के नशे में धुत कॉलेज के छात्रों ने मिलकर पहले गांव के युवको को पीटा।

NAME CHANGE

I, CHHAYA JOSHI wife of NO-17007160F Rank-SEP Name-DEVKISHAN residing at VILL-JAGEPUR MEENA, PO-DHAMNIYA, TEHSIL-JAWAD, DIST-NIMACH, M.P-458220 have changed my name from CHHAYA JOSHI to CHHAYA for all future purposes vide Affidavit Dated 03/02/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

PUBLIC NOTICE

I JARNAIL SINGH S/O KARTAR SINGH R/O BANGLOW ROAD, GURU NANAK PUBLIC SCHOOL, ADARSH NAGAR, N.S.MANDI, NORTH WEST DELHI- 110033 have changed the name of my minor son HARRY SINGH aged 13 years and he shall hereafter be known as ARSHDEEP SINGH.

NAME CHANGE

I Hunny Gaba s/o Ashok Kumar r/o Damdama mohalla Makan number 206/11 Jhajjar Haryana 124103 have change my name to Hunny for all future purposes.

NAME CHANGE

I, JAISHREE SUMBE Mother of JC-708310M Rank-NB SUB Name-SUMBE DEVIDAS ATMARAM presently residing at VILL-SONEWADI, PO-AKOLNER, TEH+DIST-AHMEDNAGAR, MAHARASHTRA-414001 have changed my name from JAISHREE SUMBE to SUMBE JAIBAI ATMARAM for all future purposes vide affidavit dated 03/02/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RACHNA DEVI wife of JC-780452A Rank-NB/SUB Name-SARVENDRA SINGH R/O VILL-RASOOLPUR, POST- SILAHARA, DIST-KANPUR DEHAT, UTTAR PRADESH-209115 have changed my name from RACHNA DEVI to RACHANA DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 03/02/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD ZAID HAFEEZ S/O MOHD HAFEEZ ABBAS residing at H.NO-3098, KUCHA TARA CHAND, DARYAGANJ, DELHI-110002 have changed my name to MOHD ZAID HAFEEZ permanently.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I THARK BAHADUR THAPA S/O- B .B. SINGH THAPA R/O H.N.-230, Campa cola ,Tekhand Village , VTC OKHLA, PHASE-1, DISTRICT- SOUTH DELHI, DELHI -110020 declare that name of mine has been wrongly written as THARAK BAHADUR THAPA in my minor son namely NAVEEN THAPA aged 16 years in his 10th class Educational document . The actual name of mine is THARK BAHADUR THAPA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, ADINARAYANA F/o No.-15704796X Rank NK Name DURGA PRASAD GURRAM R/o 1-186, CHINAMANAGUNDAM, CHINAMANAGUNDAM, PRAKASAM, CHINAMANAGUNDAM, ANDHRA PRADESH-523246 have changed my name from ADINARAYANA to GURRAM ADINARAYANA for all future purposes. And in my son service record my date birth wrongly mentioned is 01/07/1961 instead of 24/02/1950 Vide Affidavit dated 03/02/2024 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, VEERMANI SINGH Father of No-17027218P Rank-CFN Name-RAHUL KUMAR presently residing at WARD NO-02, VILL-SAIDPUR, PO-AANT, DIST-NALANDA, BIHAR-803114, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 04/02/1962 instead of my correct date of birth as 01/01/1963 vide affidavit dated 03/02/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SHAISTA W/O MOHD HAFEEZ ABBAS residing at H.NO-3098, KUCHA TARA CHAND, DARYAGANJ, DELHI-110002 have changed my minor son NAME FROM MOHAMMAD DAAVAR TO DAAVAR HAFFEZ permanently.

NAME CHANGE

I INAAM MOHAMMAD S/O RASHEED AHMED R/O B-100 KANCHAN KUNJ NEAR BILAL MASJID MADANPUR, KHADAR VISTAR PART-2 DELHI-110076 HAVE CHANGE MY NAME TO MOHD INAM FOR ALL PURPOSES.

सार्वजनिक सूचना

हमारे मुवक्किल राधे श्याम सोनी पुत्र श्री नोरंग लाल एवम द्रोपदी देवी सोनी पत्नी श्री राधे श्याम सोनी स्थायी निवासी आर जेड 128 ए, द्वारका विहार, धर्मपुरा एक्स, नजफगढ, दिल्ली. 43 ने अपने पुत्र हेमंत कुमार सोनी एवम श्रीमती रजनी पुत्री श्री ख्याली राम सिंह के गलत चाल चलन, व्यवहार एवम असंसदीय, गैर कानूनी भाषा के कारण समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है एवंम मिलना जुलना, आना जाना तथा समस्त सबंध भी विच्छेद कर लिए है। भविष्य में उपरोक्त अपने किसी भी कत्य के लिए स्वय ही जिम्मेदार होगे, हमारे मुवक्किल का उनके किसी भी कार्य के लिए कोई जिम्मेदारी नही होगी।

प्रतिमा रानी एडवोकेट
डां ए पी सिंह एण्ड कं
एफ.ए-329, मानसरोवर गार्डन
महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-15

NAME CHANGE

I ZISHAN S/O ATIQ AHMAD R/O H.NO-274 GALI NO-9 PHASE-2 33 FUTA ROAD, BHAGIRATHI VIHAR MUSTAFABAD DELHI -110094 HAVE CHANGE MY NAME TO MOHD ZISHAN FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE

I, Vijay Prakash s/o Ved Prakash Sharma R/o at H.NO.136, Nehru Street, Near Aagarwal Dharamshala, Maujpur, Delhi-110053, have changed my name to Vijay Prakash Sharma permanently

NAME CHANGE

I, RAISH S/O MOHD ISMAIL residing at T-592, GALI NO-16, GAUTAMPURI, NEW SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my name to RAEES AHMED for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

It is to the public at large that my client Shri mukesh kumar, s/o late Shri Ishwar singh resident of RZ-440/11 Gali no-18k,sadh nagar part 2 palam colony South West Delhi-110045,have debarred and disowned his son namely Mr.mukul, age about 21years from his movable and immovable properties and other assets, with immediate effect due to their disrespectful behavior and as they are out of control and have severed all his relations with them. If anybody deals in any manner with the above named persons then they shall do it at their own risks and consequences. My client Shri mukesh kumar, shall not be held liable or responsible for the same in any manner and have no concern/relations with the above named persons in his life time or in future.

ANKIT SOLANKI , ADVOCATE
E.NO. D/1349/2020
CHAMBER NO.743,
7th FLOOR, SECTOR-10,
DWARKA, NEW DELHI-110075,

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I HARSHITA SINGH D/O NARESH KUMAR R/O- 44F/9, KISHAN garh ,Vasant Kunj , South West Delhi , Delhi-110070 declare that the name of mine and my father has been wrongly written as HARSHITA and NARESH SINGH in my 10th class educational documents. The actual name of mine and my father are HARSHITA SINGH and NARESH KUMAR respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I KAMLA CHAUDHARY W/O NAND KISHOR BHAMNIA R/O A-201 MAURYA APARTMENTS PLOT N0-95 I.P EXTENSION PATPARGANJ DELHI-110092 HAVE CHANGE MY NAME TO KAMLA DEVI FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE

I, RAFIQAN BEGUM W/O RAEES AHMED residing at T-592, GALI NO-16, GAUTAMPURI, NEW SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my name to RAFEEQAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, G GOVIMDAMMA M/o No.-15704796X Rank NK Name DURGA PRASAD GURRAM R/o 1-186, CHINAMANAGUNDAM, CHINAMANAGUNDAM, PRAKASAM, CHINAMANAGUNDAM, ANDHRA PRADESH-523246 have changed my name G GOVIMDAMMA to GURRAM GOVINDAMMA for future purpose. And in my son service record my date birth wrongly mentioned is 01/07/1967 instead of 05/03/1953. Vide Affidavit dated 03/02/2024 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SHAZIA D/O HAKEEMULLAH R/O H NO 12C DAUDCHAK COLONY AAGHA MASJID NEAR MEHFIL HOUSE,THANA TIWARIPUR GORAKHPUR UTTAR PRADESH PIN -273001 Have changed my name to SHAZIA HAKEEMULLAH FOR ALL FUTURE PURPOSE.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, DEEPAK KUMAR VERMA S/o SURESH CHAND residing at House No. - 309, New Modern Society, Sector-9, Rohini, Raja Pur Kalan, North West Delhi, Delhi-110085 declare that the name of mine and my Father have been wrongly written as DEEPAK KUMAR VARMA and DEEPAK KUMAR VARMA in my Pan Card No. AANPV0115E. The actual name of mine and my Father are DEEPAK KUMAR VERMA and SURESH CHAND respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, NITU THAPA Wife of No. 5454859P Rank-HAV Name-TIRATH BAHADUR presently residing at VILL-CHANDRABANI CHOILA, PO-MOHBBEWALA, TEH+DIST-DEHRADUN, UTTARAKHAND-248002 have changed my name from NITU THAPA to NEETU THAPA for all future purposes vide affidavit dated 03/02/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवकील श्री भागवत शर्मा, पुत्र स्वर्गीय शिव चरण शर्मा निवासी- द्वारका सेक्टर के पास- 14, मेट्रो स्टेशन, ई-380, ब्लॉक-ई, भारत विहार ककरोला द्वारका, एन.एस.आई.टी, साउथ पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली- 110078 ने अपने पुत्र विष्णु शर्मा को अपनी तमाम चल - अचल सम्पत्ति से बेदखल कर समस्त संबंध विच्छेद कर लिये है। उसके द्वारा किये गये किसी कार्य के लिये मेरे मुवकील या उसके परिवार के अन्य लोग जिम्मेदार नहीं होंगे। -

प्रतीक भारद्वाज अधिवक्ता
नंबर 705, अधिवक्ता चैंबर सेक्टर-10,
द्वारका नई दिल्ली 110075 मो- 9582211412

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि श्रीमती सविता नैय्यर पत्नी श्री ललित कुमार नैय्यर फ्रीहोल्ड रेजिडेंशियल ग्राउंड फ्लोर और अपर ग्राउंड फ्लोर बैक साइड और फर्स्ट फ्लोर फ्रंट और बैक, सेकेंड फ्लोर फ्रंट साइड की मालिक हैं, जिसमें बिल्ट-अप प्रॉपर्टी बियरिंग नंबर सी-19 की छत के छत के अधिकार हैं। खसरा नंबर 30/6/7 और 30/8/1 में से गांव डाबड़ी की राजस्व संपत्ति, दिल्ली एस्टेट दिल्ली, आबादी क्षेत्र कॉलोनी दशरथ पुरी, डाबरी, पालम रोड, नई दिल्ली-110045 के नाम से जाना जाता है। विभाजन विलेख दिनांक 01.06.2023 को दस्तावेज़ संख्या 5977, खंड संख्या 12180, पृष्ठ संख्या 185-190, दिनांक 01.06.2023, एसआरओ- एसआरओ- IX, नई दिल्ली के रूप में देखें। हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और पहली मंजिल पर आगे और पीछे बिना छत के अधिकार के, 75 वर्ग गज का क्षेत्रफल, संपत्ति क्रमांक सी-19 पर, और अब ये संपत्ति श्रीमती जया देवी पत्नी श्री बाबू लाल शुक्ला नाम से बिकने जा रही है । और उसी संपत्ति को उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा उत्तम नगर शाखा, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा।यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के दस्तावेज़ किसी को तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010,
Contact at-09958871432

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल राष्ट्रीय संस्कृति पार्टी (दल का नाम) के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय 24 डी-1, बारा सिरोही, गडरियन पुरवा, रतनपुर पनकी, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश-208017 (पूरा पता लिखें) में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रुप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है- पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए है:-

अध्यक्ष : विपिन पाल
महासचिव : पूजा पाल
कोषाध्यक्ष : अरविंद कुमार

यदि किसी को राष्ट्रीय संस्कृति पार्टी (प्रस्तावित पार्टी का नाम) के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचित (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001 को, इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

पुनर्वास महानिदेशालय

रक्षा मंत्रालय

डीजीआर पूर्व सैनिकों को लखनऊ में रोजगार मेला रोजगार चाहने वालों और नियोक्ताओं को सुविधा प्रदान करना।

भूतपूर्व सैनिकों (60 वर्ष की आयु तक) को दूसरी पारी के लिए अवसर प्रदान करना

16 फरवरी 2024 को सूर्या खेल परिसर, करियप्पा रोड, छावनी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226002
समय :09:00 बजे से

- सभी ईएसएम के लिए पंजीकरण सुबह 11.30 बजे बंद हो जाएगा
- प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर
- ले जाने के लिए दस्तावेज़:ईएसएम आई कार्ड और नवीनतम सी वी/बायोडाटा की पांच प्रतियां फोटोग्राफ सहित

ईएसएम नौकरी चाहने वालों के लिए लाभ

एकाधिक नौकरी के अवसरों, परेशानी मुक्त भर्ती प्रक्रिया तक निःशुल्क पहुंच शीर्ष सार्वजनिक उपक्रमों/कॉर्पोरेट के भर्तीकर्ताओं के साथ बातचीत करें,

नियोक्ताओं के लिए लाभ

शून्य लागत पर अनुभवी प्रतिभा पूल तक पहुंच अपनी कंपनी का स्टॉल बुक करने के लिए जाएं: www.dgrindia.govin कंपनियों से अनुरोध है कि वे हमारी आधिकारिक वेबसाइट पर दिए गए लिंक के माध्यम से पंजीकरण करें। सीमित उपलब्धता के कारण, स्टॉल पहले आओ पहले पाओ के आधार पर आवंटित किये जायेंगे।

अधिक प्रश्नों और सहायता के लिए, कृपया संयुक्त निदेशक (एसई और सीआई) से संपर्क करें।

पुनर्वास महानिदेशालय
वेस्ट ब्लॉक IV, आरके पुरम, नई दिल्ली-110 066
ईमेल:seopadgr@desw.gov.in,drzclkw@desw.gov.in
फ़ोन: 011-20862542,0522-2482833
वेबसाइट: http://www.dgrindia.gov.in
नोडल संपर्क - सूबेदार पूरन सिंह: 8899706909
नायब सूबेदार संजय कुमार शुक्ला :9425668691

cbc-10401/11/0019/2324

नहर पर पुल निर्माण के दौरान मिट्टी की ढांग धंसी, 2 मजदूरों की मौत

समालखा. समालखा थाना के गांव ढिंढार के पास दिल्ली पैरलल नहर पर पुल निर्माण के दौरान मजदूरों के साथ बड़ा हादसा हो गया। मिट्टी खुदाई के बाद नीचे सफाई करते मजदूरों पर मिट्टी की ढांग गिर गई, जिससे मिट्टी के नीचे दबने से दो मजदूरों की जान चली गई। मृतकों के परिजनों ने ठेकेदार पर समझौते का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मृतक मजदूरों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए पानीपत भिजवा दिया है। घटना देर शाम की बताई जा रही है।

दिल्ली पैरलल नहर पर गांव ढिंढार के पास पुल बनाने के लिए 6-7 मजदूर मिट्टी खुदाई का काम कर रहे थे कि अचानक ऊपर से मिट्टी की ढांग गिर गई, जिससे मजदूर मिट्टी के नीचे दब गए सूचना पाकर खुबड़ू नहर के पास खुदाई कार्य में लगे मजदूर तुंरत दौड़े और राहत कार्य में जुट गए। साथी मजदूरों ने 6 को तो जिंदा निकाल लिया जबकि 2 मजदूरों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक मजदूर की मौत मौके पर तथा दूसरे ने निजी अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान अमित (24) वासी बदायूं यूपी व देवेश (18) वासी बरेली यूपी के तौर पर हुई है।

उचाना बनेगा औद्योगिक हब : दुष्यंत चौटाला

उचाना. डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि उचाना आने वाले दिनों में औद्योगिक हब बनेगा। पहली बार किसानों ने इतनी बड़ी संख्या पर ई-भूमि पॉलिसी को सरल, सराहनीय बनाने का काम किया।

जो पदमा योजना का हमारा सपना था कि ब्लॉक सी, डी के अंदर भी इंस्ट्रीज को हम बेहतर तरीके से ला पाए, नए उद्योग प्रदेश में स्थापित हों। आने वाले भविष्य के लिए बहुत बड़ा कदम ये नए इंस्ट्रियल एरिया होंगे। पदमा योजना के तहत हमारी सरकार ने पूरे हरियाणा में 9 जगह प्रपोजल अपलोड किए थे।

152-डी, जम्मू कटड़ा के जंक्शन पर आज हमारे पास 3 हजार एकड़ से अधिक किसानों ने आवेदन अपलोड किए हैं। अंबाला आईएमटी के लिए 1600 एकड़ का प्रपोजल, खटकड़ में आईएमटी पर 750, 475 एकड़ के दो अलग-अलग प्रपोजल आए हैं। जो कमेटी ऑफ सेक्रेटरी है उनको हम रिजल्ट देंगे कि वो बातचीत करके नए इंस्ट्रीज एरिया के ऊपर सरकार के अगले कदम उठाए जाए।इस मौके पर प्रो. जगदीश सिहाग, काला नंबरदार, जोरा सिंह डूमरखां, शमेशर नगूरां, दिनेश चेयरमैन, वीरेंद्र कौशिक, पप्पू नगूरां, महीपाल बधाना, कृष्ण प्रधान, पुरूषोत्तम शर्मा, जगरूप, मनी, साब, संजय, शील, अनुराग खटकड़, कपिल खरकभूरा भी मौजूद रही।छातर गांव के सरपंच ओमप्रकाश ने पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह का साथ छोड़ते हुए जजपा का दामन थमा। यहां पर डिप्टी सीएम ने पार्टी का फटका पहना कर उनको पार्टी में शामिल करवाते हुए कहा कि पार्टी में उनको पूरा सम्मान दिया जाएगा। वहीं, पीडब्ल्यूडी रोड दरौली-उचाना खुर्द से ओमी पुत्र बदन सिंह के खेत तक, धर्मा के खेत से कृष्ण बच्ची के खेत तक, सोलर प्लांट का उद्घाटन डिप्टी सीएम ने किया। डिप्टी सीएम ने यहां कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया।

'अपनों के बीच आकर दूर हो जाती है सारी थकावट'

दुष्यंत चौटाला अपने एक दिवसीय दौरे के तहत उचाना खुर्द गांव पहुंचे। यहां से वे 42 अलग-अलग जगहों पर आयोजित कार्यक्रमों में पहुंचे। हर जगह ग्रामीणों, कार्यकर्ताओं ने फूलों की बारिश से उनका स्वागत किया। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि अपनों के बीच आकर सारी थकावट दूर हो जाती है। उचाना हलका उनकी कर्मभूमि है। उचाना हलके के लोगों ने हर दौर में साथ दिया है। यहां के लोगों का कर्ज वो ताउम्र चुकता नहीं कर पाएंगे।

इंदिरा गांधी के शासन को याद करे विपक्ष

विपक्ष द्वारा ईडी का दुरुपयोग करने के आरोपों पर दुष्यंत चौटाला ने कहा कि विपक्ष में बैठे लोग ये बताएं कि डॉ. अजय चौटाला, ओमप्रकाश चौटाला को सलाखों के पीछे सीबीआई ने डाला था क्या वो तंत्र ठीक थे।

अजय चौटाला तो हरियाणा सरकार के सदस्य भी नहीं थे सांसद थे। जब इंदिरा गांधी पीएम थी तो सारे देश के राज नेताओं को जेल में डाल दिया था। इन वाले (विपक्षी नेताओं) केसों में तो पैसा भी है, सबूत भी मिले हैं, गड़बड़ भी है। कांग्रेस की जनसंदेश यात्रा पर डिप्टी सीएम ने कहा कि कांग्रेस के दो गुट सामने आ गए, एसआरके, बापू-बेटा गुट।

दोनों गुटों में जिस तरह की तकरार चल रही है उसमें उनके बड़े नेता रोक नहीं पा रहे। ये अंतिम चुनाव कांग्रेस का साबित होगा। इस चुनाव में कांग्रेस का खात्मा होना तय है।

जन-आक्रोश रैली तोड़ेगी सभी रिकार्ड : ललित नागर

फरीदाबाद. तिगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सेक्टर-30-31 के दशहरा मैदान ऐतमादपुर में रविवार को होने वाली जन-आक्रोश रैली की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। पूर्व विधायक ललित नागर ने रैली स्थल पर जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जन आक्रोश रैली तिगांव में अब तक की सभी रैलियों के रिकार्ड को ध्वस्त करेगी। उन्होंने कहा कि इस रैली में समूचे तिगांव क्षेत्र के कोने-कोने से हजारों लोग भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि रैली को लेकर लोगों में खासा उत्साह है, जिस-जिस गांव जिस-जिस कालोनी, सेक्टर में वह गए, वहां-वहां लोग भाजपा की नीतियों से त्रस्त नजर हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा, विधानसभा व नगर निगम तीनों में भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार होने के बावजूद तिगांव में विकास कहीं नजर नहीं आता। इस रैली के माध्यम से वह लोगों को यही बताएंगे कि आखिर भाजपा ने नौ सालों में क्या किया है। उन्होंने कहा कि रैली के माध्यम से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा व अन्य कांग्रेसजनों को गांवों, कालोनियों व सेक्टरों की समस्याओं को लेकर अलग-अलग मांग पत्र सौंपा जाएगा।

कैथल में बैंक क्लर्क ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट लिख 4 लोगों पर लगाया परेशान करने का आरोप

पैक्स प्रबंधक, प्रधान और दो अन्य कर्मचारियों पर आत्महत्या को मजबूर करने का आरोप लगाते हुए दि खडालवा-मटौर पैक्स के 52 वर्षीय क्लर्क ने जहर खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मामले में पुलिस

कैथल. पैक्स प्रबंधक, प्रधान और दो अन्य कर्मचारियों पर आत्महत्या को मजबूर करने का आरोप लगाते हुए दि खडालवा-मटौर पैक्स के 52 वर्षीय क्लर्क ने जहर खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मामले में पुलिस ने मृतक क्लर्क की पत्नी की शिकायत पर प्रबंधक व प्रधान सहित चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।चौशाला गांव निवासी शीला देवी ने शहर थाना में शिकायत दी कि उसकी दो लड़कियां और एक लडका हैं। दोनों लड़कियां शादीशुदा हैं और लड़का अविवाहित हैं। उसके पति राजबीर दि खडालवा-मटौर कृषि सरकारी समिति में क्लर्क के पद पर कार्यरत थे।उन्होंने दि खडालवा-मटौर पैक्स से सीसीएल लोन लिया था। इसकी किस्त उसका पति लगातार भर रहा था, लेकिन पैक्स प्रबंधक रामकुमार शर्मा, प्रधान निर्मल सिंह व पैक्स कर्मचारी मटौर निवासी राकेश और रामगढ़ निवासी बिशन सिंह उसके पति पर सारा लोन एक बार में ही भरने का दबाव बना रहे थे। शीला देवी ने शिकायत में बताया कि इस संबंध में आरोपी उनके घर पर भी आए और लोन नहीं भरने पर जान से मारने की धमकी व नौकरी से निकालने की धमकी देते थे। इस कारण उसके पति काफी परेशान रहते थे।उन्होंने बताया था कि 22 जनवरी को पैक्स प्रबंधक रामकुमार शर्मा को पांच लाख रुपये लोन के चुकाए भी थे, लेकिन पैक्स प्रबंधक ने इन पांच लाख रुपयों की उसके पति को कोई रसीद नहीं दी और कहा कि जब तक पूरा लोन नहीं चुका दोगे, तब तक रसीद नहीं मिलेगी।

अब दूसरी संतान बेटा होने पर सरकार देगी सहायता राशि, ये लोग ले सकेंगे योजना का लाभ

अंबाला. प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के बाद अब मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता के तहत दूसरी संतान बेटा होने पर राज्य सरकार की ओर से महिलाओं को एक मुश्त किश्त में पांच हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। जिसके लिए विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी है। जिला की हजारों माताओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। बाल विकास विभाग की ओर से इस योजना के लिए बजट के लिए पत्र भेजा गया है। बजट आने के बाद तुंरत ही लाभार्थियों को इस योजना के तहत सहायता राशि दे दी जाएगी।गौरतलब है कि केंद्र सरकार की ओर से पहली संतान होने पर मातृत्व वंदना योजना के तहत पांच हजार रुपये की सहायता राशि तीन किश्तों में मिल रही है। अब दूसरी संतान बेटा होने पर राज्य सरकार की ओर से भी सहायता राशि दी जाएगी।

इसके स्कीम में आठ मार्च 2022 से पैदा होने वाले बच्चों को शामिल किया गया है। यह सहायता राशि महिला के खाते में भेजी जाएगी अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिलाएं, 40 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांग महिला को, बीपीएल कार्ड धारक, आयुष्मान भारत योजना की लाभार्थी, ई-श्रम कार्ड धारक, मनरेगा से जुड़ी महिलाएं, ऐसी महिलाएं जिनके परिवार की आय आठ लाख रुपये वार्षिक से कम हो, आशा वर्कर्स, आशा हेल्पर व आंगनबाड़ी वर्कर्स को इस स्कीम के तहत सहायता राशि का लाभ मिलेगा।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष कैद की सजा, 2022 का है मामला

जींद. नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने के दोषी को एडीजे डॉ. चंद्रहास की अदालत ने बीस वर्ष कैद तथा बीस हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना न भरने पर दोषी को दो वर्ष की अतिरिक्त कैद काटनी होगी।शहर थाना नरवाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने दो सितंबर 2022 को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 24 अगस्त को वह पत्नी के साथ दवाई लेने बाहर गया था। शाम को जब वह घर लौटे तो उसकी 16 वर्षीय बेटी घर से गायब मिली। व्यक्ति ने आरोप लगाया था कि गांव सिवानी, भिवानी निवासी मोहित

उर्फ रमता ने उसकी बेटी का अपहरण किया है। शहर थाना नरवाना पुलिस ने मोहित उर्फ रमता के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया था।

बाद में पुलिस ने लड़की को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने मोहित के खिलाफ अपहरण के अलावा यौन शोषण करने समेत विभिन्न धाराओं को जोड़ दिया था। तभी से मामला अदालत में विचाराधीन था। शनिवार को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. चंद्रहास की अदालत ने मोहित उर्फ रमता को बीस वर्ष कैद तथा बीस हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

मेरी फसल मेरा ब्यौरा के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा, नहीं थम रहा भूमि का फर्जी रजिस्ट्रेशन... 2 लोगों पर केस दर्ज

भिवानी. मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर भूमि का फर्जी रजिस्ट्रेशन नहीं थम रहा है। ताजा मामला गांव कितलाना में सामने आया है। जिसमें असल किसान की शिकायत पर उसकी कृषि भूमि का पोर्टल पर फर्जी रजिस्ट्रेशन दर्ज कराने वाले दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ है। बतां दें कि भिवानी जिले के कई गांवों में कृषि भूमि का फर्जी रजिस्ट्रेशन का बड़ा घोटाला भी पिछले साल सामने आया था, जिसकी जांच स्टेट विजिलेंस कर रही है। गांव कितलाना का किसान सीएससी पर रजिस्ट्रेशन कराने पहुंचा तो हुआ खुलासासदर पुलिस को दी शिकायत में गांव कितलाना निवासी रामनिवास ने बताया कि उसकी गांव में खेती की जमीन है। उसकी खेती की भूमि का तुषांत और गौरव डावास के नाम से पोर्टल पर फर्जी रजिस्ट्रेशन हुआ है। उसने बताया कि वह अपनी भूमि का मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिए जब कामन सर्विस सेंटर में आवेदन के लिए गया था। जब ऑनलाइन आवेदन किया जा रहा था तो सीएससी संचालक ने उसे बताया कि उसकी कुछ भूमि का पहले ही रजिस्ट्रेशन हो चुका है।यह बात सुनकर वह हैरान रह गया। उसने

अपनी भूमि के पंजीकरण की डिटेल निकलवाई तो उसे पता चला कि खेवट नंबर 276,277 में तुषांत और किला नंबर 976-202 में गौरव डावास ने पहले ही पोर्टल पर पंजीकरण किया हुआ है। जबकि उनकी ये भूमि है ही नहीं।

अवैध खनन माफिया का पुलिस पर हमला, गाड़ी तोड़ी, 2 कर्मी घायल

पलवल. यहां बाम्नीखेड़ा रेलवे पुल के पास अवैध खनन कर यमुना से रेती ले जा रहे ट्रैक्टर को पकडने गई हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो की टीम पर खनन माफिया ने जानलेवा हमला कर दिया। आरोप है खनन माफिया ने टीम को घेरकर गाड़ी तोड़ दी और फरसा व लाठियों से वार कर 2 पुलिसकर्मियों को घायल कर दिया और आरोपी पुलिस के कब्जे से ट्रैक्टर-ट्रॉली और ड्राइवर को छुड़ा ले गए। आरोपियों ने जाते-जाते पुलिसकर्मियों को जान से मारने की धमकी दी। घायल पुलिसकर्मियों को पलवल के जिला नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सदर थाना पुलिस ने दो नामजद सहित 10-12 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो पलवल के अनुसंधान अधिकारी कालूराम ने सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि वह सिपाही भगत सिंह, पवन कुमार और चालक मूलचंद के साथ अवैध खनन जांच ड्यूटी पर हसनपुर रोड स्थित खांबी गांव गए। उसी दौरान सूचना मिली कि पीरगढ़ी गांव निवासी रहीश अवैध खनन कर ट्रैक्टर में यमुना रेती भरकर आ रहा है। ट्रैक्टर का मालिक करीमपुर गांव निवासी महेंद्र है। टीम ने

नाकाबंदी कर दी। तभी एक बिना नंबर की ट्रैक्टर-ट्रॉली रेती भरकर पहुंची। टीम ने ट्रैक्टर रोककर चालक रहीश से रेती का बिल दिखाने को कहा। चालक ने बताया कि वह बिना बिल के ही यमुना से रेती भर कर बेचता है। उन्होंने चालक को गिरफ्तार कर गाड़ी में बिठा लिया और ट्रैक्टर-ट्रॉली को पुलिसकर्मी पवन लेकर पुलिस लाइन के लिए चल दिया। लेकिन जब ट्रैक्टर पलवल में बामनीखेड़ा रेलवे पुल के पास पहुंचा, तभी 10-12 लोग हाथों में लाठी, फरसा, सरिया लेकर पहुंचे। उन्होंने जबरन ट्रैक्टर रुकवा लिया। एक व्यक्ति ने कहा कि वह करीमपुर का महेंद्र है और यह उसका ट्रैक्टर है। इसी दौरान उसके साथ खड़े लोगों ने कहा कि इन्हें जान से खत्म कर दो। इतना कहकर आरोपियों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया।

एक व्यक्ति ने फरसा से चालक मूलचंद पर वार किया। हमले में गाड़ी की अगली खिडक़ी का कांच टूट गया, और मूलचंद के सिर में फरसा लगा। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने उनके सिर पर भी लाठी से वार कर घायल कर दिया और रेती से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली व आरोपी चालक रहीश को छीनकर भाग गए।

अवैध खनन माफिया का पुलिस पर हमला, गाड़ी तोड़ी, 2 कर्मी घायल

पलवल. यहां बाम्नीखेड़ा रेलवे पुल के पास अवैध खनन कर यमुना से रेती ले जा रहे ट्रैक्टर को पकडने गई हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो की टीम पर खनन माफिया ने जानलेवा हमला कर दिया। आरोप है खनन माफिया ने टीम को घेरकर गाड़ी तोड़ दी और फरसा व लाठियों से वार कर 2 पुलिसकर्मियों को घायल कर दिया और आरोपी पुलिस के कब्जे से ट्रैक्टर-ट्रॉली और ड्राइवर को छुड़ा ले गए। आरोपियों ने जाते-जाते पुलिसकर्मियों को जान से मारने की धमकी दी। घायल पुलिसकर्मियों को पलवल के जिला नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सदर थाना पुलिस ने दो नामजद सहित 10-12 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।रियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो पलवल के अनुसंधान अधिकारी कालूराम ने सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि वह सिपाही भगत सिंह, पवन कुमार और चालक मूलचंद के साथ अवैध खनन जांच ड्यूटी पर हसनपुर रोड स्थित खांबी गांव गए। उसी दौरान सूचना मिली कि पीरगढ़ी गांव निवासी रहीश अवैध खनन कर ट्रैक्टर में यमुना रेती भरकर आ रहा है। ट्रैक्टर का मालिक करीमपुर गांव निवासी महेंद्र है। टीम ने नाकाबंदी कर दी। तभी एक बिना नंबर की ट्रैक्टर-ट्रॉली रेती भरकर पहुंची। टीम ने ट्रैक्टर रोककर चालक रहीश से रेती का बिल दिखाने को कहा। चालक ने बताया कि वह बिना बिल के ही यमुना से रेती भर कर बेचता है।उन्होंने चालक को गिरफ्तार कर गाड़ी में बिठा लिया और ट्रैक्टर-ट्रॉली को पुलिसकर्मी पवन लेकर पुलिस लाइन के लिए चल दिया। लेकिन जब ट्रैक्टर पलवल में बामनीखेड़ा रेलवे पुल के पास पहुंचा, तभी 10-12 लोग हाथों में लाठी, फरसा, सरिया लेकर पहुंचे। उन्होंने जबरन ट्रैक्टर रुकवा लिया।

एक व्यक्ति ने कहा कि वह करीमपुर का महेंद्र है और यह उसका ट्रैक्टर है। इसी दौरान उसके साथ खड़े लोगों ने कहा कि इन्हें जान से खत्म कर दो। इतना कहकर आरोपियों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। एक व्यक्ति ने फरसा से चालक मूलचंद पर वार किया। हमले में गाड़ी की अगली खिडक़ी का कांच टूट गया, और मूलचंद के सिर में फरसा लगा।

अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने उनके सिर पर भी लाठी से वार कर घायल कर दिया और रेती से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली व आरोपी चालक रहीश को छीनकर भाग गए।

अगर आप भी चलाते है Telegram तो हो जाएं सावधान, कहीं आपके साथ न हो जाए ऐसा

आए दिन धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे है। ठग नए-नए तरीके से लोगों को ठग रहे है। ताजा मामला पानीपत से सामने आया है। जहां जिले के नूरवाला की रहने वाली महिला साइबर ठगों का शिकार हो गई।

पानीपत . आए दिन धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे है। ठग नए-नए तरीके से लोगों को ठग रहे है। ताजा मामला पानीपत से सामने आया है। जहां जिले के नूरवाला की रहने वाली महिला साइबर ठगों का शिकार हो गई। महिला टेलीग्राम पर टास्क पूरा करने के लिंक के जाल में फंसी। उसे लगातार टास्क दिए जा रहे थे। महिला ठगों के कहने के अनुसार 3 दिन में ही 15 लाख रुपए टास्क के लिए जमा करवा बैठी। इसके बाद ठगों ने उसकी आईडी ब्लॉक कर दी। जिससे उसे खुद के साथ ठगी का पता लगा। मामले की शिकायत साइबर थाना पुलिस को दी गई।शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि वह नूरवाला की रहने वाली है। 2 दिसंबर को उसकी टेलीग्राम ID पर एक लिंक आया। जिसमें ट्रैवल डॉट कॉम पर काम कर पैसे कमाने की बात थी। उस लिंक पर उसने क्लिक किया। जिसमें उसे 18 हजार का टास्क मिला। जिसे पूरा करते ही उसकी ID पर 18 हजार जमा दिखाए गए।

NAME CHANGE

I hitherto known as NISHTHA D/o SHAMSHER SINGH R/o E-402, NBCC Heights, Pataudi Road, Sector-89, Garhi Harsaru(46), Gurgaon, Haryana-122505, have changed my name and shall hereafter be known as NISHTHA NOONWAL.

NAME CHANGE

It is for general information that I, AKANSHA D/o LAKHPATI RAI, R/o 1068/87, Khandsa (104), Gurgaon, Haryana-122004, declare that name of my father has been wrongly written as NONEE in my 10th class educational documents. The actual name of my father is LAKHPATI RAI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as KIRAN D/o LAXMAN DASS MADAAN, and W/o RAJ KUMAR, residing at H.No. 260/21, Gali No. 4, Jyoti Park Road, Madan Puri, Gurgaon, Haryana-122001, have changed my name and shall hereafter be known as KIRAN GUGLANI.

सोलर पैनल बनाने वाली कंपनी का IPO इसी हफ्ते होगा पहले, पहले दिन पैसा डबल! भाव 115 रुपये

नई दिल्ली. सोलर बनाने वाली कंपनी अल्पेक्स सोलर का आईपीओ इस हफ्ते ओपन होने जा रहा है। कंपनी ने प्राइस बैंड का ऐलान कर दिया है। जनवरी में पीएम मोदी ने ऐलान किया था कि आने वाले सालों में सरकार की तरफ से 1 करोड़ घरों पर सोलर लगाए जाएंगे। इस ऐलान के बाद अल्पेक्स सोलर को लेकर निवेशकों में काफी उत्साह देखने को मिल सकता है।

क्या है प्राइस बैंड

अल्पेक्स सोलर का साइज 74.52 करोड़ रुपये का है। कंपनी ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 109 रुपये से 115 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने एक लॉट में 1200 शेयर रखे हैं। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 1,38,000 रुपये का दांव लगाना होगा। बता दें, यह आईपीओ 8 फरवरी से 12 फरवरी को ओपन होगा। शेयरों का अलॉटमेंट 13 फरवरी को हो सकता

है। एंकर निवेशकों के लिए यह आईपीओ 7 फरवरी को ओपन होगा। बता दें, कंपनी आईपीओ के जरिए निवेशकों को 64.80 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। कंपनी की लिस्टिंग एनएसई एसएमई में होगी।

ग्रे मार्केट में कंपनी का दमदार प्रदर्शन

इन्वेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ग्रे मार्केट में आज 190 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रही है। अगर यही ट्रेंड लिस्टिंग तक रहा तो यह आईपीओ पहले दिन ही निवेशकों का पैसा दोगुना कर देगा। जीएमपी देखकर लगता है कि कंपनी की लिस्टिंग 300 रुपये के पार हो सकती है। कंपनी के प्रमोटर्स अश्विनी सहगल, मोनिका सहगल और विपिन सहगल हैं। इनके पास अभी 93.53 प्रतिशत हिस्सा है।

Paytm निवेशक ध्यान दें! BSE और NSE ने बदला कंपनी को लेकर नियम, कल से दिखेगा असर

नई दिल्ली. RBI के फैसले के बाद पेटीएम (Paytm) के शेयरों में लगातार 2 दिन 20-20 प्रतिशत को लोअर सर्किट लगा था। जिसकी वजह से कंपनी को भारी नुकसान हुआ। इस भारी गिरावट के बाद बीएसई और एनएसई ने पेटीएम को ट्रेडिंग लिमिट को घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। यानी अब लोअर सर्किट 10 प्रतिशत पर ही लग जाएगा।

2 बिलियन डॉलर साफ

पेटीएम पर यह फैसला ऐसे समय में आया है जब कंपनी का मार्केट कैप 2 बिलियन डॉलर साफ हो गया। बता दें, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को 29 फरवरी के बाद नए डिपॉजिट लेने से रोक लगा दी है। पेटीएम पेमेंट्स बैंक में पेटीएम की हिस्सेदारी 49 प्रतिशत की है।

SBI पेटीएम की मदद को तैयार!

एसबीआई के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने यहां बैंक के तीसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा के दौरान संवाददाताओं से कहा कि अगर आरबीआई पेमेंट बैंक का लाइसेंस रद्द करता है तो उसे बचाने के लिए सीधे आने की हमारी कोई योजना नहीं है।

250 तक जाएगा सरकारी कंपनी का यह शेयर, बजट के दिन से लगातार बढ़ रहा भाव, अब कंपनी का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली. अगर आप किसी सरकारी कंपनी के शेयर में पैसे लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर हो सकती है। बजट के बाद हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (HUDCO) के शेयर पर मार्केट एक्सपर्ट बुलिश हैं और इसे खरीदने की सिफारिश कर रहे हैं। दरअसल, वित्त मंत्री ने 2024 के लिए अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा कि सरकार किराए के घरों, झुग्गियों, चॉलों या अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले मध्यम वर्ग के योग्य वर्ग को अपना घर खरीदने और बनाने में मदद करने के लिए एक योजना शुरू करेगी। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 207.80 रुपये पर बंद हुए थे। पिछले पांच दिन में यह शेयर 23त्न चढ़ा है।

कंपनी का बड़ा प्लान

हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (HUDCO) के चेयरमैन संजय कुलश्रेष्ठ ने कहा कि अगले वित्त वर्ष से निजी क्षेत्र की रियल एस्टेट कंपनियों के वित्त पोषण पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र अभी भी कोविड महामारी के चलते पैदा हुए संकट का सामना कर रहा है। इस समय हुडको रियल एस्टेट और आवास क्षेत्र के लिए निजी क्षेत्र के कॉरपोरेट का वित्त पोषण नहीं करती है। इसकी गतिविधियां काफी हद तक सरकार और सरकारी स्वामित्व वाली परियोजनाओं तक सीमित हैं। रियल एस्टेट नियामक संस्था नारेडको के 16वें राष्ट्रीय सम्मेलन में कुलश्रेष्ठ ने कहा कि बुनियादी ढांचे सहित आवास और रियल एस्टेट क्षेत्र को बजट में विशेष प्राथमिकताएं दी गई हैं।

क्या है ब्रोकरेज की राय

हुडको के शेयरों में और अधिक उछाल की उम्मीद करते हुए चॉइस ब्रोकिंग के कार्यकारी निदेशक सुमीत बगाड़िया ने कहा, तकनीकी चार्ट पर हुडको के शेयर सकारात्मक दिख रहे हैं। शेयर को 226 के स्तर पर एक छोटी सी बाधा का सामना करना पड़ रहा है। एक बार जब यह इस बाधा को पार कर जाता है, तो यह जल्द ही क्रमशः और 250 तक आगे बढ़ सकता है। इसलिए, जिनके स्टॉक पोर्टफोलियो में हुडको के शेयर हैं, उन्हें 200 पर ट्रेलिंग स्टॉप लॉस बनाए रखने की सलाह दी जाती है, जबकि नए निवेशक200 प्रति स्तर पर सख्त स्टॉप लॉस बनाए रखते हुए गिरावट पर खरीदारी की रणनीति बनाए रख सकते हैं।÷ बता दें कि हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपेमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड में सरकार की कुल हिस्सेदारी 54.40 प्रतिशत की है। वहीं, जीवन बीमा निगम के पास 8.9 प्रतिशत हिस्सा है। कंपनी में पब्लिक का कुल हिस्सा 11.9 प्रतिशत है। अन्य के पास 9.1 प्रतिशत है।

Jio Cinema और Disney Hotstar का होगा मर्जर, मुकेश अंबानी के पास रहेगा मालिकाना हक! डील लगभग तय

नई दिल्ली. जी और सोनी (Zee-Sony Merger) के बीच डील भले ही ना हो पाई हो लेकिन रिलायंस (Reliance Industries) और डिज्नी की डील (Walt Disney) लगभग हो गई है। ईकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार मुकेश अंबानी (Mukesh Ambani) की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज और वॉल्ट डिज्नी के बीच मर्जर को लेकर बातचीत अगले चरण में है। रिपोर्ट के अनुसार स्टार इंडिया और Viacom18 का मर्जर एग्रीमेंट लगभग फाइनल हो चुका है। अगर यह मर्जर हो जाता है तो यह इंडिया का सबसे बड़ा मीडिया साम्राज्य बन जाएगा। जोकि 100 टीवी चैनल्स और 2 स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म तक फैला हुआ है।

इस डील में किसकी कितनी होगी हिस्सेदारी

Star-Viacom18 मर्जर के बाद Reliance के पास 51 प्रतिशत हिस्सा आ सकता है। वहीं, 40 प्रतिशत हिस्सा डिज्नी के पास जा सकता है। मामले की जानकारी रखने वाले व्यक्ति ने इस बात की पुष्टि की है।

Star-Viacom18 मर्जर के बाद रिलायंस के पास 51 प्रतिशत हिस्सा आ सकता है। वहीं, 40 प्रतिशत हिस्सा डिज्नी के पास जा सकता है। मामले की जानकारी रखने वाले व्यक्ति ने इस बात की पुष्टि की है। मर्जर यूनिट में उदय शंकर और जेम्स मर्डोक के बोधी ट्री की हिस्सेदारी 7 प्रतिशत से 9 प्रतिशत हो सकती है। एक व्यक्ति ने बताया कि रिलायंस इस मर्जर के बाद रिलायंस इसमें और पैसा लगा सकता है। ताकि इसे एक डायरेक्ट सब्सिडियरी के तौर स्थापित किया जा सके।

पिछले साल कितना रेवन्यू रहा

Star-Viacom18 ने मिलकर 2023 के वित्त वर्ष में 25,000 करोड़ रुपये का रेवन्यू जनरेट किया था। टीवी और डिजिटल के अलावा इस ज्वाइंट यूनिट के पास इंडियन सुपर लीग और प्रो-कबड्डी लीग का भी हक रहेगा। मामले की जानकारी रखने वाले व्यक्ति के अनुसार रिलायंस ने डिज्नी की वैल्यूएशन 4 बिलियन डॉलर की लगाई है।

क्या है वैल्यूएशन

रिपोर्ट के अनुसार क्रिकेट राइट्स में नुकसान और डिज्नी हॉटस्टार के घटते सब्सक्राइबर की वजह से इस मर्जर यूनिट की वैल्यूएशन 8 बिलियन डॉलर की है।

सेंसेक्स की टॉप 10 में से 8 कंपनियों का MCap 2.90 करोड़ रुपये बढ़ा, सबसे अधिक फायदे में रही RIL

नई दिल्ली. स्थानीय शेयर बाजार में उछाल के बीच बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 2.90 लाख करोड़ रुपये चढ़ गया। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही।पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,384.96 अंक या 1.95 प्रतिशत के लाभ मं रहा।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ जरिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई।

हीं भारती एयरटेल और आईटीसी का मूल्यांकन घट गया।

शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में कुल 2,90,267.98 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई।समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,38,290.85 करोड़ रुपये बढ़कर 19,72,028.45 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह कंपनी के शेयर में 7.54 प्रतिशत का उछाल आया।टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने सप्ताह के दौरान 57,867.9 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका मूल्यांकन 14,51,307.84 करोड़ रुपये हो गया।

एसबीआई की बाजार हैसियत 33,467.29 करोड़ रुपये बढ़कर 5,80,456.76 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 26,153.87 करोड़ रुपये बढ़कर 5,97,490.91 करोड़ रुपये हो गया।आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 10,522.67 करोड़ रुपये बढ़कर 7,19,033.83 करोड़ रुपये और इन्फोसिस का पूंजीकरण 9,566.79 करोड़ रुपये बढ़कर 7,03,024.44 करोड़ रुपये हो गया।एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 8,771.34 करोड़ रुपये बढ़कर 10,98,772.65 करोड़ रुपये पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर की 5,627.27 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 5,76,601.44 करोड़ रुपये हो गई।इस रुख के उलट आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 18,931.64 करोड़ रुपये घटकर 5,49,330.64 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल के मूल्यांकन में 5,231.18 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 6,47,176.65 करोड़ रुपये पर आ गया।शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

उसके बाद क्रमश टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, एलआईसी, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा, कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी शेयर बाजारों की दिशा

नई दिल्ली. स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों, वैश्विक रुझान और ब्याज दर पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निर्णय से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उनका कहना है कि अंतरिम बजट और अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नीतिगत निर्णय के बाद अब बाजार भागीदारों का ध्यान केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा पर है।स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा, ''घरेलू मोर्चे पर, एमपीसी

(मौद्रिक नीति समिति) की बैठक छह-आठ फरवरी को होने वाली है। कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों पर भी सभी की निगाह रहेगी। इस सप्ताह भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, नेस्ले, ल्यूपिन और टाटा पावर अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी।''उन्होंने कहा कि इसके अलावा बाजार भागीदार डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी नजर रखेंगे। साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की गतिविधियां भी महत्वपूर्ण रहेंगी।मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के नतीजों और अंतरिम बजट के बाद सभी की निगाहें इस सप्ताह आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक पर होंगी।''पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,384.96 अंक या 1.95 प्रतिशत के लाभ में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 501.2 अंक या 2.34 प्रतिशत चढ़ गया। शुक्रवार को निफ्टी अपने 22,126.80 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा।रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजित मिश्रा ने कहा, ''हमारा अनुमान है कि इस सप्ताह बाजार में काफी उतार-चढ़ाव रहेगा।

Tax भरने वालों के लिए बड़ी खबर, ठप हुआ इनकम टैक्स का पोर्टल

बिजनेस डेस्क. आयकर विभाग ने देश के करोड़ों टैक्सपेयर्स को जानकारी दी है कि तीन दिन तक इनकम टैक्स विभाग की ई-फाइलिंग पोर्टल पर सर्विस प्रदान नहीं की जा सकेगी। 3 से 5 फरवरी के बीच पोर्टल को रख-रखाव के कारण बंद किया गया है। इस कारण करदाताओं के लिए ई-फाइलिंग पोर्टल पर कोई सर्विस उपलब्ध नहीं होगी।

इनकम टैक्स विभाग ने ट्वीट करके दी जानकारी

अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर अपडेट करते हुए इनकम टैक्स विभाग ने जानकारी दी है कि रखरखाव गतिविधि के कारण टैक्सपेयर्स ई-फाइलिंग पोर्टल का इस्तेमाल 3 फरवरी 2024 को दोपहर 2 बजे से 5 फरवरी सुबह 6 बजे तक नहीं कर पाएंगे। ऐसे में करदाता अपने काम की प्लानिंग इस हिसाब से ही करें।

आईटीआर फॉर्म हो गए नोटिफाई

इनकम टैक्स विभाग ने आकलन वर्ष 2024-25 के इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फॉर्म 2, 3 और 5 को अधिसूचित कर दिया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) ने 31 जनवरी 2024 को इन फॉर्म की

आयकर विभाग ने देश के करोड़ों टैक्सपेयर्स को जानकारी दी है कि तीन दिन तक इनकम टैक्स विभाग की ई-फाइलिंग पोर्टल पर सर्विस प्रदान नहीं की जा सकेगी। 3 से 5 फरवरी के बीच पोर्टल को रख-रखाव के कारण बंद किया गया है। इस कारण करदाताओं के लिए ई-फाइलिंग पोर्टल...

अधिसूचना जारी की है। वहीं आईटीआर फॉर्म 1 और 6 विभाग द्वारा पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है।पचास लाख रुपए से कम आय वाले व्यक्तियों के लिए आईटीआर फॉर्म-1 को दिसंबर 2023 में अधिसूचित किया गया था। वहीं कंपनियों को इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने के लिए आईटीआर फॉर्म-6 अधिसूचित किया गया था। ध्यान देने वाली बात ये है कि CBDT हर साल नया आईटीआर फॉर्म जारी करता है।

में टैक्सपेयर्स को अपनी इनकम के सोर्स से लेकर डिडक्शन आदि जैसे कई ट्रांजैक्शन के बारे में जानकारी दर्ज करनी पड़ती है। इस साल जारी किए गए इनकम टैक्स फॉर्म में अलग-अलग डिडक्शन के बारे में भी जानकारी दर्ज की गई है। इसके जरिए इनकम टैक्स विभाग ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के प्रति कदम उठाया है। ऐ सभी फॉर्म 1 अप्रैल 2024 से प्रभावी हो जाएंगे।

खाते में पैसा रखें तैयार, इस हफ्ते आ रहे 5 कंपनियों के आईपीओ, निवेश से पहले देखें डिटेल

नई दिल्ली. बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच पिछले दिनों कई कंपनियों के आईपीओ खुले हैं। इनमें से कुछ में निवेशकों को बंपर मुनाफा भी हुआ है। अगर आप आईपीओ में निवेश करना पसंद करते हैं तो इस सप्ताह आपके लिए अच्छा मौका है। इस हफ्ते 5 कंपनियों के आईपीओ बाजार में खुलने वाले हैं। इन आईपीओ में निवेश करके आप अच्छी कमाई कर सकते हैं। इनमें 4 मेनबोर्ड के और एक आईपीओ एसएमई कैटेगरी का होगा। आईपीओ के जरिए ये कंपनियां बाजार से करीब 2700 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी कर रही हैं। यहां हम आपको इन आईपीओ के बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं। हालांकि आप किसी भी आईपीओ में बिना जानकारी के निवेश न करें। किसी भी आईपीओ में निवेश करने से पहले एक बार अपने वित्तीय सलाहाकार से बात जरूर कर लें। ऐसा नहीं करने पर आपको आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ सकता है। आईए आपको बताते हैं इस सप्ताह खुलने जा रहे आईपीओ के बारे में।

5 फरवरी को खुलेगा ये आईपीओ

एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल्स यानी पार्क होटल्स का आईपीओ (Park Hotels IPO) 5 फरवरी को खुलने जा रहा है। निवेशक इसमें 7 फरवरी तक पैसा लगा सकेंगे। इसके एक लॉट में 96 शेयर हैं। इसका साइज 920 करोड़ रुपये है। इसका प्राइस बैंड 147 रुपये से 155 रुपये रखा गया

है।

ये आईपीओ 7 को खुलेंगे

राशि पेरिफेरल्स आईपीओ (Rashi Peripherals IPO) 7 फरवरी को खुलने जा रहा है। 600 करोड़ रुपये के इस आईपीओ का प्राइस बैंड 295-311 रुपये है। इसके एक लॉट में 48 शेयर हैं। वहीं कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक आईपीओ (Capital Small Finance Bank IPO) भी 7 फरवरी को खुलेगा। आईपीओ का साइज 523 करोड़ रुपये है। इसका प्राइस बैंड 445-468 रुपये है।इसके एक लॉट में 32 शेयर हैं। आईपीओ में 9 फरवरी तक निवेश कर सकते हैं।

जन स्मॉल फाइनेंस बैंक आईपीओ

जन स्मॉल फाइनेंस बैंक का आईपीओ (Jana Small Finance Bank IPO) 7 से 9 फरवरी के बीच खुलेगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 393 रुपये से 414 रुपये है। इसके एक लॉट में 36 शेयर हैं।

अल्पेक्स सोलर आईपीओ

अल्पेक्स सोलर आईपीओ (Alpe& Solar IPO) 8 फरवरी को खुलेगा। इस आईपीओ के तहत 64.8 लाख फ्रेश इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। एसएमई सेगमेंट वाले इस आईपीओ की इश्यू दर 115 रुपये प्रति शेयर तय की गई है।

पैक्ड मिल्क या फ्रेश मिल्क जानिए आपकी सेहत के लिए कौन-सा है ज्यादा बेहतर

दूध सेहत के लिए कितना पौष्टिक होता है, ये तो सभी जानते हैं। इसमें आयरन, कैल्शियम, जिंक, मैग्नीशियम, विटामिन और मिनिरल्स जैसे तत्व भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं। इसमें कई तरह के एमिनो एसिड भी पाए जाते हैं। खासतौर से बच्चों की ग्रोथ के लिए इसे बचपन से ही उनकी डाइट में शामिल करने की सलाह ही जाती है। सुबह से लेकर रात तक के आहार में दूध कई बार इस्तेमाल होता है। ऐसे में बड़ा सवाल खड़ा हो जाता है कि कौन-से दूध का सेवन किया जाए, मोटे तौर पर दूध को दो कैटेगरी में बांटा जा सकता है। पहला पैक्ड मिल्क और दूसरा फ्रेश मिल्क। अगर आपको भी इन दोनों को लेकर कंफ्यूजन है तो यहां जानिए कौन-सा दूध है आपके लिए ज्यादा बेहतर।श्चपैक्ड मिल्क या पैकेटबंद दूध बाजार में बड़ी मात्रा में उपलब्ध होता है। इसे कई प्रोसीजर्स से गुजार कर तैयार किया जाता है। एक फिक्स टेंपरेचर पर गर्म करने के बाद सीधे एकदम ठंडे तापमान पर लाकर इसे प्रोसेस करके पैक किया जाता है, जिससे इसमें मौजूद बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं। ये दूध का होमोजिनाइज्ड वर्जन भी कहलाता है। मार्केट में इसे फुल क्रीम, टोन्ड या डबल टोन्ड मिल्क के फॉर्म में खरीदा जा सकता है। बता दें, ये पहले पाश्चराइज्ड यानी उबला हुआ दूध होता है, इसलिए इसे उबालना जरूरी नहीं होता है।

क्या है 'फ्रेश मिल्क'

फ्रेश मिल्क या खुला दूध लोकल डेयरी पर पशुओं से प्राप्त कर सीधा ग्राहक को बेच दिया जाता है। इसमें किसी प्रकार का मशीनी रोल देखने को नहीं मिलता है। ग्रामीण इलाकों में तो ये सबसे ज्यादा उपलब्ध होता है। आमतौर पर इसे पैकेटबंद दूध से बेहतर माना जाता है। अगर आर्गेनिक तरीके से इसका प्रोडक्शन किया जाए तो ये दूध हेल्थ के लिए सबसे अच्छा रहता है।

दोनों में से कौन-सा है ज्यादा बेहतर?

बढ़ते शरीर के लिए दूध का सेवन तो जरूरी है, लेकिन आप इसके किस रूप का सेवन कर रहे हैं, ये भी मायने रखता है। देखा जाए तो लोकल डेयरी ये मिलने वाले फ्रेश मिल्क को ही ज्यादा बेहतर माना जाता है, लेकिन इसमें पशुओं को दिए जाने वाले इंजेक्शन और उनके चारे में मिलावट के चलते सेहत को खतरा रहता है। अक्सर डेयरी के मालिक अपना खर्चा बचाने के लिए पशुओं को खुले में छोड़ देते हैं, जिसके बाद ये पशु कूड़ा-कचरा खाने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे में दूध भी पौष्टिक न रहकर सेहत के लिए खराब बन जाता है।

पैकेटबंद दूध की बात करें तो ये जिस तरीके से पॉस्चराइज और होमोजिनाइज करके तैयार किया जाता है, उससे इसमें बाहरी बैक्टीरिया का खतरा तो नहीं रहता है, लेकिन इसमें भी आजकल मिलावट की खबरें आम हो गई हैं। ऐसे में आर्गेनिक दूध, यानी डेयरी से मिलने वाले दूध के ऑप्शन की ओर जाना ही सही रहेगा, लेकिन इसके साथ आपको इसके सर्टिफिकेशन आदि चीजों की जानकारी ले लेनी चाहिए और लैब में चेक करवाकर भी आप इसकी गुणवत्ता को सुनिश्चित कर सकते हैं।

अनदेखा नहीं कर सकते शंकराचार्यों की नाराजगी को

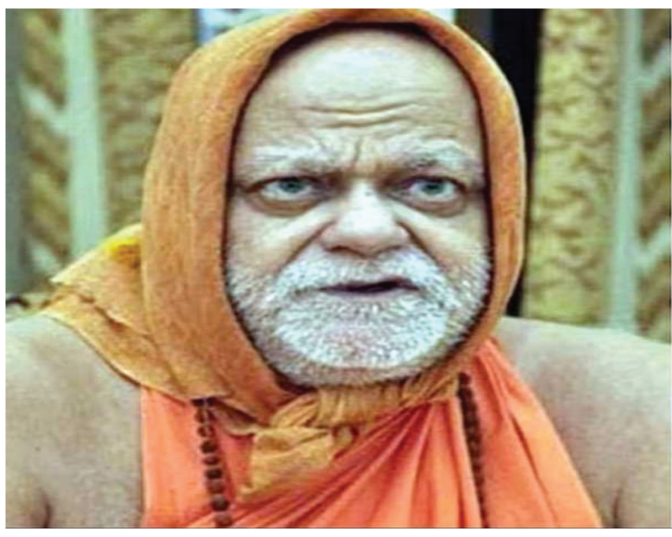

मंदिर के उद्घाटन के स्वरूप और वास्तविकता पर उनके बयान राजनीतिक ताकतों के सामने एक ताज़ा असंतोष लाते हैं जिन ताकतों ने असंतोष को मिटाने के लिए सब कुछ किया है। हमारे यहां राजनीति और धर्म का घालमेल है लेकिन जहां तक वे देश की अच्छी तरह से सेवा करते हैं। ऐतिहासिक रूप से शंकराचार्यों के विचार हमेशा प्रगतिशील नहीं रहे हैं और उन्होंने सामाजिक-धार्मिक सुधारों और सभी जातियों और वर्गों के लिए मंदिर-प्रवेश के मुद्दों पर गांधी की लड़ाई का स्वागत नहीं किया है।

22 जनवरी को राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर भारत के बड़े हिस्से में उत्साहपूर्ण अभूतपूर्व प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं, तो वहीं दूसरी तरफ आंतरिक विसंगतियों के साथ बड़े धर्माचार्यों-शंकराचार्यों के कड़े विरोध के बीच सदियों पुराने शास्त्रों और हिंदू परंपराओं के उल्लंघन का हवाला दिया गया है। यह समारोह हमारे लिए भगवा झंडों का एक सागर लेकर आया, विशेष रूप से उत्तर भारत में जहां इसने एक राजनीतिक लामबंदी को उजागर किया। जिसने भाजपा और कई अन्य को आश्वासन दिया कि इससे 2024 के राष्ट्रीय चुनावों में पार्टी को अभूतपूर्व लाभ मिलेगा। पहले मंदिर के उद्घाटन का विरोध, शास्त्रों की तकनीकी बातों पर जिक्र, फिर निमंत्रण पर और बाद में समग्र औचित्य और राजनीतिक कब्जे के बड़े मुद्दों पर मतभेद सामने आए जो मंदिर समर्थक व्यापक समूह के भीतर एक साझा समझ और विश्वास के आंतरिक विरोध की ओर इशारा करते हैं। हर कोई उस कमांड-एंड-कंट्रोल ऑपरेशन को पचाने के लिए तैयार नहीं है जिसे भाजपा के रणनीतिकारों ने मंदिर आंदोलन में बदल दिया है। निश्चित रूप से शंकराचार्य भी नहीं जिन्होंने एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर विरोध जताया है। ऐसा महसूस होता है कि भाजपा अपने मतदाताओं से कह रही है- %हमने आपको मंदिर दिया। हम रास्ता जानते हैं। हमारे पीछे चलें और कोई प्रश्न न पूछें।% राजनीतिक भक्तों की फौज के कई लोग इससे सहमत प्रतीत होते हैं। लेकिन अब जो असहज हैं, वे मानों कहते हैं- %हमने इसके लिए लड़ाई लड़ी और यह वह नहीं है जिस बारे में हमने बातचीत की थी।उद्घाटन की तारीख, अभिषेक समारोह के केन्द्र में प्रधानमंत्री का होना, शंकराचार्यों के साथ अशोभनीय व्यवहार और बाद में कार्यक्रम में शामिल होने से उनका इंकार, भाजपा समर्थक उद्योगपतियों की उपस्थिति और निमंत्रितों के चयन में धन और शोबिज का प्रदर्शन, भौतिक आडंबर पर ध्यान केंद्रित करना, राजनीतिक उद्देश्य से किए गए उद्घाटन में सुरक्षा बलों के अपरिहार्य अत्यधिक उपयोग को लेकर मंदिर के मुद्दे पर भाजपा के साथ माने जाने वाले लोगों ने भी सवाल उठाए हैं। यह पहली बार नहीं है जब भाजपा का साथ देने वाले दलों ने खुद को अलग-थलग महसूस किया है या भाजपा को भीतरी दुश्मन के रूप में देखा है। भाजपा एक ऐसी ताकत है जो हर कीमत पर अपना विस्तार चाहती है। अगर आपको कोई शक है तो महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और उनकी शिवसेना से पूछिए!22 जनवरी को राजनीतिक लामबंदी के साथ घुल-मिल चुकी भक्ति के प्रदर्शन में शंकराचार्यों का असंतोष एक महत्वपूर्ण आवाज का प्रतिनिधित्व करता है जो भाजपा और उसके सहयोगियों द्वारा पेश की गई राजनीतिक कहानी के विपरीत है। असहमति की आवाज स्पष्ट, असंदिग्ध और निष्पक्ष है और जो भविष्य के अयोध्या-धाम के लिए अतिशयोक्तिपूर्ण विशेषणों से सज्जित, अतिरंजित दावों के इर्द-गिर्द घूमने वाली बयानबाजी के विपरीत है। शंकराचार्य की दलीलें हालांकि इन अर्थों में भाजपा द्वारा मंदिर आंदोलन पर राजनीतिक कब्जा, संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए आंदोलन को हथियार बनाने और उनके गुस्से के तात्कालिक कारण की ओर इशारा नहीं करती हैं। शंकराचार्यों को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की तारीख, किसी शुभ मुहूर्त, मूर्ति से कुछ लेना-देना नहीं है। आने वाले चुनावों को निगाह में रखकर भाजपा यह सब कुछ कर रही है। शंकराचार्यों ने जोर देकर और दृढ़ विश्वास के साथ बताया है कि चूंकि मंदिर का निर्माण कार्य अभी जारी है और पूरा नहीं हुआ है इसलिए इसका उद्घाटन अभी नहीं किया जा सकता है ।संक्षेप में, शंकराचार्यों की ओर से जो बयान आ रहे हैं उन्होंने भाजपा के उस सपने को तहस-नहस कर दिया है जिस पर भाजपा अपना चुनाव अभियान तैयार करती दिख रही है। इन आलोचकों में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और पुरी पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती प्रमुख हैं।आज की स्थिति के अनुसार इन दृष्टिकोणों का धर्म, परंपरा और नैतिकता में एक मजबूत आधार है लेकिन जरूरी नहीं कि यह एक राजनीतिक बढ़त हो जिससे भाजपा चिंतित हो सकती है। उन वोटों में शंकराचार्य सेंध नहीं लगा सकते हैं जिन्हें भाजपा मंदिर के बदले में भुनाने की उम्मीद करती है। फिर भी शंकराचार्य, उनकी संस्था में सन्निहित वेद और शास्त्रों तथा समझ के प्रारंभ के एक महत्वपूर्ण बिंदु को चिह्नित करते हैं। वे उन लोगों को चुनौती देते हैं जो राजनीतिक पुरस्कारों के लिए वेद और उन की तरह के शास्त्रों और परंपराओं का उपयोग कर रहे हैं।

यह उल्लेखनीय है कि अयोध्या के घटनाक्रम के खिलाफ एक स्पष्ट और मुखर नजरिया भाजपा के राजनीतिक विरोधियों की ओर से नहीं बल्कि धार्मिक नेताओं की ओर से आया है जो स्पष्ट तरीके से अपने तर्क रखते हुए संघर्ष कर रहे हैं। पूरे घटनाक्रम में आया यह अप्रत्याशित मोड़ वर्तमान संवाद की जटिल प्रकृति और अतीत में आत्म-पराजय की कहानियों की ओर इशारा करता है जिन्होंने हमें सांप्रदायिकता के हार्ड या सॉफ्ट संस्करणों के रूप में चिह्नित सरलीकृत समझ और रंग दिये हैं या दूसरे चरम बिंदु पर धर्म और राजनीति के बीच एक मजबूत और सुस्पष्ट विभाजन रेखा की मांग खड़ी कर दी है इनमें से प्रत्येक भावना अपने तरीके से शोषणकारी है और उन मूल्यों व सिद्धांतों की सराहना नहीं करती है जिनका उल्लेख किया जाता है। उदाहरण के लिए महात्मा गांधी ने बिना किसी हिचकिचाहट के धर्म के साथ राजनीति पर अपने विचारों को अपने प्रवचनों में बताया है। गांधी ने खुले तौर पर राम को अपने भगवान और उद्धारकर्ता के रूप में देखा और राम को एक समावेशी राजनीतिक संभाषण में ले कर आए। उन्होंने कहा- राम ने... मेरे सबसे अंधेरे समय को रोशन कर दिया है। एक ईसाई को यीशु का नाम जपने से वैसी ही सांत्वना मिल सकती है और अल्लाह का नाम जपने से एक मुस्लिम को वैसी ही तसल्ली मिल सकती है। इन सभी चीजों के समान निहितार्थ हैं और वे समान परिस्थितियों में समान परिणाम उत्पन्न करते हैं, लेकिन (नाम जप की) यह पुनरावृत्ति सिर्फ होंठो की अभिव्यक्ति नहीं होनी चाहिए बल्कि आपके अस्तित्व का हिस्सा होना चाहिए।

दिलचस्प बात यह है कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ही वे व्यक्ति हैं जिन्होंने हाल ही में गांधी का जिक्र करते हुए अपने श्रोताओं को गांधी के बलिदान, देश के लिए उनके कार्य, कैसे देश अब अपना रास्ता भटक चुका है तथा गांधी को महात्मा की उपाधि कैसे और क्यों मिली, के बारे में समझाया। शंकराचार्य खुले तौर पर और पूरी तरह से अपनी भूमिकाओं तथा स्थिति की परिभाषा से निश्चित रूप से धार्मिक हैं।मंदिर के उद्घाटन के स्वरूप और वास्तविकता पर उनके बयान राजनीतिक ताकतों के सामने एक ताज़ा असंतोष लाते हैं जिन ताकतों ने असंतोष को मिटाने के लिए सब कुछ किया है। हमारे यहां राजनीति और धर्म का घालमेल है लेकिन जहां तक वे देश की अच्छी तरह से सेवा करते हैं। ऐतिहासिक रूप से शंकराचार्यों के विचार हमेशा प्रगतिशील नहीं रहे हैं और उन्होंने सामाजिक-धार्मिक सुधारों और सभी जातियों और वर्गों के लिए मंदिर-प्रवेश के मुद्दों पर गांधी की लड़ाई का स्वागत नहीं किया है।योध्या मंदिर में श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा पर शंकराचार्य की असहमति पर भाजपा ने आक्रामक प्रतिक्रिया दी है। महाराष्ट्र से निर्वाचित केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने पूछा कि शंकराचार्यों ने हिंदू धर्म के लिए क्या किया है जबकि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोई भी भगवान राम से बड़ा नहीं हो सकता है।जल्द ही ये हमले बंद हो गए हैं और ऐसा लगता है कि भाजपा नेतृत्व ने महसूस किया कि जगद्गुरुओं को खुले तौर पर निशाना बनाना उल्टा असर डालने वाला हो सकता है।इस बीच अयोध्या को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर लाने की मांग की जा रही है। यह सामान्य रूप से व्यापारिक बात हो सकती है क्योंकि सत्ता से अच्छी तरह से जुड़े बिल्डर जमीन खरीदते हैं ताकि इस जमीन को धन निवेश की तलाश करने वाले निवेशकों के सामने अत्यधिक ऊंची कीमत पर बिक्री के लिए रखी जा सके। ऐसे ही एक प्रस्ताव में कहा गया है- पवित्र सरयू नदी के तट पर एक एकीकृत पांच सितारा होटल के साथ अयोध्या का पहला सात सितारा मिश्रित उपयोग विकास शुरू करना। जो श्री राम जन्मभूमि मंदिर से 15 मिनट और श्री राम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 30 मिनट की दूरी पर स्थित है।

संपादकीय

आपदा के सबक

बहुत समय नहीं हुआ जब मानसून में भारी वर्षा व भूस्खलन के चलते हिमाचल प्रदेश के विभिन्न भागों में जन-धन की व्यापक क्षति हुई थी। ढहती मंजिलें और दरकते पहाड़ पूरे देश को भयाक्रांत कर रहे थे। कहीं न कहीं संवेदनशील हिमालयी पहाड़ आबादी के बोझ और अनियोजित निर्माण का दबाव सहन नहीं कर पा रहे हैं। हिमाचल जैसी स्थितियों से उत्तराखंड के कई शहर भी जूझ रहे हैं। जोशीमठ का धंसना इस कड़ी का विस्तार ही है। मानसून के दौरान हिमाचल की राजधानी व अन्य शहरों में अतिवृष्टि से हुई व्यापक क्षति के बाबत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का आकलन इस दिशा में व्यापक अवलोकन की जरूरत बताता है। ताकि नियमित निगरानी के साथ मानकों के पालन को सुनिश्चित किया जा सके। प्राधिकरण की रिपोर्ट पिछले मानसून में हुई व्यापक क्षति के कारणों और ऐसी स्थिति से बचने के उपायों पर प्रकाश डालती है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि राज्य सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निष्कर्षों और सिफारिशों पर गंभीरता पूर्वक विचार करे। निश्चित रूप से इन घटनाओं से सबक लेने और चेतावनी के संकेतों को नजरअंदाज न करने की जरूरत है। साथ ही जरूरी है कि जनमानस के अवचेतन में उन विनाशकारी घटनाओं के कारणों से बचने की चेतना विद्यमान रहे। निश्चित रूप से तेजी से होता शहरीकरण पहाड़ी राज्यों की बड़ी चुनौती है। भूमि का गलत उपयोग और ग्रामीण इलाकों में भवन निर्माण मानदंडों की अनदेखी घरों की सुरक्षा के लिये गंभीर चुनौती पैदा कर रही है। दरअसल, संवेदनशील पर्वतीय पारिस्थितिकी में अनियोजित विकास पर्यावरणीय संकट के साथ ढांचागत चुनौतियां भी पैदा कर रहा है। कहीं शासन-प्रशासन की नियमित निगरानी के अभाव में भवन निर्माण के सुरक्षित मानकों की अनदेखी की जा रही है। जिसके चलते आपदा के जोखिमों में वृद्धि ही हुई है। स्थानीय निकायों के स्तर पर जिस जिम्मेदार व्यवहार का पालन किया जाना चाहिए, वह भी नदारद है। राजनीतिक हस्तक्षेप व निहित स्वार्थों के चलते भवन निर्माण से जुड़े कानून ताक पर रख दिए जाते हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के हालिया अध्ययन में बार-बार कहा गया है कि नियमों के कड़ाई से पालन और निर्माण कार्यों के नियमित ऑडिट का कोई दूसरा विकल्प नहीं है। निस्संदेह, पर्यावरण व भवन निर्माण से जुड़े विशेषज्ञ बार-बार इन्हीं मुद्दों की ओर ध्यान दिलाते रहे हैं। लेकिन सत्ताधीश इस दिशा में गंभीर नजर नहीं आते। दरअसल, शहरों की योजना सीमा के बाहर ग्रामीण क्षेत्रों में खड़ी ढलानों पर अनधिकृत संरचनाएं और निर्माण मानदंडों की अनदेखी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में जन-धन की सुरक्षा के लिये एक गंभीर चुनौती पैदा करती है। वास्तव में, पहाड़ी इलाकों में भवन निर्माण से जुड़े नियमों-उपनियमों पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की जरूरत है। साथ ही प्राकृतिक जल निकासी प्रणालियों को अवरुद्ध करने वाले कारकों पर रोक लगाने की सख्त जरूरत है। जो अतिवृष्टि की दशा में जानलेवा संकट पैदा कर देते हैं। जरूरत इस बात की भी है कि पहाड़ों की प्रकृति के अनुरूप भवन निर्माण शैली को प्रोत्साहन दिया जाए। खासकर भवन निर्माण की उस परंपरागत शैली को, जिसमें लकड़ी और मिट्टी का उपयोग होता रहा है, जो दीवारों में लचीलापन पैदा करती है। निस्संदेह, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि शहरीकरण और पर्यटन की पहाड़ी राज्यों की आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लेकिन कहीं न कहीं ये सब नीतिगत बदलावों के मार्ग में बाधक भी बनते हैं। बहरहाल, इस दिशा में चाहे कितनी बाधाएं हों, हिमाचल प्रदेश यथास्थिति के विकल्प को नहीं चुन सकता। पहाड़ी परिवेश की संवेदनशीलता के मद्देनजर जन-धन की हानि को टालने के लिये इस दिशा में नियमति निगरानी अपरिहार्य ही है।

'एड-टेक' की उठा-पटक!

ऐसे समय में सामने आए रवींद्रन बायजू! बायजू इंजीनियरिंग के प्रतिभावान छात्र थे। 2006 में अपने ही आसपास के कुछ युवाओं को उन्होंने पढ़ाना शुरू किया और फिर 2011 में %बायजूस% नामक कंपनी शुरू की जिसका काम ही ऑनलाइन शिक्षा देना था। वे निवेशकों को यह समझाने में कामयाब हुए कि शिक्षा का उनका मॉडल देश की टूटी-बिखरी शिक्षा-व्यवस्था में जरूरी क्रांति लाएगा। उनका दावा था कि देश के दूर-दराज इलाकों में, जहां न स्कूल हैं, न योग्य शिक्षक, शिक्षा पहुंचाने का काम उनका मॉडल ही कर सकता है।

शिक्षा जगत में कोहराम मचा है। कोहराम इसलिए नहीं मचा है कि सरकारी विद्यालय बंद हो रहे हैं, कि योग्य शिक्षक नहीं मिल रहे हैं। कोहराम इस पर भी नहीं मचा है कि स्कूल हों या कॉलेज या कोचिंग संस्थान, सब मिलकर समाज में शिक्षा नहीं, नफरत के बीज बो रहे हैं। प्रतिभावान विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में नाकाम होकर आत्महत्या कर रहे हैं, यह भी कोहराम का विषय नहीं है। शिक्षा जगत में शिक्षा के किसी पहलू को लेकर कोई कोहराम नहीं है। कोहराम मचा है, %एड-टेक% यानि ऑनलाइन शिक्षा की दुनिया में! एजुकेशन का %एड% और टेक्नॉलॉजी का %टेक।% वहां भूचाल आया हुआ है- क्या विद्यार्थी, क्या शिक्षक और क्या अभिभावक सभी ऊब-डूब हो रहे हैं।

ऑनलाइन शिक्षा में क्रांति लाने वाली कंपनी %बायजूस% दिवालिया हो गई है। ऑनलाइन जगत के दो %बड़े लोग%- संदीप महेश्वरी और विवेक बिंद्रा के बीच तलवार खिंची हुई है। विवेक बिंद्रा हजारों रुपये की फीस लेकर उद्योगपति बनने का गुर सिखाता ऑनलाइन कोर्स चलाते हैं। दूसरी तरफ संदीप महेश्वरी हैं जो यू ट्यूब पर ज्ञान बांटते हैं। इन दोनों के मिलाकर साढ़े चार करोड़ सब्सक्राइबर हैं। आपको याद ही होगा कि संदीप महेश्वरी कभी विवेक बिंद्रा को अपने चैनल पर बुला-बुलाकर हमारे बीच प्रतिष्ठित कर रहे थे; अब वे ही संदीप हमें बता रहे हैं कि विवेक बिंद्रा कितने बड़े धोखेबाज हैं! मेरे लिए बायजूस, संदीप और विवेक तीनों एक ही समस्या के कई चेहरे हैं।

समस्या क्या है? एक अध्ययन के मुताबिक़ भारत में शिक्षा की उम्र के लगभग 24 करोड़ बच्चे हैं। 12वीं तक आते-आते इनकी संख्या 16 लाख रह जाती है और स्नातक तक यह संख्या घटकर 10 लाख तक पहुंचती है। उत्तरोत्तर घटती विद्यार्थियों की संख्या एक समस्या है तो दूसरी समस्या यह है कि भारत की शिक्षा-व्यवस्था कमोबेश खत्म हो चुकी है। सरकारी स्कूल बंद किये जा रहे हैं, योग्य शिक्षक नहीं हैं। कोचिंग का बिजनेस जितना भी फल-फूल रहा हो, परिक्षाएं हो नहीं रहीं, पर्चे लीक हो रहे हैं। प्रतिभावान और आर्थिक रूप से सक्षम नौजवान शिक्षा और रोजगार के लिए विदेश जा रहे हैं। जिनके लिए विदेश संभव नहीं है, वे सब प्रतियोगी परीक्षाओं और कोचिंग के चक्रव्यूह में फंसे हैं। बाकी रह गए 23,90,00000 नौजवान! वे कहां हैं, क्या करते हैं, कैसे जीते-मरते हैं, इसकी चर्चा कभी-कहीं नहीं होती।

ऐसे समय में सामने आए रवींद्रन बायजू! बायजू इंजीनियरिंग के प्रतिभावान छात्र थे। 2006 में अपने ही आसपास के कुछ युवाओं को उन्होंने पढ़ाना शुरू किया और फिर 2011 में बायजूस नामक कंपनी शुरू की जिसका काम ही ऑनलाइन शिक्षा देना था। वे निवेशकों को यह समझाने में कामयाब हुए कि शिक्षा का उनका मॉडल देश की टूटी-बिखरी शिक्षा-व्यवस्था में जरूरी क्रांति लाएगा। उनका दावा था कि देश के दूर-दराज इलाकों में, जहां न स्कूल हैं, न योग्य शिक्षक, शिक्षा पहुंचाने का काम उनका मॉडल ही कर सकता है। वे कहते थे – सोचिए न, दुनिया का सबसे नौजवान देश भारत यदि अपने युवाओं को योग्य शिक्षा देने लगे तो विकास की दुनिया में कहां पहुंच जाएगा !रवींद्रन साहब का यह सपना खूब बिका- देश- दुनिया के कई बड़े निवेशकों ने बायजूस की झोली में पैसा उड़ेल दिया।

बायजूस क्लासेज तेजी से खुलने लगीं; बात फैलने लगी! कोविड के दौरान जब सब कुछ बंद था, बायजूस खुला रहा, खुलता रहा। उसका दानवाकार तैयार हो गया, लेकिन गुलजार साहब ने लिखा है न – क्तरहता नहीं कहीं टिककर; तो बायजूस का वक्त भी कैसे टिका रहता! बताया गया कि जिस समय बायजूस की कमाई 3,500 करोड़ थी, उसका घाटा 2,250 करोड़ था। पिछले दिनों यह सच्चाई चर्चा में आई कि बायजूस का बिजनेस मॉडल इस कदर नुकसान कर रहा है कि रवींद्रन को अपना घर गिरवी रखना पड़ा है, लेकिन हमारी क्रांतिकारी सरकार लुटे-पिटे रवींद्रन-मॉडल की तरफ दौड़ रही है। उसका शिक्षा-मॉडल यह है कि छोटे-छोटे स्कूलों को बंद करो, ऑनलाइन क्लास को खूब बढ़ावा दो!

दूसरी तरफ हैं विवेक बिंद्रा, जो ऑनलाइन गुरु हैं। नौजवानों को 10 दिन में एमबीएकराने का दावा करते हैं; प्रति माह लाखों कमाने की तरकीब सिखाते हैं। उनके ऑनलाइन कोर्स की फी हजारों में है तो लाखों में उनके सब्स्क्राइबर हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि विवेक बिंद्रा करोड़ों की कमाई करते हैं। संदीप महेश्वरी को इससे गहरा एतराज है। वे बिंद्रा को एक्सपोज करने में जुटे हैं। वे कहते हैं कि बिंद्रा के कोर्स से कोई कमाई नहीं हो रही है; कमाई कराने के लिए बिंद्रा सबको उनका कोर्स ही दूसरों को बेचने के लिए कह रहे हैं।

शिक्षा की ऑनलाइन दुनिया में जोहो रहा है, दरअसल वही हमारी असल जिंदगी में भी हो रहा है। शिक्षा का मतलब क्या है; शिक्षा कैसी हो और कैसे दी जाए आदि सवाल अब कोई पूछता नहीं है। सब पूछते हैं कि शिक्षा से कमाई कैसे होगी व कितनी? यही तो बिंद्रा, संदीप और रवींद्रन भी बता रहे थे; और यही हमारी पुराणपंथी सरकार की नई शिक्षा-नीति भी बता रही है। बगैर कोई सवाल पूछे अंग्रेजी राज चलाने वाले नौकरों की खोज में से निकली थी, यह शिक्षा-नीति! उसे ही बिंद्रा-संदीप-रवींद्रन-मोदी सब जारी रखना चाहते हैं।

मेक इन इंडिया जैसे फैंसी नारों के भीतर का सच यह है कि दुनिया भर की फैक्टरियां चलाने के लिए थोड़े-बहुत पढ़े-लिखे, पर सस्ते मजदूर मिलते रहें। ये फैक्ट्रियां भी ऐसी हों कि जिनमें मजदूरों की जरूरत कम-से-कम होती जाए। आदमी की जगह कम्प्यूटर और रोबोट की अधिकाधिक मदद कैसे मिलती रहे, इसकी खोज में हमारे समाज के बेहतरीन दिमाग जुटे रहें तथा कृत्रिम मेधा-आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस- का काम आगे-से-आगे बढ़ाया जाता रहे।

बिंद्रा-संदीप-रवींद्रन-मोदी लगाएं-न-लगाएं, हम सब तो जरा दिमाग लगाएं। खुद लखपति-करोड़पति बनने के लिए हजारों बिंद्रा-संदीप-रवींद्रन-मोदी अपनी-अपनी कोचिंग चला रहे हैं। कोचिंग का मतलब शिक्षा नहीं है। हम शिक्षा और शिक्षण का महत्व आज भी समझ नहीं पा रहे हैं। गुलाम भारत में ही गांधीजी ने आजाद भारत की शिक्षा का खाका बनाना शुरू कर दिया था। उनसे प्रेरणा पाकर चीन में माओ ने हाफ-हाफ स्कूल बनाए जिनमें शिक्षा और उत्पादन को बराबर का महत्व दिया।

चीन को गुलामी की मानसिकता से बाहर लाने में शिक्षा की इस नई संकल्पना का बड़ा हाथ था।नई तालीम की शिक्षा-पद्धति में गांधीजी तीन द के विकास की बात कहते हैं- देह, दिमाग और दिल। देह का विकास मतलब श्रम के प्रति सम्मान का भाव रखने वाला स्वस्थ और मजबूत शरीर! हाथ हिलाने का श्रम भी हम न करें तो चेहरे पर बैठी मक्खी भी भगा नहीं सकते। श्रम इतना जरूरी और स्वाभाविक है कि इसका फल तुरंत मिलता है। जो सभ्यता, शैली, आविष्कार या यंत्र हमें इस श्रम से दूर ले जाता है, वह अहितकारी है, त्याज्य है, मानव विरोधी है, लेकिन श्रम विवेकशून्य नहीं होना चाहिए। जहां जब, जितना और ज़रूरी हो, वहां तब, उतना श्रम करना चाहिए। श्रम बड़ा या छोटा नहीं होता, वह ज़रूरी होता है।इस समझ को बनाने के लिए दिमाग का तार्किक विकास जरूरी है। इतना ही जरूरी है, मानवीय संवेदनाओं का विकास। इस मामले में हम जिस तरह चूके हैं, उसका ही नतीजा भुगत रहे हैं। ऐसी शिक्षा हो तो हम कह सकेंगे कि बायजू, बिंद्रा, संदीप, मोदी करोड़ों लेकर अपने घर जाइए, हमारे पास पर्याप्त संतोष-धन है जिसके लिए रहीम कह गए हैं - जब आवे संतोष-धन, सब धन धूरि समान !कोई बताए, इससे बड़ी शिक्षा-नीति क्या हो सकती है?

भोजन का स्वाद और स्वास्थ्य बढ़ाते हैं ये वास्तु टिप्स

वास्तुशास्त्र में मानव कल्याण के लिए बहुत सारे नियम निर्धारित किए गए हैं। जो सुखमय जीवन प्रदान करने में सहायक सिद्ध होते हैं। भोजन से संबंधित भी वास्तु विद्वानों ने कुछ निर्देश दिए हैं, जिनका पालन करने से बहुत सारे दुष्प्रभावों को सदा के लिए दूर कर रोग और शोक से बचा जा सकता है। भोजन के उपरांत सौ कदम टहलने से शरीर स्वस्थ और निरोगी बना रहता है लेकिन दौड़ने से विकार पैदा होते हैं। भोजन करके एक ही स्थान पर बैठे रहने से पेट बढ़ जाता है। शरीर में भारीपन और सुस्ती बनी रहती है। जो लोग भोजन करके तुरंत नींद के आगोश में चले जाते हैं उन्हें बहुत सारे रोग होने की आशंकाएं बढ़ जाती है।

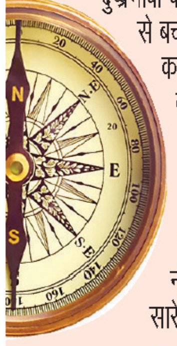

वास्तु के अनुसार भोजन का स्वाद और स्वास्थ्य बढ़ाते हैं ये टिप्स

- सारा परिवार मिलकर भोजन करे तो स्वाद और स्वास्थ्य दोनों बढ़ जाते हैं।
- पूर्व और उत्तर दिशा की ओर मुंह करके भोजन ग्रहण करना चाहिए। इस उपाय से हमारे शरीर को भोजन से मिलने वाली ऊर्जा पूर्ण रूप से प्राप्त होती है।
- दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके भोजन ग्रहण करना अशुभ माना गया है।
- पश्चिम दिशा की ओर मुंह करके भोजन करने से रोगों की वृद्धि होती है।
- भोजन के पूर्व दोनों हाथ, दोनों पैर और मुख को अच्छी तरह से धो लेना चाहिए। इसके बाद ही भोजन करना चाहिए।
- भीगे हुए पैरों के साथ भोजन ग्रहण करना बहुत शुभ माना जाता है। भीगे हुए पैर शरीर के तापमान को नियंत्रित करते हैं, इससे पाचनतंत्र ठीक रहता है और भोजन आसानी से पचता है।

गिरी हुई आत्माएं ही संसार में कष्ट भोगती हैं

अपनी बहन इलाइजा के साथ एक किशोर बालक घूमने निकला। रास्ते में एक किसान की लड़की मिली। वह सिर पर अमरूदों का टोकरा रखे हुए उन्हें बेचने बाजार जा रही थी। इलाइजा ने भूल से उसे टक्कर मार दी, जिससे सब अमरूद वहीं गिर कर गंदे हो गए। कुछ फूट गए, कुछ में कीचड़ लग गया। गरीब लड़की रो पड़ी। ''अब मैं अपने माता-पिता को क्या खिलाऊंगी जाकर, उन्हें कई दिन तक भूखा रहना पड़ेगा।'' इस तरह अपनी दीनता व्यक्त करती हुई, वह अमरूद वाली लड़की खड़ी होकर रो रही थी। इलाइजा ने कहा, ''भैया चलो भाग चलें, कोई आएगा तो हमें मार पड़ेगी और दंड भी देना पड़ेगा। अभी तो यहां कोई देखता भी नहीं।'' ''बहन देख ऐसा मत कह, जब लोग ऐसा मान लेते हैं कि यहां कोई नहीं देख रहा, तभी तो पाप होते हैं। जहां मनुष्य स्वयं उपस्थित है, वहां एकांत कैसा? उसके अंदर बैठी हुई आत्मा ही गिर गई तो फिर ईश्वर भले ही दंड न दे, वह आप ही मर जाता है। गिरी हुई आत्माएं ही संसार में कष्ट भोगती हैं, इसे तू नहीं जानती, मैं जानता हूं।'' इतना कह कर उस बालक ने अपनी जेब में रखे सभी तीन आने पैसे उस ग्रामीण कन्या को दिए और उससे कहा, ''बहन तू मेरे साथ चल। हमने गलती की है तो उसकी सजा भी हमें सहर्ष स्वीकार करनी चाहिए, तुम्हारे फलों का मूल्य घर चलकर चुका दूंगा।''तीनों घर पहुंचे, बालक ने सारी बात मां को सुनाई। मां ने एक तमाचा इलाइजा को जड़ा, दूसरा उस लड़के को और गुस्से से बोली, ''तुम लोग नाहक घूमने क्यों गए? घर खर्च के लिए पैसे नहीं, अब यह दंड कौन भुगते?'' बच्चे ने कहा, ''माताजी! देख मेरे जेब खर्च के पैसे तू इस लड़की को दे दे। मेरा दोपहर का विद्यालय का नाश्ता बंद रहेगा, मुझे उसमें रत्तीभर की भी आपत्ति नहीं है। अपनी गलती के लिए प्रायश्चित भी तो मुझे ही करना चाहिए।'' मां ने उसके डेढ़ महीने के जेब खर्च के पैसे उस लड़की को दे दिए। लड़की प्रसन्न होकर घर चली गई। डेढ़ महीने तक विद्यालय में उस लड़के को कुछ भी नाश्ता नहीं मिला, इसमें उसने जरा भी अप्रसन्नता प्रकट नहीं की। अपनी मानसिक त्रुटियों पर इतनी गंभीरता से विजय पाने वाला यही बालक आगे चलकर विश्वविजेता नैपोलियन बोनापार्ट के नाम से विश्वविख्यात हुआ।

व्यक्ति की पहचान बुरे दौर से...

समय और परिस्थितियां हमेशा एक जैसी नहीं होती है। हर व्यक्ति के जीवन में कभी अच्छा समय आता है, तो कभी बुरे दौर से उसे गुजरना पड़ता है, लेकिन ऐसा माना जाता है कि व्यक्ति की पहचान उसके बुरे दौर में ही होती है। ऐसा कहने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि जीवन के अच्छे दौर में तो सामान्य से सामान्य व्यक्ति भी सही फैसला करने में सक्षम होता है लेकिन जब स्थिति प्रतिकूल हो, तो उस समय व्यक्ति की सही प्रतिभा का आकलन किया जाता है। धैर्यवान व्यक्ति हमेशा विपरित स्थिति में विचलित नहीं होते है। आइए जाने की प्रतिकुल स्थिति में कैसे धैर्य और संयम के साथ काम लें। यह बात मान लेने में जरा भी संकोच नहीं होना चाहिए कि आज हम सब का बाह्य जीवन बड़ा ही अस्त-व्यस्त, अव्यवस्थित एवं अवांछनीय दशा में चल रहा है। यही कारण है कि जीवन क्षेत्रों में बहुधा असफलता का ही सामना करना पड़ रहा है। उन्नति और प्रगति के नाम पर हम कुछ कदम भी आगे नहीं बढ़ा पा रहे हैं। व्यावहारिक जीवन की अव्यवस्था एवं अस्त-व्यस्तता हमारी हर साधना को निष्फल बनाती चली जा रही है। हम आध्यात्मिक साधना करते, पूरे समय प्रयत्न भी करते, परिश्रम एवं प्रसार से भी मुंह नहीं मोड़ते, तब भी देखते यही हैं जहां के तहां पड़े हुए हैं, जरा भी आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं।

धैर्य और साहस के साथ बढ़ें

जीवन का कोई क्षेत्र भी क्यों न हो, उसमें सफलता प्राप्त करने के लिये क्रमिक प्रयत्न करना होता है। एक साथ ऐसी छलाँग लगाकर कोई भी सफलता के उच्च शिखर पर नहीं पहुँच सकता। प्रत्येक बात की एक विधि और एक क्रम होता है। उसी के अनुसार चलने से सफलता संभव हो सकती है। क्रम का उल्लंघन करने से लाभ के स्थान पर हानि ही होती है। शक्ति का अपव्यय होता है, निराशा की वेदना सहन करनी पड़ती है और उत्साहों में प्रशमन आता है, जीवन गति अस्त-व्यस्त होकर बोझिल बन जाती है।

पहले ठहरें , फिर प्रतिक्रिया दें

उदाहरण के तौर पर अगर कोई भी व्यक्ति आपको किसी कार्य को करने के लिए उकसाता है और आप उस उकसावे में आकर उसके मुताबिक निर्णय ले लेते हैं, तो यह आपकी कमजोरी को प्रदर्शित करता है और साथ हीं आपके लिए कठिनाइयां पैदा करता है। ऐसे में धैर्यशील व्यक्ति किसी के उकसावे को समझने की कोशिश करता है, थोड़ा ठहरता है और उसके बाद प्रतिक्रिया करता है। ऐसी प्रतिक्रियाओं के सही होने की संभावना अधिकतम होती है। उदाहरण के तौर पर कई महापुरुषों के जीवन से संबंधित घटनाओं को देख सकते हैं। जितने भी वैज्ञानिक और आविष्कारक हुए हैं, उन्होंने सालों तक अपने अनुसंधान की सफलता का इंतजार किया है। उन्होंने कई असफल प्रयोगों का धैर्य के साथ आजमाया और हर असफलता के बाद फिर से उसे आगे बढ़ाया लेकिन उन्होंने अपना धैर्य नहीं खोया।

विपरित परिस्थिति में ना खोए धैर्य

अगर धैर्य खो देते तो वे कभी आविष्कार नहीं कर पाते। हमें महात्मा गांधी के जीवन की कई घटनाओं से इसका प्रत्यक्ष उदाहरण मिल सकता है। जब पहली बार उन्हें दक्षिण अफ्रीका में रंग भेद की नीति के कारण ट्रेन से उतारा गया था, तो उन्होंने तुरंत ही उसकी प्रतिक्रिया नहीं की। उन्होंने उस अधिकारी के साथ उलझना सही नहीं समझा बल्कि उस पूरी स्थिति को समझा और पाया कि इसके पीछे का कारण रंग भेद की नीति है और जब तक इस नीति के ऊपर प्रहार नहीं किया जाता है, ऐसी घटनाओं को रोका नहीं जा सकता है। उन्होंने इसके लिए योजना बनाई और फिर संघर्ष शुरू किया। हालांकि, उन्हें लम्बा संघर्ष करना पड़ा लेकिन उन्होंने धैर्य नहीं खोया और उसी धैर्य ने उन्हें सफलता दिलाई। कुछ इसी तरह के धैर्य का परिचय उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के समय भी दिया और कई आंदलनों की तथाकथित विफलताओं के बावजूद उन्होंने संयम नहीं खोया तथा संघर्ष करते रहे, जिसकी परिणति हमारे सामने है।

संयम रखना भी जरुरी है

धैर्य के साथ लिए गए निर्णय में कितनी शक्ति होती है, उसका एक उदाहरण विवेकानंद के साथ घटी एक घटना है। एक बार विवेकानंद के एक ईसाई दोस्त ने उनकी क्षमता को परखने की योजना बनाई। वे शायद उनकी बुद्धि की परीक्षा लेना चाहते थे। उन्होंने विवेकानंद को खाने पर आमंत्रित किया। जब वे उनके घर गए तो स्वामी जी को उस ईसाई दोस्त ने एक कमरे में बैठाया। उस कमरे में एक मेज पर कई धार्मिक पुस्तकें रखी हुई थी। उन पुस्तकों को एक दूसरे के ऊपर रखा गया था। विश्व के कई धर्मों की पुस्तकों में सबसे नीचे गीता और सबसे ऊपर बाइबिल रखा गया था। उस व्यक्ति को इस बात की उम्मीद थी कि ऐसा देखकर स्वामी जी भड़क जाएंगे और गुस्से में कुछ ऐसी टिप्पणी करेंगे, जिससे उनके संयम को चुनौती दी जा सके। उन्होंने स्वामी जी से पूछा कि पुस्तकों को रखने का यह तरीका कैसा लगा आपको। स्वामी विवेकानंद ने उसे गंभीरता से देखा और धैर्य के साथ उत्तर दिया कि नींव वास्तव में अच्छी है। उस व्यक्ति को इस उत्तर की उम्मीद नहीं थी लेकिन विवेकानंद की इस संयत टिप्पणी ने उसे लज्जित कर दिया।

धैर्य का मतलब कठिनाई का समाना

याद रखें, केवल धैर्य ही आपको अपनी पूरी मानसिक क्षमता का उपयोग करने में सक्षम बनाता है और जिसके कारण आप कठिन से कठिन चुनौतियों का सफलता पूर्वक सामना करने के योग्य बन जाते हैं। इसलिए धैर्य को बनाए रखने की प्रवृति का विकास करें। धैर्य रखने का सीधा मतलब अपने स्वभाव के शांत होने से है। जब आप शांत होकर स्थिरता के साथ चुनौतियों का सामना करते हैं और अपने को उत्तेजित नहीं होने देते तो आप इतना मजबूत हो जाते हैं कि किसी भी कठिनाई का समाना आप कर सकते हैं।

'संयम व धैर्य' से बलवान

हर व्यक्ति को अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए ऐसी शक्ति की आवश्यकता होती है जो उन्हें जगाए व संभाले और वह शक्ति मन की होती है। मन बिखरा रहेगा तो शक्तियां बंट जाएंगी। तीव्र इच्छा शक्ति ही मनुष्य को लक्ष्य की ओर ले जाती है। संयम व धैर्य ही मनुष्य को बलवान बनाता है। प्रार्थना सच्ची आत्मा से होनी चाहिए। प्रार्थना में हृदय व आत्मा बोलती है और परमात्मा सुनता है। पूरे शरीर को कान बना लो और इस तरह प्रार्थना करो कि ईश्वर तुम्हारी आवाज सुन सके। प्रभु से हमेशा रहस्मय रिश्ता बनाओ। ऐसी प्रार्थना करो कि ऐसा कोई क्षण न हो, जिससे महसूस न हो कि प्रभु उनके पास नहीं है। आवेश व तैश में की गई गलतियां जिंदगी भर रुलाती है। ऐसे समय में भगवान को याद करना चाहिए। भक्ति ऐसी होनी चाहिए, जिससे छाया भी परमात्मा का ही रूप लगे। नियंत्रण की चेष्टा सारे दिन करें, नित्य प्रति ध्यान लगाने की चेष्टा से मन को शांति मिलती है।

धैर्य की आस्था के लिए

धैर्य के लिए विश्वास में सामान्य जीवन में हमारे साथी मनुष्यों में अपने आप में है ..., है। उदाहरण के लिए, जब एक बच्चे को बात करने के लिए, भले ही हम एक ध्वनि वे पहली बार में कह रहे हैं, समझ में नहीं आ सकता है सीख रहा है, हम धैर्य (विश्वास) है कि किसी दिन, जल्द ही, वे स्पष्ट रूप से बात करने के लिए और समझा जा सकेंगे। उसी तरह, जब हम एक परियोजना पर काम कर रहे हैं हम धैर्य (विश्वास) है कि यह बाहर काम करेंगे और है कि हम लक्ष्य को हम निर्धारित किया है को प्राप्त करने में सफल हो जाएगा। फिर भी कई बार खुद के साथ और दूसरों के साथ धैर्य खो देते हैं, हम विश्वास खो रहे हैं।

नकारात्मक विचारों से दूर रहें

आपके अंदर पनपने वाले विचार आपके अंदर संचालित होने वाली ऊर्जा को प्रभावित करता है। जिस तरह के विचार अपने अंदर लाएंगे वैसा ही प्रभाव आपके व्यक्तित्व पर पड़ेगा। अगर आपके अंदर नकारात्मक विचार आते हैं, तो कार्यक्षमता प्रभावित होगी, आलस्य छाया रहेगा और फिर अपने मकसद को पूरा करने में अपनी पूरी क्षमता का उपयोग आप नहीं कर पाएंगे। इसलिए नकारात्मक प्रवृति वाले लोगों से दूर रहें और सकारात्मक सोच वाले लोगों के साथ अपनी बातें साझा करें ताकि आपकी ऊर्जा को सही दिशा मिल सके।

समय का सदुपयोग करें

समय बहुत कीमती होता है और जो चला गया उसे कभी वापस नहीं लाया जा सकता है, इसलिए इसके उपयोग में हमेशा सावधानी रखें। अगर आप अपने संसाधनों का उपयोग करके कोई काम दूसरे से करा सकते हैं, तो उसे खुद करके थोड़ा संसाधन बचाने की कोशिश न करें, क्योंकि उसी समय आप उससे बड़ा काम कर सकते हैं। ऐसे हीं छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखें, ताकि समय हाथ से न फिसल जाए।

अहंकार का कोई आस्तित्व नहीः ओशो

यह असंभव है। अहंकार का त्याग नहीं किया जा सकता क्योंकि अहंकार का कोई आस्तित्व नहीं है। अहंकार केवल एक विचार है- उसमें कोई सार नहीं है। यह कुछ नहीं है - यह सिर्फ शुद्ध कुछ भी नहीं है। तुम इस पर भरोसा करके इसे वास्तविकता दे देते हो। तुम भरोसा छोड़ सकते हो और वास्तविकता गायब हो जाती है, लुप्त हो जाती है। अहंकार एक तरह का अभाव है। अहंकार इसलिए है क्योंकि तुम स्वयं को नहीं जानते। जिस क्षण तुम स्वयं को जान लेते हो, कोई अहंकार नहीं पाओगे। अहंकार अंधकार के समान है; अंधकार का अपना कोई सकारात्मक आस्तित्व नहीं होता; यह बस प्रकाश का अभाव है। तुम अंधकार से लड़ नहीं सकते, या लड़ सकते हो? तुम अंधकार को कमरे के बाहर नहीं फेंक सकते, तुम उसे बाहर नहीं निकाल सकते, तुम उसे भीतर नहीं ला सकते। तुम अंधकार के साथ सीधे-सीधे कुछ नहीं कर सकते, इसके लिए तुम्हे प्रकाश के साथ कुछ करना होगा। यदि तुम प्रकाश करो तब अंधेरा नहीं रह जाएगा; यदि तुम प्रकाश बुझा दो, वहां अंधेरा है।

देखने की कोशिश करो

मैं तुमसे अहंकार का त्याग करने के लिए नहीं कहता। इसके विपरीत, मैं कहूंगा कि यह देखने की कोशिश करो कि अहंकार है कहां? इसकी गहराई में देखो; इसे पकड़ने कि कोशिश करो कि आखिर यह है कहां, या फिर यह वास्तविकता में है भी या नहीं। किसी भी चीज का त्याग करने से पहले उसकी उपस्थिति का पक्का कर लेना चाहिए।

केंद्र में प्रवेश करके देखो

इसका विरोध करने की कोई जरूरत नहीं। इसमें गहरी डुबकी लगाओ, भीतर प्रवेश करो। इसमें प्रवेश करने का अर्थ है अपने घर में जागरूकता ले आना, अंधकार में प्रकाश ले आना। सावधान रहो सतर्क रहो। अहंकार के ढंगो को देखो, यह कैसे काम करता है, आखिर कैसे यह संचालित करता है। और तुम हैरान हो जाओगे; जितने गहरे तुम इसमें जाते हो यह उतना ही दिखाई नहीं पड़ता। और जब तुम अपने भीतरतम के केंद्र में प्रवेश कर जाते हो, तुम कुछ बिल्कुल ही अलग बात पाओगे जो कि अहंकार नहीं है। जो कि निरहंकारिता है। यह स्वयं का भाव है, स्वयं की पराकाष्ठा है --यह भगवत्ता है। तुम अब एक अलग सत्ता के रूप में मिट गए; अब तुम कोई निर्जन द्वीप नहीं हो, तुम पूर्ण का हिस्सा हो।

अहंकार को गिरा दो,

मैं तुम्हे यह नहीं कह सकता, कि अहंकार को गिरा दो, क्योंकि इसका तो यह अर्थ हुआ कि मैंने तुम्हारे अहंकार की वास्तविकता को स्वीकार कर लिया। और तुम उसे गिरा कैसे सकते हो--जब कि तुम ही वह हो। इस क्षण में तुम ही अहंकार हो। स्वयं को तो तुमने कहीं पीछे अतीत में छोड़ दिया है। तुम में और तुम्हारे आस्तित्व में एक बहुत बड़ा अंतर है। इस क्षण में तुम अपनी परिधि पर जी रहे हो। उस परिधि पर तुम जीने का नाटक कर रहे हो। यह नाटक करने वाला ही अहंकार है। अब इस अहंकार को कहना कि, गिर जाओ!, समर्पण कर दो!, विनम्र बनो निपट मूढ़ता है।

अहंकार बड़ा विरोधाभासी

यह बड़ा ही विरोधाभासी दिखाई पड़ेगा, किन्तु यह सत्य है--इससे पहले तुम्हारा अहंकार छूटे, तुम्हें इसे अपनाना होगा। एक पका हुआ फल ही धरती पर गिरता है। उसका पका हुआ होना ही पर्याप्त होता है। एक अधपका अहंकार छोड़ा नहीं जा सकता, नष्ट नहीं किया जा सकता। और यदि तुम एक अधपके अहंकार को नष्ट करने या गला देने के लिए संघर्ष करोगे तो तुम्हारा सारा प्रयास विफल हो जायेगा। इसे नष्ट करने की बजाय तुम इसे नए और सूक्ष्म तरीके से और अधिक मजबूत पाओगे।

अहंकार को मारो

अंधकार प्रकाश का अभाव है, अहंकार भी ऐसा ही है आत्म-ज्ञान का अभाव। तुम उसका त्याग नहीं कर सकते। तुम्हे बार-बार ये कहा गया है। अपने अहंकार को मारो -और यह वाक्य साफ तौर पर बेतुका है, क्योंकि जिस चीज का कोई आस्तित्व ही नहीं उसका त्याग भी नहीं किया जा सकता। और यदि तुम उसका त्याग करने की कोशिश भी करोगें, जो उपस्थित ही नहीं है, तो तुम एक नया अहंकार पैदा कर लोगे--विनम्र होने का अहंकार, निरहंकार होने का अहंकार, उस व्यक्ति का अहंकार जो सोचता है कि उसने अपने अहंकार का त्याग दे दिया। यह फिर से एक नए प्रकार का अंधकार होगा।

थैलेसीमिया का आयुर्वेदिक इलाज

थैलेसीमिया एक जानलेवा रोग है, जो बच्चों को अपना शिकार बनाता है। थैलेसीमिया दो प्रकार का होता है- थैलेसीमिया माइनर और थैलेसीमिया मेजर।

थैलेसीमिया माइनर यह रोग मां-बाप में से किसी एक के द्वारा संतान में आता है। थैलेसीमिया माइनर से प्रभावित व्यक्ति तो इस रोग के संवाहक होते हैं। इसके कुछ रोगी ऐसे होते हैं, जो 25-30 वर्ष की उम्र तक तो सामान्य जीवन जीते हैं। मगर जब अचानक खून की कमी हो जाती है और खून की जांच करवाते हैं तब इसका पता चलता है।

थैलेसीमिया माइनर के रोगी का जिगर और तिल्ली बढ़ जाती है। थैलेसीमिया माइनर कभी भी थैलेसीमिया मेजर में परिवर्तित नहीं होता है। अनेक रोगी तो सामान्य रक्ताल्पता [एनीमीया] के उपचार से ही स्वस्थ महसूस करते हैं।

थैलेसीमिया मेजर

थैलेसीमिया मेजर से पीड़ित बच्चों में रोग के लक्षण 4 से 6 माह की उम्र में ही दिखाई देने लगते हैं। बच्चों की त्वचा एवं नाखुनों में पीलापन आने लगता है तथा बच्चे का विकास अवरूद्ध हो जाता है। इस रोग में अस्थिमज्जा में लाल रक्तकण [आरबीसी] बनने बंद हो जाते हैं या कम बनते हैं और यदि बनते भी हैं, तो वे अत्यंत ही विकृत तथा हीमोग्लोबीन रहित होते हैं।

थैलेसीमिया मेजर से पीड़ित बच्चों में जींस मां-बाप दोनों से ही आते हैं। यदि मां-बाप दोनों ही थैलेसीमिया माइनर से पीड़ित हैं, तो उनके बच्चे थैलेसीमिया मेजर से ग्रस्त हो सकते हैं। इस रोग में आरबीसी की दीवारें सख्त हो जाती हैं , इस कारण से रक्त संचरण के समय अथवा अस्थिमज्जा में रहते समय वे नष्ट होने लगती हैं। इससे ग्रस्त बच्चे जन्म के समय तो पूरी तरह स्वस्थ नजर आते हैं, लेकिन बाद में इसके लक्षण दिखाई देने लगते हैं।

खून की कमी के कारण शरीर का पीला पड़ जाना, अन्य गंभीर रोगों का संक्रमण, चेहरा पीला और निस्तेज, सांस फूलना, पेट फूला-फूला, भूख नहीं लगना, खाने के प्रति अरूचि और खा लेने से उल्टियां हो जाना, निरंतर ज्वर रहना या शरीर का तापमान कम हो जाना, नाड़ी और ह्रदय की गति अधिक, सिर बड़ा और शरीर की आकृति छोटी, सिर के मध्य करोटीं में दबा हुआ [खड्डा] सा दिखाई देना, सिर की मोटी भौहों के बीच में नाक का भाग पिचका हुआ होना ये इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं।

चिकित्सा- आधुनिक चिकित्सा में रोगी का जीवन चलता रहे इसके लिए रोगी को प्रतिमाह या हर सप्ताह खून चढ़ाया जाता है। मगर यह काम कितना महंगा, मुश्किल एवं दर्द भरा है यह भुक्तभोगी ही जानते हैं। विकसित देशों में अस्थिमज्जा प्रत्यारोपण [बोन मेरो ट्रांसप्लांटेशन] द्वारा इसका उपचार किया जाने लगा है, लेकिन यह भी अत्यंत महंगा है।

समय-समय पर हीमोग्लोबीन की मात्रा की जांच करवानी पड़ती है अथवा कुछ ऐसे लक्षण उत्पन्न हो जाते हैं जिनसे पता चलता है कि अब खून की मात्रा कम हो गई है। बड़े-बड़े शहरों में तो थैलेसीमिया रोगियों की सहायतार्थ सोसायटियां बनी हुई हैं जो थैलेसीमिया रोग के शिकार बच्चों के लिए खून की व्यवस्था करती है।

खून चढ़ाने का उपाय एक तरफ तो लाभप्रद है, किंतु तकलीफों से भरा भी है। रोगी के परिवार को अत्यंत महंगे उपचार का भार उठाना पड़ता है। बार-बार खून चढ़ाने की प्रक्रिया रोगी के जीवित रहने तक चलती रहती है। बार-बार खून चढ़वाने के कारण शरीर के प्रमुख अंगों- लीवर, प्लीहा, ह्रदय इत्यादि में आवश्यकता से ज्यादा लौह तत्त्व एकत्रित हो जाते हैं। प्लीहा लाल रक्त कणों के अवखंडन का स्थान है और थैलेसीमिया में लाल रक्त कण ही जल्दी-जल्दी अवखंडित होते हैं, अत: ये कोशिकाएं अत्यधिक संख्या में प्लीहा के साइनोसाइड्स में एकत्र होती रहती है, जिससे प्लीहा का आकार बढ़ जाता है। अत्यधिक मात्रा में एकत्र हुआ लौह तत्त्व ह्रदय में विषमता पैदा करता है, जिससे ह्रदय काम करना बंद कर देता है। आवश्यकता से अधिक लौह तत्त्वों को शरीर से बाहर निकालने के लिए प्रतिदिन इंजेक्शन लगाना आवश्यक है किंतु फिर भी रोगी को बचाना संभव नहीं है।

आयुर्वेद में थैलेसीमिया रोग की फायदेमंद चिकित्सा है। चिकित्सा में यकृत, प्लीहा की चिकित्सा लंबे समय तक की जाती है। गंभीर रक्ताल्पता, रक्तपित्त, यकृद्दाल्युदर, प्लीहोदर तथा रक्त का अतिमात्रा में शरीर से बाहर प्रवृत्ति आदि की मिली जुली चिकित्सा भी लंबे समय तक की जाए, तो इस रोग में लाभ होने की पूरी आशा की जा सकती है।

थैलेसीमिया रोग से पीड़ित रोगी की यदि आधुनिक एलोपैथी चिकित्सा के साथ ही अनुभवी चिकित्सक की देखरेख में आयुर्वेद चिकित्सा की जाए और रोग निर्मूल होने तक परहेज किया जाए तो थैलेसीमिया जैसे गंभीर रोग से असमय मरने से रोगी को बचाया जा सकता है।

दृष्टि कमजोर तो नहीं हो रही

हाल ही में अपनी आंखों की पूरी जांच कराने पर भी आपको साफ नहीं दिखाई दे रहा या फोकस करने में परेशानी हो रही है तो यह आंखों के रोग ग्लॉकोमा का लक्षण हो सकता है। ऐसी स्थिति में आई प्रेशर धीरे-धीरे बढने लगता है और इससे ऑप्टिक नर्व डैमेज होने लगती है। यदि लगातार अनदेखा किया जाए तो पांच साल में यह इतना नुकसान पहुंचा देता है कि स्थिति गंभीर हो जाती है। यदि आपको ऐसा कुछ भी अंदेशा हो रहा हो तो अपने नेत्र विशेषज्ञ से नियमित जांच कराएं। समय रहते मर्ज का पता लगने पर दवाओं से इस पर काबू पाया जा सकता है। आंखों के स्वास्थ्य के लिए विटमिन ए पर्याप्त मात्रा में लें। तेज व चमकीली रोशनी में सीधे न देखें। टीवी सेट से कम से कम 3 मीटर की दूरी रखें। कंप्यूटर पर काम करने के लिए एंटी ग्लेयर चश्मा पहनें। ठंडे पानी से आंखें धोएं। बाल शैंपू करने से पहले भौंहों और पलकों पर कोल्ड क्रीम लगाएं जिससे साबुन भीतर न जाए। एक्सरसाइज करें।

हेल्थ प्लस

गर्भवती महिलाएं और कैल्शियम

गर्भवती महिलाओं को रोजाना कम से कम एक ग्राम कैल्शियम की जरूरत होती है और यह न मिले तो उनकी हड्डियों में कैल्शियम की कमी हो जाती है। गर्भवती महिला के होने वाले बच्चे की हड्डियां और दांत बनने के लिए कैल्शियम की बहुत जरूरत होती है और यह जरूरत बच्चा अपनी मां से पूरी करता है। कैल्शियम की कमी से होने वाले बच्चे का शरीरिक व मानसिक विकास कम हो जाता है और बच्चा मंदबुद्धि पैदा हो सकता है। अगर किन्हीं कारणों से खानपान के जरिए कैल्शियम की पूर्ति नहीं हो पा रही हो तो डॉक्टर की सलाह से दिन में तीन बार 500 मिग्रा। कैल्शियम की गोलियां ली जा सकती हैं। इस तरह शरीर में कैल्शियम आसानी से जज्ब हो जाता है।

किशमिश दांतों की रक्षक

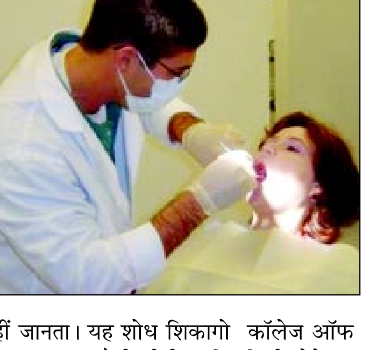

खाने की जो भी चीज दांतों में चिपकती है आम तौर पर उसे दांतों का दुश्मन समझा जाता है। लेकिन यही चिपकने वाली किशमिश दांतों पर चिपक कर बैक्टीरिया को दांतों से दूर रखने में सहायक होती है यह आम आदमी नहीं जानता। यह शोध शिकागो कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्री द्वारा किया गया। शक्कर जैसी मीठी व चिपचिपी होने पर भी किशमिश में फाइटोकेमिकल्स का भंडार है। वैज्ञानिकों ने किशमिश में 5 ऐसे फाइटोकेमिकल्स पाए, जो मुंह के स्वास्थ्य सुधार के लिए लाभकारी थे। वास्तव में फाइटोकेमिकल्स पौधों में मौजूद ऐसे नैचरल एंटीऑक्सीडेंट तत्व होते हैं जो दांतों और मसूडों की सडन से बचाने में मदद करते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि वास्तव में मीठा खाने से दांत खराब नहीं होते, बल्कि उसमें मिलाई गई शक्कर दांतों के लिए नुकसानदायक होती है।

स्वास्थ्यरक्षक मीठा नीम

मीठे नीम की पत्तियां खुशबूदार होती हैं। इनको कढ़ी, चटनी इत्यादि में डालने से इन आहार-द्रव्यों में भीनी-भीनी महक आने लगती है। दक्षिण भारत में भोजन में सुवास के लिए करी पत्ता बेहद लोकप्रिय है। बहुत से क्षेत्रों में इसे मीठा नीम भी कहते हैं।

पोषक तत्व

प्रोटीन 6.1 प्रतिशत, वसा 1 प्रतिशत, कार्बोहाइडेट 16 प्रतिशत, रेशे 6.4 प्रतिशत, खनिज तत्त्व 4.2 प्रतिशत, कैल्शियम 810 मिलीग्राम, लौह 600 मिलीग्राम, फॉसफोरस 3.1 मिलीग्राम, कैरोटीन 126000 अंतरराष्ट्रीय यूनिट, निकोटिनिक एसिड 2.3 मिलीग्राम, विटामिन सी 4 मिलीग्राम प्रति सौ ग्राम।

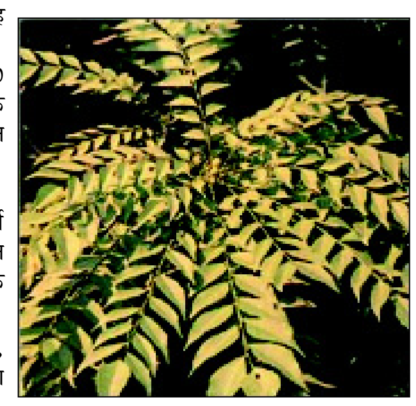

औषधीय गुण

- नियमित रूप से खाद्य पदार्थो के साथ करी पत्ते का सेवन करते रहने से यह श्रेष्ठ टॉनिक का कार्य करता है।
- यह ठंडा, स्वाद में चरपरा, फीका तथा पचने में हलका होता है।
- यह शरीर के किसी भी हिस्से में हो रही जलन को शांत कर देता है।
- पेट के कीड़ों से मुक्ति दिलाता है।
- सूजन को दूर करता है।
- विविध प्रकार के रक्त संबंधी विकारों जैसे शरीर में फोड़े-फुंसियां होना, नकसीर, मुंह में छाले होना, चेहरे पर झांइयां होना, शरीर पर तिल अधिक पैदा होना, दाद होना, सफेद दाग अर्थात् ल्यूकोडर्मा, खारिश-खुजली, त्वचा पर लाल-लाल चकत्ते पैदा होना इत्यादि रोगों के उपचार में भी यह लाभप्रद औषधि है।
- विविध प्रकार के विष प्रकोप में भी यह लाभप्रद औषधि है।

कुछ खास प्रयोग

कष्टार्तव अर्थात् कठिनाई और दर्द के साथ मासिक धर्म का होना करी पत्ते का नियमित रूप में सेवन करने से इस शिकायत से आश्चर्यजनक ढंग से मुक्ति मिल जाती है।

सेवन विधि

इसके लिए करी पत्तों को सुखाकर इनका बारीक चूर्ण तैयार कर लें। यह चूर्ण एक चाय चम्मच भर मात्रा में हलके गरम पानी के साथ सेवन करें। सवेरे और शाम दिन में दो बार यह प्रयोग सेवनीय है। कढ़ी, दाल, पुलाव इत्यादि आहार द्रव्यों के साथ करी पत्ते का नियमित सेवन बेहद फायदेमंद है।

पेचिश होने पर इससे पीड़ित व्यक्ति को रक्त और कफ मिले हुए तेज दस्त आने लगते हैं। ताजा, कोमल, हरे करी पत्ते चबाकर खाना बहुत ही लाभप्रद है।

अपच अर्थात इंडाइजेशन मूंग की दाल में करी पत्ते का तड़का लगाकर सेवन करें। इससे अपान वायु खारिज होगी। भूख खुलकर लगेगी। भोजन शीघ्र पचेगा।

कीट दंश मधुमक्खी, ततैया इत्यादि विषाक्त जीवों द्वारा काट लेने पर करी पत्तों को पीसकर दंश स्थान पर लेप कर दें। तत्काल आराम मिलेगा।

वमन उल्टी की शिकायत होने पर दस-बीस करी पत्तों को दो सौ मिलीलीटर पानी में उबालें। आधा पानी शेष रहने पर इसे छान लें। इस पानी को दो-दो चम्मच की मात्रा में प्रति पंद्रह मिनट बाद पिएं। लाभ होने तक यह प्रयोग करें। बहुत ही लाभप्रद प्रयोग है।

किडनी पेन अर्थात वृक्क शूल मीठे नीम की जड़ का ताजा रस दस मिलीलीटर की मात्रा में पीने से आराम मिलता है।

भोजन के पोषक तत्वों को बचाएं

बेशक आप अत्यन्त स्वादिष्ट भोजन बनाती होंगी जिन्हें परिजन चटखारे लेकर खाते भी होंगे, लेकिन क्या वह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ उतना पोषक भी है? कहीं अनजाने में ही आप उसके पोषक तत्वों को नष्ट तो नहीं कर रहीं? भोजन को तैयार होने तक कुछ निश्चित प्रक्रियाओं से गुजरना होता है। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी स्तर पर उसके पोषक तत्व नष्ट न हों। इसके लिए आपको निम्नांकित बातें ध्यान में रखनी होगी।

- आटा थोड़ा मोटा पिसवाएं।
- आटे को चोकोर सहित काम में लें।
- चावल बनाने हेतु उतना ही पानी लें, जितना उसे पकने के लिए जरूरी हो।
- जिन मोटे अनाजों को पानी में भिगोकर रखा जाता है, उन्हें उसी पानी में पकाएं।
- सब्जियाँ पकाने में उतना ही पानी लें, जितना आवश्यक हो।
- सब्जियों को काटने या छीलने के पूर्व धोएं, बाद में नहीं।
- सब्जियों के गट्टे बड़े रखें, छोटे नहीं।
- सब्जियों के पतले छिलके उतारें, मोटे नहीं।
- सब्जियाँ कम चौड़े बर्तन में ढककर पकाएं।
- सब्जियों को सदैव धीमी आँच पर पकाएं।
- बेहतर होगा दाल, सब्जी, प्रेशर कुकर में पकाएं।
- सब्जियाँ बार-बार गर्म न करें।
- सब्जियाँ पकाने में मीठा सोडा आदि न डालें।
- गाजर, मूली, टमाटर, खीरा, पत्तागोभी आदि को सलाद के रूप में इस्तेमाल करें।
- गाजर का ऊपरी भाग, प्याज का पीला भाग, बंदगोभी के बाहरी पत्ते, मूली के पत्ते आदि को फेंके नहीं।
- मूंग, मोठ, मटर, चने आदि को अंकुरित कर इस्तेमाल करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 1978

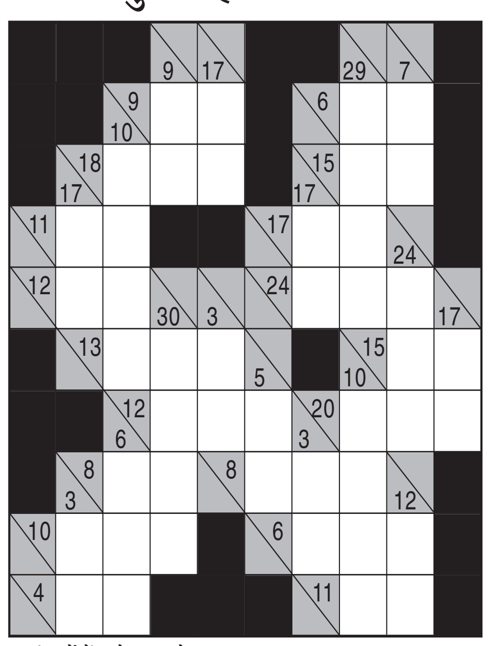

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1977 का हल

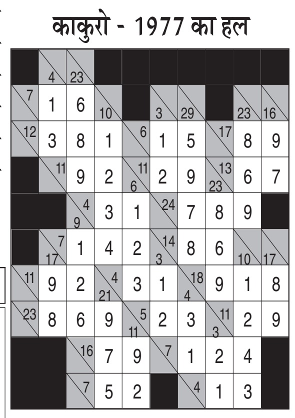

हंसी के फूव्वारें

अपराधी का पहला अपराध होने के कारण न्यायाधीश ने उसे क्षमा करते हुए कहा-'हमें पूरा विश्वास है तुम कभी यहां दिखाई नहीं दोगे.'

हां हजूर, मेरी कोशिश होगी कि पुलिस मुझे न पकड़ सके और फिर कभी मैं यहां न दिखाई दूँ.

□ □ □

'अरे यह क्या? आप कहां से आ रहे हैं? कपड़े फटे हुए हैं. खून निकल रहा है, सिर पर चोट लगी है. चलो आपको घर पहुंचा दूं.' मित्र ने संवेदनाभरे स्वर में कहा.

नहीं, नहीं मैं घर नहीं जाऊंगा, घर से ही आ रहा हूँ, घायल ने शीघ्रतापूर्वक कहा.

□ □ □

एक यात्री ने बड़े तेज स्वर में रेलवे के स्टेशन मास्टर से शिकायत कि-चालीस मिनट हो गये, ट्रेन अभी तक नहीं पहुँची.

स्टेशन मास्टर ने कहा-घबराइये नहीं, यह टिकट चौबीस घण्टे तक चल सकता है.

□ □ □

क्या आप जानते हैं कि नाव को स्त्रीलिंग क्यों माना जाता है?

'क्योंकि नाव हवा के साथ-साथ अपना रुख बदलती रहती है.'

□ □ □

शिक्षक: पानी पर मच्छर क्यों बैठते हैं?

राजीव: इसलिए कि पानी उड़ न जाये.

फिल्म वर्ग पहेली- 1978

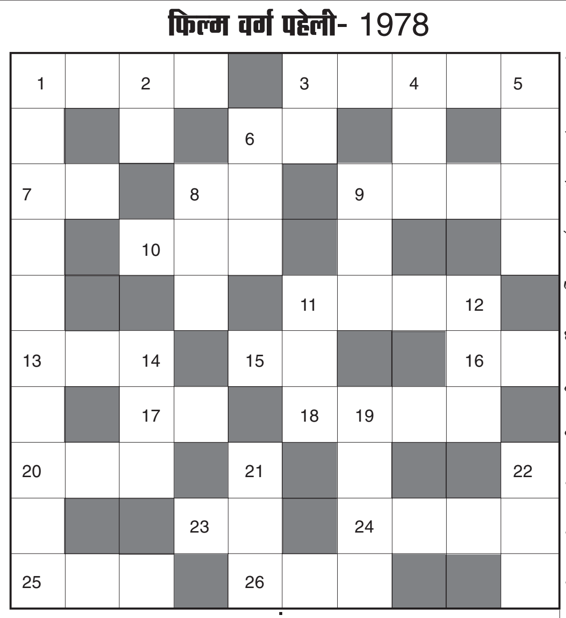

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1977

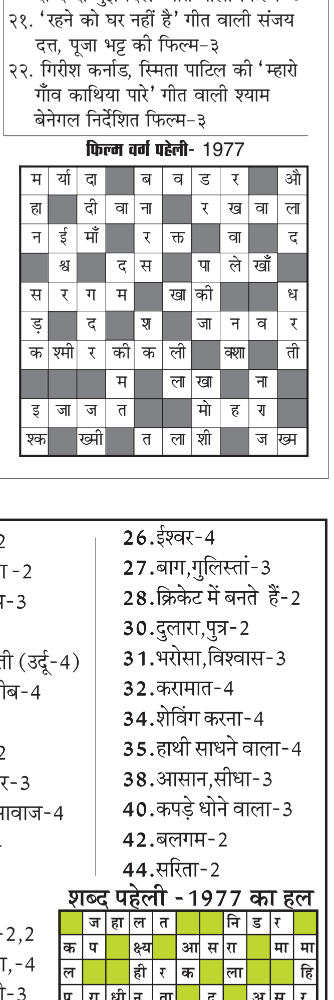

सूडोकु -1978

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1977 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 1978

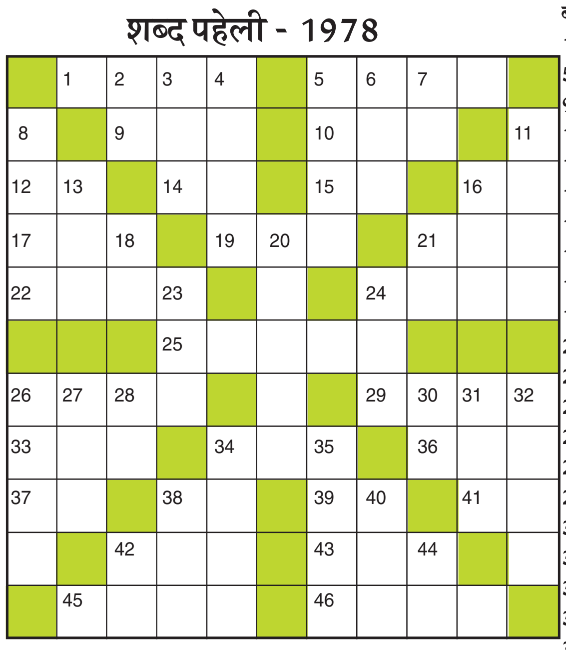

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली - 1977 का हल

सच या साजिश? सगे पिता पर आठ साल की बेटी से रेप का केस, गांववालों ने जताया ये शक

गोरखपुर . गोरखपुर के खोराबार क्षेत्र के एक गांव में एक पिता पर ही अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म का आरोप लगा है। बच्ची की मां ने अपने पति के खिलाफ रेप और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपित पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हालांकि चर्चा यह भी है कि पत्नी का किसी से प्रेम संबंध है, पति को रास्ते से हटाने के लिए उसने यह योजना बनाई है।खोराबार क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने अपने पति पर आरोप लगाते हुए थाने पर तहरीर दी कि पति ने आठ साल की बेटी के साथ दुष्कर्म किया है। महिला की तहरीर पर पुलिस के साथ सीओ कैंट ने खोराबार थाने पहुंचकर जांच पड़ताल की। महिला की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ शुक्रवार की देर रात पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

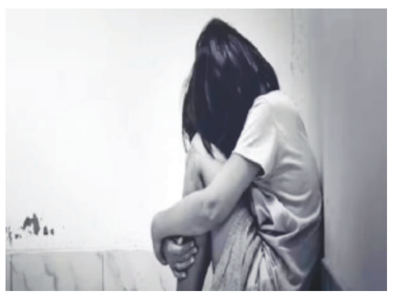

गांव में यह भी चर्चा

यह घटना सामने आने के बाद गांव में एक और चर्चा शुरू हो गई है। ग्रामीणों के मुताबिक ट्रक चालक पति को उसकी पत्नी ने गलत तरीके से फंसाया है। ग्रामीणों में चर्चा है कि महिला का अपने ही नजदीक के रिश्ते में रहने वाले एक युवक से प्रेम सम्बन्ध है और अपने पति को रास्ते से हटाने के लिए उसने बेटी से रेप मामले में केस कराकर जेल भेजवाने की साजिश रची है।

मुरादाबाद की दाल जलेबी के दीवाने हैं लोग, दूर-दूर से आते हैं खाने, जानें 133 साल पुरानी दुकान का राज

मुरादाबाद दुनियाभर में पीतल नगरी के नाम से प्रसिद्ध है. पीतल के अलावा यहाँ के पकवान भी बहुत प्रसिद्ध हैं. यहां का दाल जलेबी इतनी प्रसिद्ध है. कि लोग इसे खाने के लिए दूर-दूर से यहां आते है.

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में सन् 1891 से बाबूराम की दाल, जलेबी इतनी प्रसिद्ध है की इस परिवार की अब चौथी पीढ़ी इस काम को कर रही है और दूर दूर से लोग यहाँ नाश्ते में दाल जलेबी खाने के लिए आते हैं. अगर आप भी स्वादिष्ट व्यंजनों के शौकीन हैं और मुरादाबाद कभी आपका जाना हो तो यहाँ पुराने शहर में अमरोहा गेट के पास बर्तन बाज़ार में बाबू राम की दाल जलेबी का ज़ायका लें.

यहाँ सुबह सवेरे 6 बजे से देशी घी में बनी मूंग की दाल और जलेबी मिलती यह मुरादाबाद की स्पेशल डिश है जो कोई भी मुरादाबाद आता है और उसने इस डिश का ज़ायका नहीं लिया तो कुछ नहीं खाया. इसके जायके की खास बात यह है की इस में मूंग की दाल खुशबू के साथ गरमा गरम जलेबी की मिठास नमकीन और मीठे का मिश्रण मुंह में रखते ही लाजवाब स्वाद महसूस होता है, और सुनकर ही मुंह में पानी आने लगता है. 1891 में इसकी शुरुआत बाबूराम गुप्ता ने की थी. और अब तक 133 साल हो चुके हैं, उनके परिवार की तीन पीढ़ियाँ गुज़र चुकी हैं.चौथी पीढ़ी में अब उनके पौत्र अतुल गुप्ता इस दुकान को संभाल रहे हैं. सुबह सवेरे मूंग की दाल और जलेबी तैयार हो जाती है. और दस बजे तक सब बिक जाती है. लोग सुबह नाश्ते में यहाँ दाल

जलेबी खाने आते हैं. दस बजे के बाद यहां बाकी की मिठाईयां और जलेबी दिन भर बिकती है.लेकिन मूंग की दाल अगर आपको खानी है, तो सुबह दस बजे से पहले यहाँ पहुँच जाएँ. यहां सुबह के वक्त दूर दराज से लोग मूंग की दाल और जलेबी खाने आते हैं. हालांकि यहां देसी घी से बनी अन्य मिठाइयां भी बहुत स्वादिष्ट होती हैं.

जलेबी के अलावा अन्य मिठाईयां भी जायकेदार

बाबूराम मिष्ठान भंडार पर स्वादिष्ट जलेबी के अलावा देसी घी से बनी इमरती, गाजर का हलवा, मूंग की दाल का हलवा और खांडवी भी बहुत जायकेदार होती है. बाबूराम मिष्ठान भंडार पर मौजूद प्रबंधक महेंद्र सिंह प्रजापति ने बताया की यहां पर दूर दराज से लोग मूंग की दाल, जलेबी खाने आते हैं. इसके अलावा यहां सोन पापड़ी, नवरत्न लड्डू, बालूशाही और मूंग की दाल के लड्डू भी खरीदने लोग आते हैं. उन्होंने बताया की बटर का तरबूज और अंडा भी यहां का बहुत फेमस है.मुरादाबाद के लोग ही कायल नहीं बल्कि विदेशी मेहमान भी इसके स्वाद के दीवाने हैं. उत्तर भारतीय व्यंजनों में मुरादाबाद की दाल भी अपना अलग ही महत्व रखती है. यह दाल जलेबी जितनी खाने में स्वादिष्ट होती है उतनी ही पौष्टिक भी है. यही वजह है की मुरादाबाद की बर्थडे पार्टी हो या विवाह कार्यक्रम मूंग की दाल के बगैर अधूरे माने जाते हैं आम तौर पर इसे नाश्ते या स्टार्टर के तौर पर सर्व किया जाता है.

तीन साल तक सैलरी अकाउंट से रुपए जमा कराते रहे, इंश्योरेंस के नाम पर MLA के साथ हो गई 30 लाख की ठगी

लखनऊ. यूपी की ऊंचाहार सीट से विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री मनोज पाण्डेय से इंश्योरेंस पॉलिसी के नाम पर 30 लाख की धोखाधड़ी की गई। विधायक ने सैलरी अकाउंट से रुपये निकाल कर जमा किए थे। तीन साल की अवधि पूरी होने के बाद पॉलिसी कैंसिल होने का पता चला। मनोज पाण्डेय ने कैंट कोतवाली में पीएनबी मैटलाइफ इंश्योरेंस के प्रबंधक रमाकांत पाण्डेय के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है।

तीन साल पूरे होने पर 44 लाख का था वादा

दिलकुशा कॉलोनी निवासी मनोज पाण्डेय के मुताबिक वर्ष 2019 में पीएनबी मैटलाइफ इण्डिया इंश्योरेंस प्रबंधक रमाकांत घर आकर मिले। रमाकांत ने एक स्कीम बताई, जिसमें हर वर्ष दस लाख रुपये तीन साल तक जमा करने थे। समयावधि पूर्ण होने पर बोनस के साथ 44 लाख रुपये देने की बात रमाकांत ने कही थी। विधायक मनोज पाण्डेय ने सीए से स्कीम के बारे में समझने के लिए कहा था। रमाकांत ने विधायक के सीए को ई-मेल से डिटेल भेजी।इसके बाद दस लाख रुपये की पहली किस्त दी गई।

विधायक के मुताबिक बापू भवन स्थित इण्डियन बैंक में सैलरी अकाउंट है। इससे उन्होंने तीन साल तक दस लाख रुपये जमा किए। समय पूरा होने के बाद भी मुनाफे के साथ 44 लाख रुपये वापस नहीं मिले। प्रबंधक रमाकांत से पूछताछ करने पर उन्होंने एक किस्त और जमा करने के लिए कहा।

पहले सत्यापन, रिपोर्ट लगी पैसे पास, फिर सरकारी जमीन बता गिरवाया घर

लखनऊ. लखनऊ में पहले पीएम आवास के लिए सत्यापन किया। रिपोर्ट लगी और पैसे जारी हुए। गरीब ने जब घर बनवाया तो लेखपाल ने सरकारी जमीन बताते हुए उसे गिरवा दिया।

मोहनलालगंज के गुलहरिया निवासी दिव्यांग दम्पत्ति कई सम्पूर्ण समाधान दिवस में न्याय की गुहार लगा रहे हैं। शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस में दम्पत्ति की फरियाद पर एसडीएम ने तहसीलदार को जांच को निर्देश दिया है। वहीं, पांचों तहसीलों में कुल 615 शिकायतें आईं। इनमें से 105 का मौके पर निस्तारण किया गया। बीकेटी तहसील में डीएम सूर्य पाल गंगवार ने तहसील दिवस की अध्यक्षता की। वहां 68 मामले निस्तारित हो गए।गुलहरिया के दिव्यांग बुधई और मायादेवी न्याय पाने की आस में बीते कई सम्पूर्ण समाधान दिवसों में अपनी फरियाद लेकर आ रहे हैं।

इन लोगों ने बताया कि उनको प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माण के पैसे मिले थे। इस योजना की पूरी प्रक्रिया है जिसमें पहले सत्यापन होता है। फिर पैसा जारी किया जाता है। दोनों ने जहां झोपड़ी बनाकर रह रहे थे। वहीं पर निर्माण शुरू कराया। छत तक दीवारें पहुंची तो लेखपाल आ गए। उन्होंने कहा कि यह सरकारी जमीन है। निर्माण तोड़ दिया। अब उनके पास न जमीन है और न ही मकान बनवाने के लिए पैसे। सरकार से जो पैसे मिले थे वह उस निर्माण में खर्च हो गए।

बिना कोर्ट आदेश के पैमाइश न करें: जिलाधिकारी

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम सूर्य पाल गंगवार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिना कोर्ट आदेश के कहीं पैमाइश नहीं होगी।

पैमाइश (धारा 24) के जो भी प्रकरण चाहे वह समाधान दिवस में या जनसुनवाई में प्राप्त हो उनका निस्तारण कोर्ट आदेश पर ही किया जाए। जिलाधिकारी ने तहसील अधिवक्ताओं को रियल टाइम खतौनी के बारे में भी जानकारी दी।

साथ ही बताया कि खतौनियो में अंश निर्धारण संबंधित अगर कोई आपत्ति है तो उसका निस्तारण 15 दिवस के भीतर सुनिश्चित कराया जाएगा।

पूर्व पार्षद शिवराज बेटे समेत स्मैक तस्करी में गिरफ्तार, एनडीपीएस एक्ट में जेल

मुरादाबाद. मुरादाबाद में नगर निगम के पूर्व कांग्रेसी पार्षद शिवराज सिंह गुर्जर को सिविल लाइंस पुलिस ने उसके बेटे अनिल के साथ स्मैक तस्करी में गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 100 ग्राम स्मैक बरामद की गई है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई की गई है। इससे पूर्व भी आरोपी स्मैक तस्करी में जेल जा चुका है। सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि सिविल लाइंस पुलिस की एक टीम एसआई रीता तेवतिया के साथ शुक्रवार शाम गश्त पर थी। उसी दौरान कचहरी रोड पर एसबीआई के आगे गेट संख्या-4 के पास एक व्यक्ति संदिग्ध हालत में खड़ा दिखा। तभी एक युवक बाइक से आया और वहां खड़ा व्यक्ति बाइक पर पीछे बैठकर निकल गया। संदेह होने पर पुलिस टीम ने बाइकसवारों की तलाशी ली।तलाशी लेने पर आरोपियों से 100 ग्राम स्मैक बरामद हुई। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत डेढ़ लाख रुपये से अधिक है। पूछताछ में आरोपियों की पहचान सिविल लाइंस के आदर्श कालोनी निवासी शिवराज सिंह गुर्जर और उसके बेटे अनिल कुमार के रूप में हुई। एसएचओ सिविल लाइंस आरपी शर्मा ने बताया कि एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई की गई है। दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी शिवराज सिंह गुर्जर नगर निगम वार्ड नंबर 2 से कांग्रेस पार्टी से पार्षद रहा है। कांग्रेस पार्षद दल का नेता भी रह चुका है।

इससे पहले 2021 में सिविल लाइंस पुलिस और एसओजी टीम ने आरोपी शिवराज सिंह गुर्जर को महिला समेत समेत छह लोगों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा था। उस समय उसके पास से भारी मात्रा में स्मैक और नकदी बरामद हुई थी। आरोपी शिवराज सिंह गुर्जर के खिलाफ 2019 में लूट और धमकी देने और 2013 में धोखाधड़ी का केस सिविल लाइंस थाने में दर्ज हुआ था।

मॉर्निंग वॉक पर निकले जज पर कुत्तो का हमला, नगर निगम ने शुरू की ये तैयारी

गोरखपुर. गोरखपुर के सेशंस हाउस परिसर सिविल लाइन में शनिवार की सुबह टहलने जाते समय निराश्रित कुत्तों ने अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) जय प्रकाश पर हमला कर दिया। उन्होंने किसी तरह खुद को बचा लिया। शोरगुल सुन कर आसपास से आए लोगों ने कुत्तों को भगाया। इस घटना के बाद गोरखपुर नगर निगम ने निराश्रित कुत्तों के रेस्कयू अभियान की तैयारी शुरू कर दी है। नगर आयुक्त ने कहा है कि जल्द ही टीम निकलेगी। हमले की सूचना के बाद मौके पर अन्य न्यायाधीश और उनके परिवार के लोग भी पहुंच गए। परिसर के अन्य न्यायाधीशों और उनके परिवार के लोगों ने बताया कि हाल के दिनों में परिसर में निराश्रित कुत्तों की संख्या में काफी इजाफा हो गया है। सुबह सैर पर निकले कई लोगों को कुत्ते दौड़ा चुके हैं। लोगों की बातें सुनने के बाद एडीजे जय प्रकाश ने नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल को पत्र लिखकर खुद पर हुए हमले की जानकारी दी है।परिसर में बढ़े निराश्रित कुत्तों से बने भय के वातावरण से अवगत कराया है। उधर नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी है। जल्द ही टीम भेज कर निराश्रित कुत्तों को रेस्क्यू कर किसी सुरक्षित स्थान पर भेजा जाएगा।

नारायणपुर में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, दो माओवादी ढेर, हथियार बरामद

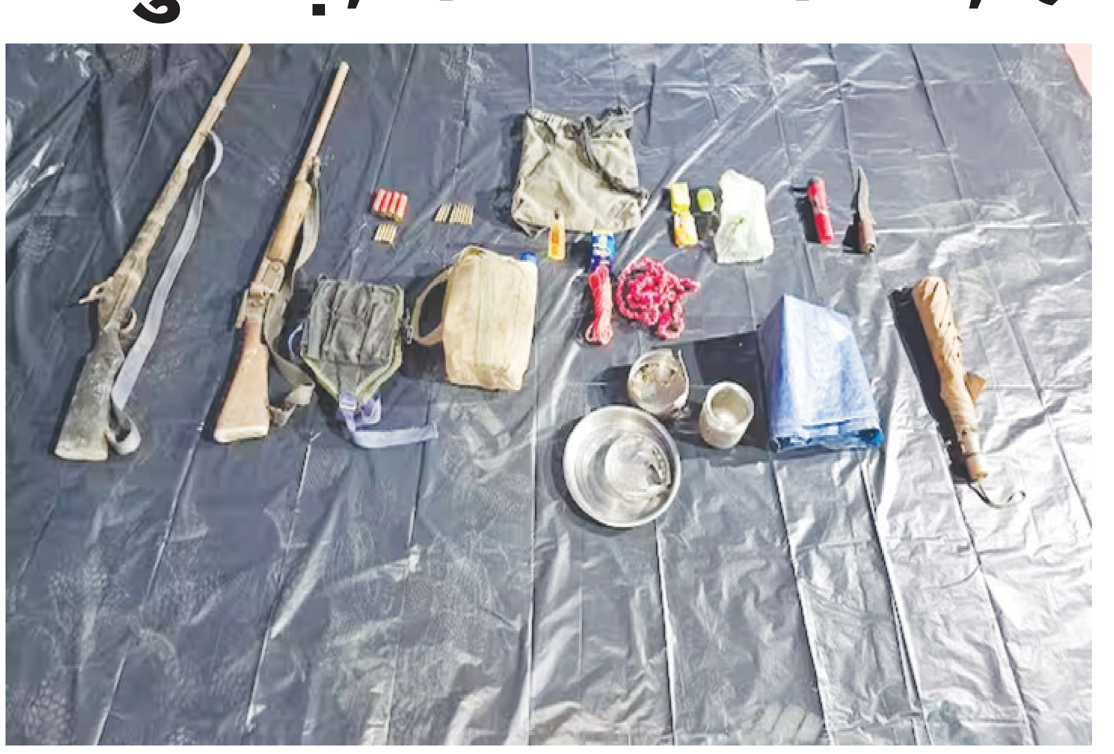

नारायणपुर के एसपी पुष्कर शर्मा ने बताया ओरछा थाना क्षेत्र के गोमागाल के जंगलों में सर्चिंग के दौरान पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई. इस मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए हैं.

छत्तीसगढ़. छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर (bastar) संभाग में लगातार नक्सलियों के खिलाफ पुलिस का एंटी नक्सल ऑपरेशन जारी है. खासकर बस्तर संभाग के नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिले में ऑपरेशन तेज कर दिया गया है. इसी के तहत नारायणपुर जिले में शनिवार (3 फरवरी) को डीआरजी और बस्तर फाइटर के जवानों ने मुठभेड़ के दौरान दो नक्सलियों को मार गिराया है. वहीं मारे गए दोनों ही नक्सली वर्दीधारी है, लेकिन अब तक मारे गए दोनों की पहचान नहीं हो पाई है. इसके अलावा जवानों ने मुठभेड़ स्थल से एक 12 बोर की बंदूक और एक भरमार हथियार भी बरामद किया है. साथ ही नक्सलियों का विस्फोटक सामान और रोजमर्रा का सामान भी बरामद हुआ है. इस मुठभेड़ में जवानों को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचा है. जवान दोनों नक्सलियों के शवों को पुलिस कैंप लोकर आए हैं.

एक घंटे तक चली मुठभेड़

नारायणपुर जिले के एसपी पुष्कर शर्मा ने मुठभेड़ की जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार को नक्सलियों के नेलनार एरिया कमेटी सचिव अरब उर्फ कमलेश, नेलनार स्क्स कमांडर सोमडु, माढ़ डिवीजन सप्लाई इंचार्ज सपना, सन्नू और अन्य नक्सली कमांडरों की उपस्थिति की सूचना पर जवानों को ओरछा थाना क्षेत्र के गोमागाल के जंगलों में सर्चिंग के लिए भेजा गया था. इस दौरान सर्चिंग के बाद वापस लौट रहे पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई. यह मुठभेड़ करीब एक घंटे तक चली. इसके बाद जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली मौके से भाग गए.

नक्सलियों की पहचान करने में जुटी पुलिस

इसके बाद जवानों ने घटनास्थल से सर्चिंग के दौरान दो नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किए हैं. एसपी का कहना है कि मारे गए दोनों नक्सलियों की पहचान अभी नहीं हो पाई है. सरेंडर नक्सलियों के मदद से दोनों नक्सलियों की पहचान की जा रही है. इसके अलावा घटनास्थल से पुलिस ने नक्सलियों का विस्फोटक सामान, हथियार और रोजमर्रा का सामान भी बरामद किया है. एसपी ने कहा कि मुखबिर की सूचना पर लगातार ऐसे इलाकों में पुलिस के जवानों के द्वारा दबिश दी जा रही है, जहां नक्सलियों की मौजूदगी होती है. फिलहाल मारे गए दोनों नक्सलियों की शिनाख्त में पुलिस जुटी हुई है.

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय इस बार भी कराएगा प्रदेशभर में बीएड प्रवेश परीक्षा

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी ने उत्तर प्रदेश बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2024 के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। बीयू झांसी इस साल भी इस राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा का आयोजन करेगा। परीक्षा होने के 15 द

झांसी. प्रदेशभर में उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय बीएड (द्विवर्षीय) संयुक्त प्रवेश परीक्षा इस बार भी बुन्देलखंड विश्वविद्यालय आयोजित कराएगा।

इस परीक्षा की आवेदन प्रक्रिया को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन आगामी दस फरवरी से 10 मार्च तक किए जाएंगे। विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.bujhansi.ac.in पर आवेदन करना होगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन परीक्षा को लेकर तैयारियों में जुट गया है।यूपी बीएड जेईई 2024 में भाग लेने को इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी के लिए बीयू झांसी की आधिकारिक वेबसाइट समय-समय पर देखते रहें। जल्द ही इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी कर आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी।यूपी बीएड जेईई 2024 परीक्षा दो पालियों में होगी। परीक्षा केन्द्र के विकल्प में प्रथम वाले पर 500 परीक्षार्थी होने पर केन्द्र बना दिया जाएगा। इसके बाद दूसरे पसंद के विकल्प की ओर बुविश्वविद्यालय कार्य करेगा। परीक्षा नकल विहीन कराने प्रदेश के जिलाधिकारी या नोडल अधिकारी शामिल रहेंगे।

परीक्षा परिणाम भी 15 से 20 दिन में जारी कर दिया जाएगा और काउंसिलिंग तीन चरणों में की जाएगी। पिछले साल बीएड प्रवेश परीक्षा में प्रदेश भर में करीब 1500 केन्द्र बनाए थे। बीते वर्ष 15 जून को परीक्षा हुई थी जबकि इस वर्ष अप्रैल में होने की उम्मीद है।

ढाई लाख सीटों पर मिलेगा प्रवेश:

प्रदेश के 2510 बीएड महाविद्यालयों में 2,53,000 सीटें हैं। इनमें 117 राजकीय, अनुदानित महाविद्यालयों में 7800 सीटें और स्ववित्त पोषित योजना के अंतर्गत संचालित 2393 कॉलेजों में 2,45,220 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा।

एसएमएस की बीमारी युवाओं पर भारी

बिना बात की बात करने में माहिर युवाओं को एसएमएस की लत महंगी साबित हो रही है। इससे उनकी जेब तो ढीली हो ही रही है, उनकी रातों की नींद हराम होने के साथ ही मानसिक शांति भी गायब सी होती जा रही है। इस समस्या से सबसे ज्यादा पीड़ति हो रहे हैं टीनएजर्स, क्योंकि एसएमएस का चस्का उनमें सबसे ज्यादा है। एसएमएस की लतों से मानसिक रूप से परेशान और बैचेन अनेक युवा इन दिनों मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं।

एसएमएस की वजह से क्या-क्या परेशानियां आ रही हैं और इनसे किस तरह निजात पाई जा सकती है, जानें एक्सपर्ट सलाह पर आधारित जितेंद्र सूर्यवंशी की इस रिपोर्ट में। कंपनियों द्वारा कम पैसे में दी गई एसएमएस की सुविधा युवाओं के लिए दुविधा साबित हो रही है। मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे ज्यादातर मामलों में यह बात सामने आई है कि एसएमएस की लत मानसिक शांति और सेहत के लिए खतरनाक साबित हो रही है। इससे क्रोध बढ़ने के अलावा बैचेनी और अनिद्रा जैसी समस्याएं हो रही हैं। यही नहीं, एसएमएस का लगातार प्रयोग करने वाले युवाओं में अवसाद के साथ ही डर की भावना भी पैदा हो रही है। दरअसल, एसएमएस के जरिए दोस्तों से हर वक्त संपर्क में रहने के चलते युवाओं की दिनचर्या पूरी तरह गड़बड़ा गई है, इससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। देर रात तक मोबाइल में संदेश के माध्यम से बात करने के कारण अधिकांश युवा गहरी नींद भी नहीं ले पा रहे हैं। कुछ रोचक मामलों में यह भी शामिल है कि अधिकांश युवा अक्सर अपने मोबाइल को इसलिए देखते रहते हैं कि शायद कोई एसएमएस आया हो, लेकिन प्रायः उनके लिए कोई एसएमएस नहीं होता। कई युवा तो ऐसे भी हैं जिन्हें अपने सहपाठियों से एसएमएस का जवाब नहीं मिलने पर वह निराशा और चिंता में भी डूब गए हैं, इससे उनके मन में एक तरह का अवसाद घर कर गया है कि कोई उनके संपर्क में रहना पंसद नहीं कर रहा है।

युवाओं से बातचीत में यह खुलासा हुआ कि वह बिना किसी वाजिब वजह के प्रतिदिन 150-200 तक एसएमएस कर देते हैं। इस मामले में टीनएजर्स युवतियां लड़कों से कहीं आगे हैं, क्योंकि लड़के जहां 50-100 एसएमएस ही कर पाते हैं, जबकि लड़कियां रोजाना 200 एसएमएस तक करती हैं। मजे की बात यह है कि एसएमएस के इस सिलसिले में बिना बात की बात या यूं कहें कि टाइम पास करने के लिए बेतुकी बातें ही होती हैं। इसमें सुबह से लेकर रात्रि तक की रूटीन बातें, पसंद-नापसंद, हॉबी, गपशप, घुमने-फिरने तक की बातें शामिल हैं।

यह समस्याएं आ रहीं सामने

मनोचिकित्सक रूमा भट्टाचार्य ने बताया कि फिलहाल एसएमएस की लत से परेशान हो चुके युवाओं के जो मामले उनके पास आ रहे हैं उनमें सबसे ज्यादा शिकायतें अनिद्रा, अवसाद, कम भूख, ब्रेन टयूमर, गुस्सा, बैचेनी और क्रोधित होने जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उनके पास आने वाले ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत आम है कि वह सोते समय मोबाइल अपने पास में ही रखते हैं, इससे वह पूरी नींद नहीं ले पाते, क्योंकि एसएमएस आने या मोबाइल पर कॉल आते ही उनकी नींद खुल जाती है। प्रायः एसएमएस मिलने पर युवा नींद तोड़कर उसे पढ़ते हैं, जिससे उनकी नींद प्रभावित हो रही है।

ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत भी है कि वह मैसेज की आशंका से हर कुछ ही सैकंड के बाद अपना मोबाइल देखते हैं और लगातार मैसेज टाइप करने की वजह से उनके अंगूठे और कलाई के बीच दर्द रहता है।

इसी तरह वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू ने बताया कि कुछ मामले ऐसे भी हैं जिनमें युवाओं ने स्वीकार किया है कि यदि वह एसएमएस करते हैं और रिप्लाई नहीं मिलता तो वह बैचेन हो जाते हैं और उनमें हीनभावना आने लगती है। इस स्थिति को टेक्स्टाफ्रेनिया कहा जाता है। उन्होंने बताया किए ऐसे मामले आए दिन सामने आ रहे हैं।

ऐसे पाएं निजात

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू कहते हैं कि इस समस्या से छुटकारा पाने का बेहतर रास्ता तो यही है कि मोबाइल का उपयोग कम से कम किया जाए। एसएमएस ही नहीं, बल्कि बातचीत में भी इसका उपयोग सीमित हो, क्योंकि यह सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

युवाओं को चाहिए कि वह जरूरी होने पर ही एसएमएस करें। एसएमएस को गप्पबाजी या टाइम पास का माध्यम न बनाएं। जितनी भी बातें करनी है वह मिलकर करें। खासकर देर रात तक एसएमएस से बात करने से बचें एवं सोते समय मोबाइल अपने पास में न रखें, बेहतर होगा कि सोने से पहले मोबाइल बंद कर दें।

अकेलापन मिटाने का जरिया

एक मेडिकल स्टूडेंट बताते हैं कि वह रोजाना 100 से अधिक एसएमएस कर देते हैं, सिर्फ इसलिए कि उन्हें एसएमएस से बातें करना अच्छा लगता है, टाइम पास हो जाता है और अकेलेपन से भी मुक्ति मिल जाती है। स्टूडेंट ने यह स्वीकार करते हैं कि इससे उनकी पढ़ाई बेहद प्रभावित हुई है और नींद भी उड़ गई है, क्योंकि कई बार उन्हें नींद में भी ऐसा लगता है कि मोबाइल पर कोई एसएमएस आया है, इससे नींद खुल जाती है।

इंजीनियरिंग के स्टूडेंट रूपेश त्यागी का कहना है कि मेरे लिए एसएमएस नए-नए दोस्त बनाने का जरिया है और मैं इसके लिए हमेशा एसएमएस का सहारा लेता हूं, क्योंकि यह सस्ता भी है। लेकिन फिलहाल वह एसएमएस से बेहद परेशान हो चुके हैं, उनका कहना है कि शुरू में तो कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन अब इतने अधिक एसएमएस आने लगे हैं कि मोबाइल देखकर ही सिरदर्द होने लगता है और मैं कभी-कभी एसएमएस भेजने वाले दोस्तों पर क्रोधित हो जाता हूं।

जुकाम में खूब खाएं, बुखार में नहीं

एक कहावत है, फीड ए कोल्ड, स्टार्व ए फीवर। यानी जुकाम के समय खूब खाओ और बुखार के समय भूखे रहो। लगता है इस कहावत में कुछ दम है। भरपेट खाने और भूखे रहने के असर शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर एकदम अलग-अलग होते हैं। वैसे डॉक्टर उक्त कहावत को ज्यादा महत्व नहीं देते। एम्सटर्डम के एकेडमिक मेडिकल सेंटर में किए गए अनुसंधान से कुछ रोचक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पता चला है कि भरपेट भोजन करने से प्रतिरक्षा तंत्र का एक पक्ष प्रेरित होता है। यह जुकाम पैदा करने वाले वायरसों का सफाया करता है, जबकि भूखे रहने से प्रतिरक्षा तंत्र का वह पक्ष सक्रिय होता है, जो बुखार के लिए उत्तरदायी बैक्टीरिया का सामना करता है। सेंटर के वैज्ञानिक गिस वान डेन ब्रिन्क और उनके साथियों ने एक क्रिसमस दावत के दौरान अतिथियों के रक्त के नमूने प्राप्त किए। वे देखना चाहते थे कि क्या प्रतिरक्षा तंत्र पर अल्कोहल का कोई असर होता है? पता चला कि अल्कोहल का तो कोई असर नहीं होता, लेकिन भोजन का असर अवश्य होता है। यह देखकर वैज्ञानिकों ने छह लोगों से अनुरोध किया कि वे एक रात भूखे रहें और फिर अगले दिन सुबह प्रयोगशाला में आएं। इन्हीं लोगों को एक बार तरल भोजन देकर भी परीक्षण किए गए। देखने में आया कि तरल भोजन के लगभग 6 घंटे बाद उनके खून में गामा इंटरफेरॉन की मात्रा सामान्य से चौगुनी हो गई थी। गामा इंटरफेरॉन उन तमाम कोशिकाओं को नष्ट करती है, जिसमें कोई विषाणु (वायरस) घुस चुका हो। यह प्रतिरक्षा मूलतः वायरसों के विरुद्ध काम करती है। लगता है कि भरपेट भोजन इसे बढ़ावा देता है। दूसरी ओर, जब इन्हें सिर्फ पानी पिलाया गया तो उनमें इंटरफेरॉन की मात्रा में तो थोड़ी सी कमी आई मगर एक अन्य रासायनिक संदेशवाहक इंटरल्यूकीन-4 की मात्रा चौगुनी हो गई। इंटरल्यूकीन-4 हमारी कोशिकाओं के बाहर मंडराते रोगजनक तत्वों पर हमला करता है। बैक्टीरिया आमतौर पर यही करते हैं, कोशिकाओं के बाहर टहलते रहते हैं। इनमें से कई बैक्टीरिया बुखार के कारक हैं। वैसे ब्रिन्क ने चेतावनी दी कि यह एक बहुत छोटा सा अध्ययन है। लोगों को इसके आधार पर अपने तौर-तरीके बदलने की उतावली नहीं करनी चाहिए। वैसे एक अन्य अध्ययन ने भी इस निष्कर्ष की पुष्टि की है। एम्सटर्डम के ही फ्री यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि ग्लूटैमीन नामक एक अमीनो अम्ल भी इंटरफेरॉन जैसी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देता है।

अगर खुजली से हैं परेशान तो इन्हें आजमाइए

खुजली एक त्वचा रोग है, जिससे व्यक्ति काफी परेशान और निराश हो जाता है। खुजली के लिए सबसे कारगर उपाय है तेल की मालिश जिससे रूखी और बेजान त्वचा को नमी मिलती है। चलिए जानते हैं खुजली के कुछ घरेलू इलाज।

1. खुजली होने पर प्राथमिक सावधानी के तौर पर सफाई का पूरा ध्यान रखिए।
2. साबुन का प्रयोग जितना भी हो सकता है कम कर दें और सिर्फ मृदु साबुन का ही प्रयोग करें।
3. कभी कभी त्वचा को सुगंधित पदार्थों, क्रीम, लोशन, शैंपू, जूतों या कपड़ों में पाए जाने वाले रसायनों से भी एलर्जि हो जाती है। इसलिए सही तरीके का लोशन इत्यादि ही लगाएं।
4. अगर आपको कब्जा है तो उसका भी इलाज करवाएं।
5. हफ्ते में दो बार मुल्तानी मिट्टी और नीम की पत्ती का लेप लगाएं, उसके बाद साफ पानी से शरीर को धो लें।
6. थोडा सा कपूर लेकर उसमें दो बड़े चम्मच नारियल का तेल मिलाकर खुजली वाले स्थान पर नियमित लगाने से खुजली मिट जाती है। हां, तेल को हल्का सा गरम करके ही कपूर में मिलाए।
7. यदि जनेंद्रिय पर खुजली की शिकायत हो, तो गर्म पानी में फिटकरी मिलाकर उसे लगाएं।
8. नारियल तेल का दो चम्मच लेकर उसमें एक चम्मच टमाटर का रस मिलाइए। फिर खुजली वाले स्थान पर भली प्रकार से मालिश करिए। उसके कुछ समय बाद गर्म पानी से स्नान कर लें। एक सप्ताह ऐसा लगातार करने से खुजली मिट जाएगी।
9. यदि गेहूं के आटे को पानी में घोल कर उसका लेप लगाया जाए, तो विविध चर्म रोग, खुजली, टीस, फोडे-फुंसी के अलावा आग से जले हुए घाव में भी राहत मिलती है।
10. सवेरे खाली पेट 30-35 ग्राम नीम का रस पीने से चर्म रोगों में लाभ होता है, क्योंकि नीम का रस रक्त को साफ करता है।
11. खुजली से परेशान लोगों को चीनी और मिठाई नहीं खानी चाहिए। परवल का साग, टमाटर, नीबू का रस आदि का सेवन लाभप्रद है।

वजन कम ना होने के पांच मुख्य कारण

अगर आपको ऐसा लगता है कि आपके बार-बार जिम जाने से भी आपके वजन में कोई परिवर्तन नहीं दिख रहा है, तो इसके पीछे भी कई कारण हो सकते हैं। पूरी तरह से वजन कम करने के लिए कई ऐसे उपाए हैं जो काफी कारक हैं। जिनमें से सही तरीके से लिया गया आहार और व्यायाम सर्वक्षेष्ठ स्थान रखता है। पर इसके अलावा भी ऐसे और भी कारण हो सकते हैं जिनकी वजह से आपके वजन में कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिलता। चलिए बात करते हैं इन्हीं कारणों की।

पांच महत्तवपूर्ण कारण क्या हैं-

1. अनुचित डाइट प्लैनः आपको जरुरत है ऐसी आहार योजना कि जो खास आपके शरीर की जरुरत के हिसाब से तैयार की गई हो। इसको तैयार करने के लिए यह देखना बहुत जरुरी है कि आप कौन सा कार्य करते हैं और आपकी रोज़ की दिनचर्या कैसी है। अगर आप रोज़ जिम जाते हैं और वापस घर पर आकर दिन भर सोते रहते हैं तो किसी भी प्रकार का डाइट प्लैन अपको पतला नहीं कर पाएगा।

2. ब्रेकिगं प्वांइटः यहां पर ब्रेकिगं प्वांइट हम उसे कहते हैं, जिस समय ब्यक्ति का वजन कम होना शुरू हो जाता है। अगर आप ऐसा सोंचते हैं कि एक्सरसाइज करने के तुरंत बाद ही आपका वजन कम होने लगेगा तो ऐसा नहीं होता। सबसे पहले शरीर में से पानी, फिर ऊर्जा और अंत में वसा कम होना शुरु होता है। हर ब्यक्ति का ब्रेकिगं प्वांइट अलग अलग होता है। जहां कई लोग चार ही दिनों में किलो भर वजन कम कर लेते हैं, वहीं पर कुछ लोगों का वजन दो हफ्ते बाद भी वैसा ही रहता है। इसलिए आपको कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।

3. व्यायाम की सही योजनाः अगर आप काफी समय से सिर्फ वही पुरानी एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आपके शरीर को उसकी आदत हो जाएगी। इसलिए आपको अपनी एक्सरसाइज को कुछ कुछ दिनों या महीनों पर परिवर्तित कर लेना चाहिए।

4. कार्डियो और वेट ट्रेनिगं का उचित मिश्रणः वर्कआउट हमेशा इन्ही दो महत्वपूर्ण भागों में बंटा होता है। आपको वजन कम करने के लिए हमेशा 80 प्रतिशत कार्डियो करना चाहिए। जिसमें ट्रेडमिल, साइकिलिगं और जौगिगं शामिल होती है। वेट ट्रेनिगं मासपेशियों को टोन करने के लिए किया जाता है।

5. हार्मोनल असंतुलनः अगर फिर भी आपका वजन कम होने का नाम नहीं ले रहा है तो शायद शरीर में आंतरिक रूप से ही कोई समस्या हो। थाइरॉइड ग्लैन्ड के सही से काम ना कर पाने की वजह से भी वजन कम नहीं होता चाहे आप कितनी भी कोशिश क्यूं ना कर लें।

IND vs ENG: बेन स्टोक्स ने पकड़ा गजब का कैच, भौचक्के रह गए श्रेयस अय्यर; वीडियो ने लगाई आग

नई दिल्ली. इंडिया वर्सेस इंग्लैंड 5 मैच की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला विशाखापट्टनम में खेला जा रहा है। इस मैच के दौरान इंग्लिश टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने एक ऐसा गजब का कैच पकड़ा जिसे देखने के बाद बल्लेबाज श्रेयस अय्यर समेत अंपायर और इंग्लैंड के खिलाड़ी भी हैरान थे। बेन स्टोक्स ने इस आला कैच के साथ श्रेयस अय्यर की पारी का अंत 29 के निजी स्कोर पर किया, अय्यर एक बार फिर अच्छी शुरुआत को बड़ा स्कोर में तबदील नहीं कर पाए। ऐसे में उनपर अगले टेस्ट से बाहर होने का खतरा और तेजी से मंडराने लगा है।

श्रेयस अय्यर के विकेट की बात करें तो, 28वें ओवर की पहली गेंद पर वह टॉम हार्टली को कदमों का इस्तेमाल कर सामने की तरफ बड़ा शॉट लगाना चाहते थे। इंग्लैंड ने लॉन्ग ऑन और लॉन्ग ऑफ दोनों को अंदर लिया हुआ था। ऐसे में अय्यर लालच में आ गए और उन्होंने गेंद को मिड ऑफ के ऊपर से मारना चाहा। हालांकि वह गेंद को सही से टाइम नहीं कर पाए और गेंद हवा में खड़ी हो गई। बेन स्टोक्स ने मिड ऑफ से 22 मीटर पीछे भागते हुए गजब का कैच पकड़ा और अय्यर की पारी का अंत किया। उनके इस कैच को देखकर हर कोई हैरान था।

बात मुकाबले की करें तो, तीसरे दिन की शुरुआत भारत के लिए अच्छी नहीं रही। रोहित शर्मा (13) और यशस्वी जायसवाल (17) को जेम्स एंडरसन ने पहले ही आधे घंटे में पवेलियन की राह दिखा दी थी। इसके बाद श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल के बीच जरूर अर्धशतकीय साझेदारी हुई, मगर इस पार्टनरशिप को टॉम हार्टली ने तोड़ा।

सचिन तेंदुलकर ने शुभमन के शतक पर किया ऐसा ट्वीट, वीरेंद्र सहवाग ने गिल-यशस्वी जायसवाल को बताया फ्यूचर स्टार

नई दिल्ली. भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग और सचिन तेंदुलकर ने शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की है। यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में दोहरा शतक जड़ा था, जबकि शुभमन गिल ने दूसरी पारी में शतक जड़कर अपनी जगह टीम में पुख्ता कर ली है। गिल के दमदार शतक लगाने पर सचिन ने उनकी तारीफ की है। सहवाग ने गिल और यशस्वी को भविष्य का सितारा बताया है।

सचिन तेंदुलकर ने ट्वीट करके लिखा, शुभमन गिल की ये पारी कौशल से भरपूर थी। सही समय पर शतक लगाने के लिए बधाई!÷ विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाह ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, दो युवाओं को ऐसे खेलते देखने में खुशी हो रही है। दोनों अंडर-25 अपने क्लास को दिखा रहे हैं। उम्मीद है कि ये दोनों आने वाले दशक में विश्व क्रिकेट पर राज करने वाले है। पिच बल्लेबाजी के लिए मुश्किल नहीं है और इंग्लैंड गेंदबाजी में आक्रामक रवैया अपना रहा है जिससे भारत अपनी पारी को जितना संभव को उतना आगे बढ़ाकर विरोधी टीम को बड़ा लक्ष्य देना चाहेगा। गिल ने शोएब बशीर के पारी के 52वें ओवर में शतक पूरा किया। वह पिछली 13 पारियों में पहली बार 50 रन के आंकड़े को पार करने में सफल रहे। गिल हालांकि शतक पूरा करने के बाद बशीर की गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश में पवेलियन लौटे। गेंद गिल के ग्लव्स से टकराकर हवा में उछली और विकेटकीपर बेन फोक्स ने आसान कैच लपका। गिल ने अपनी पारी में 11 चौके और दो छक्के मारे।

तलवार की धार पर थी शुभमन गिल की टेस्ट टीम में जगह

सेंचुरी जड़कर आलोचकों का किया मुंह बंद

शुभमन गिल की टेस्ट टीम में जगह एक समय पर तलवार की धार पर थी। यहां तक कि विशाखापट्टनम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में भी वे फेल हुए थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने शतक जड़ा।

नई दिल्ली. विशाखापट्टनम में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले की पहली पारी तक शुभमन गिल की जमकर आलोचना हुई। जब से वे नंबर तीन पर खेले, एक भी बार बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं हो पाए। यहां तक कि उनको टीम से ड्रॉप किए जाने की बात भी की जाने लगी। दूसरे टेस्ट से पहले उनकी टेस्ट टीम में जगह तलवार की धार पर थी, लेकिन शुभमन गिल ने सभी आलोचकों का मुंह बंद कर दिया।

शुभमन गिल ने 147 गेंदों में 11 चौके और 2 छक्कों की मदद से 104 रनों की पारी खेली और अपने आलोचकों का मुंह बंद करने के साथ-साथ टेस्ट टीम में कुछ समय के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। कम से कम इस पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उनको अब कोई नंबर तीन से हिलाने वाला नहीं है। इस टेस्ट मैच की पहली पारी में शुभमन गिल 46 गेंदों में 34 रन बनाकर आउट हुए थे, लेकिन दूसरी पारी में दमदार बल्लेबाजी की और शतक जड़ दिया।

श्रेयस पर संकट

दाएं हाथ के बल्लेबाज शुभमन गिल ने अपनी नंबर तीन की पोजिशन को बचा लिया है, लेकिन अब श्रेयस अय्यर पर संकट मंडराने लगा है। केएल राहुल और विराट कोहली की टीम में वापसी होगी तो फिर श्रेयस अय्यर को बाहर बैठना पड़ेगा, क्योंकि वे इस फॉर्मेट में लगातार फेल होते जा रहे हैं। श्रेयस अय्यर स्पिन को अच्छे से खेल नहीं पा रहे हैं और विदेशी सरजमीं पर वे शॉर्ट बॉल के खिलाफ फंस जाते हैं और आउट हो जाते हैं। ऐसे में उनको बाहर किया जा सकता है। शुभमन गिल की बात करें तो उन्होंने करियर का तीसरा टेस्ट शतक अपनी 24 साल की उम्र में पूरा किया। वे उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 24 या इससे कम उम्र में 10 शतक जड़े हैं। शुभमन गिल ने टी20 इंटरनेशनल में एक, वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में 6 और टेस्ट क्रिकेट में 3 शतक जड़े हैं। वे विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर वाली श्रेणी में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने ऐसा किया है।

IND vs ENG: जो रूट की चोट ने बढ़ाई इंग्लैंड की मुश्किलें, मैदान छोड़ने को हुए मजबूर

नई दिल्ली. विशाखापट्टनम में जारी इंडिया वर्सेस इंग्लैंड दूसरे टेस्ट के बीच मेहमान टीम के लिए बुरी खबर सामने आ रही है। टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी जो रूट को चोट के चलते मैदान छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। तीसरे दिन के पहले सेशन में स्लिप में फील्डिंग के दौरान उनको दाएं हाथ की छोटी उंगली पर चोट लगी थी, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इंग्लैंड की मेडिल टीम आईसपैक लगाकर उन्हें मैच फिट बनाने की पूरी कोशिश कर रही है। हालांकि यह कह पाना कठिन है कि वह कितनी देर मैदान से बाहर रहेंगे। जो रूट की इस चोट ने इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेल दिया है। जब तक रूट मैदान से बाहर रहेंगे तब तक बल्लेबाजी से पहले इंग्लिश टीम बॉलिंग में भी उनकी सेवाएं नहीं ले पाएगी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने कन्फर्म किया %तीसरे दिन के पहले सेशन में स्लिप कैच का प्रयास करते हुए जो रूट की दाहिनी छोटी उंगली पर चोट लगी है। इंग्लैंड की मेडिकल टीम इलाज और आइसिंग के लिए फिलहाल उन्हें मैदान से दूर रखेगी। फिलहाल इस बात का कोई संकेत नहीं है कि वह मैदान पर कब वापसी करेंगे।

जो रूट ने हैदराबाद टेस्ट में इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई थी, वहीं दूसरे टेस्ट में भी कप्तान ने उन पर भरोसा जताते हुए दोनों ही पारियों में जेम्स एंडरसन के साथ बॉलिंग की शुरुआत की थी। हालांकि जो रूट को विशाखापट्टनम में एक भी सफलता नहीं मिल पाई है। पहली पारी में उन्होंने 14 ओवर में 71 रन खर्च किए, वहीं दूसरी पारी में उन्होंने अभी तक 2 ही ओवर गेंदबाजी की है।

केन विलियमसन ने तोड़ा सर डॉन ब्रैडमैन और विराट कोहली का रिकॉर्ड, टेस्ट क्रिकेट में किया कमाल

नई दिल्ली. न्यूजीलैंड की टीम के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन ने ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन और भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। केन विलियमसन टेस्ट क्रिकेट में 30वां शतक लगाने के साथ ही ब्रैडमैन और विराट से आगे निकल गए हैं। विराट कोहली और डॉन ब्रैडमैन ने टेस्ट क्रिकेट में 29-29 शतक जड़े हैं, जबकि केन विलियमसन ने अब 30वां शतक टेस्ट क्रिकेट में पूरा किया।

रविवार को माउंट मॉन्गनुई में केन विलियमसन ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 241 गेंदों में दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में 30वां शतक पूरा किया। इसी के साथ वे विराट कोहली और ब्रैडमैन से आगे निकल गए। इतना ही नहीं, वे टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 30 शतक जड़ने वाले दुनिया के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। केन विलियमसन से पहले सचिन तेंदुलकर (159), स्टीव स्मिथ (162) और मैथ्यू हैडेन (167) ने ये कमाल किया है। केन विलियमसन न्यूजीलैंड के पहले ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 30 या इससे ज्यादा शतक जड़ने का गौरव हासिल किया है। कीवी टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज रॉस टेलर हैं, लेकिन उनके बल्ले से सिर्फ 19 शतक निकले हैं, लेकिन केन विलियमसन ने अब 30 शतक जड़ दिए हैं। विलियमसन पिछले काफी समय तक चोट से परेशान रहे हैं, लेकिन अब फिर से हर फॉर्मेट में खेल रहे हैं।

विलियमसन ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ जारी पहले टेस्ट मैच में पहले दिन के खेल के बाद नाबाद लौटे हैं। वे बड़ी पारियां खेलने के लिए फेमस हैं और मेहमान टीम की कमजोर गेंदबाजी के खिलाफ वे दूसरे दिन अपने शतक को दोहरे शतक में तब्दील कर सकते हैं। केन विलियमसन ने इस मैच में 241 गेंदों में शतक पूरा किया, लेकिन वे चाहेंगे कि दूसरे दिन रन गति को बढ़ाया जाए, क्योंकि अभी टीम 300 तक भी नहीं पहुंच पाई है।

डेविस कप : भारत ने पाकिस्तान को हराकर विश्व ग्रुप वन में किया प्रवेश

इस्लामाबाद . भारतीय टेनिस टीम ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ जीत के साथ डेविस कप 2024 विश्व ग्रुप वन में प्रवेश किया। आज यहां पाकिस्तान स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने दूसरे दिन 2-0 की बढ़त के साथ शुरुआत की।

युकी भांबरी और साकेत माइनेनी ने पाकिस्तान के अकील खान और मुजम्मिल मुर्तजा की जोड़ी को दो घंटे तक चले इस युगल मुकाबले में 6-2, 7(7)-6(6) से हराया। यह 2024 डेविस कप विश्व ग्रुप वन प्ले-ऑफ मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की लगातार आठवीं जीत है। भारतीय युगल जोड़ी ने पहले सेट के पहले गेम में ही बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तानी जोड़ी की सर्विस ब्रेककर 1-0 की बढ़त ले ली।

पांचवें गेम में विपक्षी टीम की सर्विस ब्रेक करने के बाद भारतीय टेनिस खिलाड़ियों ने 4-1 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ियों ने पहला सेट 26 मिनट में 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने वापसी करने का प्रयास किया और बेहतरीन तालमेल के साथ अपनी सर्विस बरकरार रखी। दूसरे और तीसरे गेम में दोनों टीमों ने बिना कोई अंक गंवाए अपनी-अपनी सर्विस बनाए रखी। हालांकि, भांबरी और माइनेनी ने विपक्षी टीम पर अपना दबदबा बनाये रखा।

भारतीय जोड़ी ने केवल एक अंक गंवाया और शेष पांच अंक हासिल कर मैच में जीत दर्ज की और सितंबर में होने वाले डेविस कप विश्व ग्रुप वन में प्रवेश किया। उल्लेखनीय है कि डेविस कप विश्व ग्रुप वन प्ले-ऑफ के पहले दिन रामकुमार रामनाथन ऐसाम-उल-हक कुरैशी को 6(7)-7(3), 7(7)-6(4), 6-0 से हराया था। जबकि श्रीराम बालाजी ने अकील खान को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से पराजित किया। दूसरे दिन भारत ने युगल मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए 3-0 की अजेय बढ़त ले ली।

डेब्यू मैच में दक्षिण अफ्रीका के शेपो मोरेकी ने किया कमाल, पहली ही गेंद पर डेवोन कॉनवे को भेजा पवेलियन

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज शेपो मोरेकी टेस्ट करियर की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले 24वें खिलाड़ी बन गए हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका की ओर से ऐसा करने वाले चौथे गेंदबाज बने हैं।

नई दिल्ली. न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैच की टेस्ट सीरीज का पहला मैच माउंट मोनगानुई में खेला जा रहा है। इस सीरीज में दक्षिण अफ्रीका ने युवा खिलाड़ियों को खेलने का मौका दिया है। पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के छह खिलाड़ियों ने पदार्पण किया, जिसमें कप्तान नील ब्रैंड भी शामिल हैं जिन्होंने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज शेपो मोरेकी ने अपने पहले ही मैच में बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज शेपो मोरेकी ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शानदार शुरुआत करते हुए अपनी पहली गेंद पर ही विकेट ले लिया। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज शेपो मोरेकी ने टेस्ट क्रिकेट में अपनी पहली गेंद पर डेवोन कॉनवे (01) को पगबाधा किया। मोरेकी टेस्ट में अपनी पहली ही गेंद पर विकेट चटकाने वाले चौथे प्रोटियाज गेंदबाज बन गए।

वह बर्ट वोग्लर (1906), डेन पीड्ट (2014), हार्डस विलोजेन (2016) के क्लब में शामिल हो गए हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले 24वें गेंदबाज बने।

वेस्टइंडीज के शमर जोसेफ हाल ही में यह उपलब्धि हासिल करने वाले 23वें खिलाड़ी बने थे। उन्होंने अपनी पहली गेंद पर ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ को आउट किया। शेपो को दूसरे ओवर में ही गेंद थमाई गई थी। उन्होंने कॉनवे को एलबीडब्ल्यू किया। हालांकि इसके बाद विकेट नहीं हासिल कर सके और पहले दिन 22 ओवर में 81 रन खर्च किए। केन विलियमसन के 30वें और रचिन रविंद्र के पहले टेस्ट शतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन दो विकेट पर 258 रन बनाकर अपना पलड़ा भारी रखा। दिन का खेल खत्म होने पर विलियमसन 112 जबकि रविंद्र 118 रन बनाकर खेल रहे थे। दोनों तीसरे विकेट के लिए 219 रन की अटूट साझेदारी कर चुके हैं।

विकेटों का छक्का लगाने पर जसप्रीत बुमराह बोले- अगर गेंद रिवर्स स्विंग हो रही है तो मैजिक की जरूरत नहीं

नई दिल्ली. जसप्रीत बुमराह ने शनिवार को विशाखापट्टनम में इंग्लैंड के खिलाफ एक के बाद एक खतरनाक गेंद फेंकी, जिससे वह भारत में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज करने में सफल रहे, लेकिन उनका मानना है कि अगर गेंद रिवर्स हो रही है तो कोई मैजिक (जादू) ढूंढने की जरूरत नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन इस 30 साल के गेंदबाज ने गेंद को रिवर्स कर अंतिम दो सत्र में तीन खतरनाक स्पैल डाले, जिससे वह 15.5 ओवर में 45 रन देकर छह विकेट चटकाने में कामयाब रहे।

उनके इस कमाल के प्रदर्शन से इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 253 रन पर सिमट गयी और मेजबानों ने 143 रन की बढ़त हासिल की। सीरीज के शुरूआती मैच में भी उन्हें रिवर्स स्विंग से फायदा मिला था, लेकिन शनिवार को उन्होंने इससे भी बेहतर प्रदर्शन किया। बुमराह ने जिस तरह गेंद को दोनों ओर मूव करते हुए जो रूट, जॉनी बेयरस्टो और ओली पोप के विकेट झटके उसे देखना दिलचस्प था। सोशल मीडिया पर उनके पोप को इनस्विंगर यॉर्कर से बोल्ड करने का वीडियो क्लिप वायरल हो रहा है।

बुमराह से जब मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में इसके बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अगर आप भारत के विकेट लेना चाहते हो तो आपको रिवर्स स्विंग गेंदबाजी करना सीखना होगा। शायद मैंने पारंपरिक स्विंग से पहले रिवर्स स्विंग करना सीखा, क्योंकि आप धीमे विकेटों पर काफी क्रिकेट खेलते हो। इसलिए आप समझते हो कि आपको यहां कैसे गेंदबाजी करनी होगी। आपको तरीका ढूंढना होता है, ऐसे कौन सा क्षेत्र है जहां आप हिट कर सकते हो। इसलिए नेट में आप इस तरह का काफी अभ्यास करते हो और विकेट चटकाने के लिए इसे आजमाने की कोशिश करते हो।

पोप को आउट करने से पहले वह क्या सोच रहे थे तो इस पर बुमराह ने कहा, उस समय गेंद काफी सख्त थी। हां, उस समय कुछ रिवर्स स्विंग थी। रिवर्स स्विंग में आपको प्रत्येक गेंद को जादुई गेंद फेंकने की जरूरत नहीं होती। मैंने कुछ बाहर जाती गेंद फेंकी थी और मेरे दिमाग में चल रहा था कि मुझे कौन सी गेंद फेंकनी चाहिए? लेकिन मैंने तब तक यॉर्कर नहीं डाली थी। तो मैंने सोचा कि चलो जोखिम लिया जा सकता है और मैंने ऐसा किया और यह काफी स्विंग हुई। मैंने अच्छी तरह इसे फेंका जिससे मैं बहुत खुश हूं।

बुमराह ने ये भी बताया कि जो रूट का विकेट इन 6 विकेटों में उनका पसंदीदा था। बुमराह द्वारा लिए गए 6 विकेटों में से उनका पसंदीदा विकेट कौन सा था? इसके जवाब में जियोसिनेमा पर बुमराह ने कहा, ÷जो रूट का [विकेट]।उन्होंने बताया, ÷हम समझते हैं कि यह इस टेस्ट मैच में एक महत्वपूर्ण विकेट है।

वह एक विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं और हम जानते हैं कि इस विकेट पर उनका विकेट हासिल करना वास्तव में महत्वपूर्ण था, क्योंकि विकेट बहुत कुछ नहीं कर रहा है। यह एक धीमा विकेट है।

हम समझ गए कि यह एक महत्वपूर्ण चरण था और अगर हम उसे आउट कर देते हैं तो इससे आपको फायदा होगा। हम समझते हैं कि वह इंग्लैंड टीम के लिए कितना महत्वपूर्ण है इसलिए हम इससे बहुत खुश हैं।

दिव्या खोसला ने हैदराबाद में शुरू की हीरो हीरोइन की शूटिंग

अभिनेत्री दिव्या खोसला कुमार ने हैदराबाद में अपनी आगामी फिल्म हीरो हीरोइन के पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है। गुरुवार को मेकर्स ने फिल्म का दूसरा पोस्टर भी शेयर किया। जहां दिव्या का पहला लुक एक ठाठ और उत्तम दर्जे की दिवा जैसा माहौल पेश करता है। दूसरा पोस्टर बेहद भव्यता के साथ मीना कुमारी और वैजयंतीमाला के युग की याद दिलाता है। सुरेश कृष्ण द्वारा निर्देशित यह फिल्म ऑन-स्क्रीन रोमांस के वास्तविक जीवन के प्यार में बदलने की अलिखित यात्रा की पड़ताल करती है। दिव्या खोसला कुमार ने कहा, यह मेरी अब तक की सबसे आशाजनक भूमिका है और मैं बता नहीं सकती कि पहली झलक सामने आने के साथ ही इतना प्यार देखकर मैं कितनी खुश और रोमांचित हूं। हीरो हीरोइन की दुनिया में कदम रखना एक ऐसा अनुभव है जो मेरे अंदर हमेशा के लिए अंकित रहेगा। स्क्रिप्ट ग्लैमर और सार का एक मनोरम मिश्रण है और मैं एक ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं जो एक दृश्य और भावनात्मक होने का वादा करती है। उन्होंने आगे कहा, दूसरा पोस्टर प्रियदर्शनी की दोहरी दुनिया की एक झलक पेश करता है और मैं उत्साहित हूं कि इस फिल्म में कई पहलू हैं, जो आपके दिमाग को हिला देंगे, इस सिनेमाई यात्रा में दर्शकों के हमारे साथ जुड़ने का इंतजार नहीं कर सकती। निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने कहा, मैं अब तक की प्रतिक्रिया से रोमांचित हूं, यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। यह भावनाओं के जाल को उजागर करती है जहां प्यार अप्रत्याशित मोड़ लेता है। उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म आधुनिक प्रेम का उत्सव है, और हमने जो जादू बनाया है उसे साझा करने के लिए हम इंतजार नहीं कर सकते।

मुझे उम्मीद है कि इस फिल्म को भी मेरी पिछली फिल्मों की तरह ही स्वीकार किया जाएगा, यह मेरे प्रशंसकों का निरंतर प्यार और समर्थन है जो मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

रवीना टंडन ने शाहरुख की 4 फिल्में ठुकराई थीं, एक ने जूही चावला को बनाया सुपरस्टार

रवीना टंडन हिंदी सिनेमा की बेहतरीन अदाकाराओं में से एक हैं. उन्होंने तमाम हिट फिल्मों से अपनी करियर को संवारा है. वहीं, सिनेमा को उन्होंने काफी हिट फिल्में दी हैं. एक्ट्रेस इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'कर्मा कॉलिंग' को लेकर छाई हुई हैं. वो अपनी फिल्म का प्रमोशन कर रही हैं. उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि वो शाहरुख खान के साथ वो चार फिल्में रिजेक्ट कर चुकी हैं. डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली रवीना टंडन की फिल्म कर्मा कॉलिंग 26 जनवरी 2024 को स्ट्रीम हुई. इसे लोगों के अच्छे रिव्यूज मिल रहे हैं. अपने इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि शाहरुख के साथ उन्होंने फिल्में साइन कर दी थीं. लेकिन, किसी वजह से उन्हें वो फिल्में ठुकरानी पड़ीं. एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें किंग खान के साथ 4 फिल्में करने का ऑफर मिला था.

रवीना ने शाहरुख संग क्यों ठुकराई पहली फिल्म ?

मिर्ची प्लस के साथ बातचीत में रवीना टंडन ने बताया कि शाहरुख के साथ पहली फिल्म डायरेक्टर के निधन की वजह से बंद हो गई थी. दूसरी फिल्म के बारे में रवीना ने कहा कि वो अपनी ड्रेसेस से खुश नहीं थीं. उन्होंने शाहरुख संग जमाना दीवाना की थी लेकिन वो भी पोस्टपोन होने के बाद. इनमें से एक थी फिल्म 'डर', जो रवीना और शाहरुख साथ करने वाले थे. लेकिन, इसके लिए भी उन्होंने अपने कदम पीछे कर लिए थे. हालांकि, शाहरुख को उन्होंने बेहद केयरिंग बताया. बाद में डर फिल्म के लिए शाहरुख खान के साथ जूही चावला को कास्ट किया गया. 1993 में रिलीज हुई ये फिल्म ब्लॉकबस्टर रही थी. ये पिक्चर जूही चावला के करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक थी.

10 साल पहले हुई थी कर्मा कॉलिंग की प्लानिंग

रवीना के मुताबिक, 10 साल पहले उन्होंने कर्मा कॉलिंग को भी रिजेक्ट कर दिया था. 10 साल पहले ही इस शो को लेकर प्लानिंग हुई थी जब शो की मेकर रुचि जी रवीना के ऑफिस आई थीं. उस वक्त उन्हें कई तारीखों की जरूरत थी और मेरा बेटा सिर्फ 3-4 महीने का था. इसलिए मैंने उस प्रोजेक्ट के लिए मना कर दिया था.

विवेक ओबरॉय ने शिल्पा शेट्टी को क्यों बताया वैम्पायर, बोले- बिल्कुल नहीं बदलीं, पी रही हैं खून

विवेक ओबेरॉय और शिल्पा शेट्टी काफी समय से दोस्त हैं। दोनों हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में नजर आए। अब विवेक ने हाल ही में शिल्पा और उनके साथ अपनी दोस्ती के बारे में बात की। इतना ही नहीं इस दौरान विवेक ने शिल्पा को वैम्पायर तक कह दिया। अब विवेक ने ऐसा क्यों किया हम आपको बताते हैं।

शिल्पा को क्यों कहा वैम्पायर

विवेक ने दरअसल, यह सब शिल्पा की तारीफ में कहा है। उन्हेंने शिल्पा की फिटनेस और यंग लुक की तारीफ करते हुए कहा, जब वह शिल्पा को पहली बार मिले थे तबसे लेकर अब तक वह बदली नहीं हैं। उनकी बॉडी, फिटनेस, लुक्स, उनके बाल सब वैसे ही हैं।नकी उम्र ही नहीं बढ़ रही है। वह वैम्पायर हैं जो खून(मजाक में बोले विवेक) पी रही हैं। इसके पीछे की कोई स्टोरी होगी।

एक-दूसरे की करते रिस्पेक्ट

विवेक ने शिल्पा को नेक दिल भी कहा। उन्होंने कहा कि पर्सनल लाइफ में चाहे कुछ भी चल रहा हो, लेकिन जब भी वे मिलते हैं तो वही एक-दूसरे को प्यार और रिस्पेक्ट देते हैं।

बच्चे भी दोस्त

विवेक और शिल्पा के बच्चे भी अच्छे दोस्त हैं। इस पर विवेक ने कहा कि इसके पीछे की एक वजह है। विवेक ने कहा कि चाहे उनका आज जो भी स्टेटस है, लेकिन अंदर से उनकी मिडल क्लास वैल्यू ही हैं। यही वजह है कि वे आज भी जमीन से जुड़ी हैं।

वैसे बता दें कि इंडियन पुलिस फोर्स में भी शिल्पा, विवेक एक ही बैचमेट के स्टूडेंट दिखाई दिए। हालांकि बाद में दोनों अलग-अलग डिपार्टमेंट में चले जाते हैं। इसके बाद दिल्ली बॉम्ब ब्लास्ट मिशन में दोनों साथ आकर काम करते हैं। शो में दोनों के बीच हल्की नोक झोंक दिखती है।

गैरी और कीरत के बारे में साहिबा को लगी भनक, देवर को दूर भेजने का बनाया प्लान

तेरी मेरी डोरियां के 3 फरवरी के एपिसोड में देखेंगे कि साहिबा और अंगद की हल्दी सेरेमनी हो रही होगी। वीर दोनों से अपने दिल की बात कहने के लिए कहेगा। घर के बाकी लोग उन्हें चीयर करते हैं। साहिबा बताएगी उसके मन में अंगद के लिए क्या एहसास है। वह उससे सभी के सामने आई लव यू कहेगी। अंगद उसे देखता रह जाता है। उनकी हल्दी की रस्में पूरी की जाती है। वीर और कीरत भी अपनी जगह बैठे होते हैं। कीरत दूर खड़े गैरी को देखती है। रस्में चल रही होती हैं कि कीरत अचानक खड़ी होती है। वह वाशरूम जाने के लिए बहाना बनाती है।

कीरत से प्यार करने लगा गैरी

कीरत हल्दी सेरेमनी छोड़कर गैरी के कमरे में पहुंचती है। गैरी उसे तुरंत वहां से जाने के लिए कहता है। वह बताता है कल से वह उसे नहीं दिखेगा। वह दिल्ली जा रहा है। कीरत उसे रुकने के लिए कहेगी। इस बीच उसके पास वीर का फोन आता है। एक तरफ कीरत की हल्दी सेरेमनी होने वाली है तो दूसरी तरफ वह उलझन में पड़ी है। गैरी उससे प्यार करने लगा है और वह उसकी शादी नहीं देखना चाहता। साहिबा को यह पता चल जाता है कि उसके दिल में कीरत के लिए फीलिंग्स है। वह उसके कमरे में जाती है तब गैरी बताता है उसने कीरत को कभी वीर के खिलाफ नहीं भड़काया। वह साहिबा से बताएगा उसे कीरत से प्यार हो गया है लेकिन वह शादी में कोई अड़चन नहीं डालेगा।

दिल्ली जॉब करने जाएगा गैरी

गैरी भरोसा दिलाता है वह कभी भी अपने जज्बात नहीं बताएगा। सीरत के टाइम पर उसे सब मजाक लग रहा था लेकिन अब कीरत के लिए उसके दिल में फीलिंग्स है। साहिबा उसे कीरत से दूर चले जाने के लिए कहेगी। उससे दिल्ली में जॉब का ऑफर मिला है तो वह उस जॉब ऑफर को एक्सेप्ट करने के लिए कहेगी। गैरी कहता है वह दिल्ली चला जाएगा।

तलाक के लिए अंगद को हुआ पछतावा

रात का समय है और साहिबा किचन में काम कर रही होगी। वहां पर अंगद आएगा और वह उससे पूछेगा उसने हल्दी सेरेमनी में उससे आई लव यू क्यों कहा। क्या वह सच था। साहिबा उसे कोई जवाब नहीं देती। अंगद घर के बाहर खड़ा होकर साहिबा के बारे में सोचता है। गैरी वहां आएगा और बताएगा वह दिल्ली जा रहा है। उसे जॉब मिल गई है। वह उससे अपनी मां का ख्याल रखने के लिए कहेगा। गैरी में जो बदलाव आया है उसे देखकर अंगद भी हैरान होता है। गैरी बताता है साहिबा ने उससे दिल्ली जाकर जॉब करने के लिए कहा। अंगद सोचता है शायद उसे तकलीफ ना हो इसलिए साहिबा ने उसे इस घर से चले जाने के लिए कहा। उसे अब पछतावा होता है शायद उसने तलाक में जल्दबाजी कर दी।